जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 19 संख्याः 298 प्रभात जालोर, सोमवार 3 फरवरी, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

अमेरिका ने कैनडा-मैक्सिको व चीन से आयात पर अतिरिक्त टैरिफ लगाया

चीन ने कड़ा विरोध जताया, कैनडा-मैक्सिको ने अमेरिकी वस्तुओं पर प्रतिशोधी शुल्क लगाने की घोषणा की

- अमेरिका ने मैक्सिको व कैनडा से आयात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया है। चीन से होने वाले आयात पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया है।

वाशिंगटन, 02 फरवरी। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के द्वारा की गई घोषणा के अनुसार आज से मैक्सिको, कैनडा और चीन पर टैरिफ लगा दिया गया है। मामले में व्हाइट हाउस ने कहा है कि कैनडा और मैक्सिको से आयात पर 25 प्रतिशत तथा चीन से आयात होने वाले सामानों पर 10 प्रतिशत का शुल्क (टैरिफ) लागू हो गया है। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी कि क्या इन उपायों में कोई छूट भी दी जाएगी क्योंकि इन टैरिफ के परिणामस्वरूप अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए कैनडा, मेक्सिको और चीन में बने सामान काफी महंगे हो सकते हैं।

कैनडा, मैक्सिको और चीन पर टैरिफ को लगाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने मैक्सिको, कैनडा और चीन से आयात पर टैरिफ लागू कर दिए हैं। मैक्सिको और कैनडा से आयात पर 25 प्रतिशत और कैनडा की ऊर्जा पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है, जबकि चीन पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया गया है।

हालांकि उन्होंने इस दौरान भारत का नाम नहीं लिया। इससे पहले उन्होंने मंगलवार को फ्लोरिडा में एक कार्यक्रम में भारत, चीन और ब्राज़ील जैसे देशों पर हाई टैरिफ लगाने की धमकी थी। ट्रम्प भारत की तरफ से अमेरिकी प्रोडक्ट्स पर बहुत ज्यादा टैरिफ लगाने की शिकायत कर चुके हैं। ऐसे में भारत पर भी टैरिफ का खतरा बना हुआ था। अमेरिका के व्यापार घाटे में भारत की हिस्सेदारी सिर्फ 3.2 प्रतिशत है। अमेरिका को जिन देशों से सबसे ज्यादा व्यापार घाटा होता है उस लिस्ट में भारत 9वें नंबर है।

ट्रंप ने इसे अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम के तहत लागू किया है। इसको लेकर उनका कहना है कि यह कदम अवैध विदेशियों और घातक ड्रग्स, जैसे फेंटेनाइल के कारण अमेरिकी नागरिकों को होने वाले खतरे से बचने के लिए उठाया गया है।

हालांकि, उन्होंने यह भी कहा है कि इसका मकसद घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा, अब ये शुल्क लागू होने जा रहे हैं। ये वादे राष्ट्रपति द्वारा किए गए थे और अब इन्हें पूरा किया जा रहा है।

चीन, कैनडा एवं मेक्सिको ने अमेरिका के आयात शुल्क बढ़ाने के कदम का कड़ा विरोध किया है। चीन वाणिज्य मंत्रालय (एमओसी) ने रविवार को कहा कि चीन अमेरिका द्वारा चीन से आयातित वस्तुओं पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने के फैसले का कड़ा विरोध करता है। एमओसी के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि अमेरिका द्वारा की गई गलत कार्रवाई के जवाब में चीन विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में शिकायत दर्ज कराएगा।

कैनडा और मेक्सिको ने ट्रम्प द्वारा दोनों देशों पर भारी आयात शुल्क लगाने की घोषणा के बाद अमेरिकी वस्तुओं पर प्रतिशोधी शुल्क लगाने की घोषणा की है।

कैनडा सरकार भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लगाए गए आयात शुल्क के जवाब में 155 अरब अमेरिकी डॉलर के अमेरिकी सामानों पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क लगायेगी। ट्रूडो ने शनिवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि कैनडा की प्रतिक्रिया दूरगामी होगी और इसमें अमेरिकी बीयर, वाइन, बोरबॉन फल और फलों के रस जैसी रोजमर्रा की चीजें शामिल होंगी।

उन्होंने कहा, आज रात मैं घोषणा कर रहा हूं कि कैनडा अमेरिकी व्यापार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चार मई से शुरु होंगे बद्रीनाथ मंदिर के दर्शन

टिहरी, 02 फरवरी। उत्तराखंड़ में वसंत पंचमी के शुभ अवसर पर रविवार को टिहरी राज दरबार नरेंद्रनगर में श्री गणेश पूजन के साथ विश्व प्रसिद्ध धाम भगवान श्री बदरीनाथ के कपाट खोलने की तिथि घोषित कर दी गई है।

शुभ लग्न के अनुसार मंदिर के कपाट आगामी चार मई को सुबह छह बजे प्रातः विधिवत् पूजा-अर्चना के साथ आम श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले जाएंगे। भगवान बदरी विशाल के महाभिषेक के लिए तिलों का तेल 22 अप्रैल को पिरोया जाएगा। उसी दिन राज

- राजपुरोहित आचार्य कृष्ण प्रसार उनियाल ने गणेश पंचांग व चौकी पूजन के बाद कपाट खोलने की तिथि के घोषणा की।

दरबार से गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा शुरु होगी। इसके साथ ही चारधाम यात्रा की भी विधिवत् शुरुआत हो जाएगी।

नरेंद्रनगर स्थित राजदरबार में वंसत पंचमी पर राज पुरोहित आचार्य कृष्ण प्रसाद उनियाल ने गणेश, पंचांग और चौकी पूजन के बाद महाराजा मनुज्येंद्र शाह की जन्म कुंडली का अध्ययन और ग्रह नक्षत्रों की दशा देखकर भगवान श्री बदरीनाथ मंदिर के कपाट खोलने की तिथि घोषित की। भगवान बदरी विशाल के महाभिषेक के लिए स्थानीय सुहागिन महिलाएं महारानी माला राज्य लक्ष्मी शाह के नेतृत्व में 22 अप्रैल को राजदरबार में तिलों का तेल निकालेंगी।

रविवार को महाकुंभ में 1.29 करोड़ श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई

2 से 4 फरवरी, प्रयागराज शहर व मेला क्षेत्र में वाहनों की एंट्री बंद, वीवीआईपी पास भी रद्द

महाकुंभ नगर, 02 फरवरी। महाकुंभ में बसंत पंचमी के अवसर पर गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती की त्रिवेणी में रविवार को लाखों श्रद्धालुओं ने स्नान किया। बसंती पंचमी अमृत स्नान पर्व सोमवार को ब्रह्म मुहुर्त से शुरु होगा, इसे देखते हुए 2 से 4 फरवरी तक प्रयागराज शहर और मेला क्षेत्र में वाहनों की एंट्री बंद कर दी गई है। वीवीआईपी पास भी रद्द कर दिए गए हैं। निगरानी के लिए हेलिकॉप्टर तैनात किया गया है।

4 फरवरी तक श्रद्धालुओं को अपने वाहन शहर के बाहर पार्किंग में खड़े करने होंगे। पार्किंग से वे शटल बस से या पैदल घाटों तक पहुंच सकेंगे। बड़े और छोटे वाहनों की पार्किंग अलग कर दी गई है।

प्रयागराज के सभी रेलवे स्टेशनों पर वन-वे व्यवस्था लागू कर दी गई है। एक साइड से श्रद्धालु आएंगे तो दूसरी साइड से निकासी होगी।

महाकुंभ में बसंत पंचमी के मौके पर भारी भीड़ होने की संभावना जताई गई है। अखाड़ों के स्नान का टाइम टेबल भी जारी कर दिया गया है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार रविवार को रात 8 बजे तक करीब 1.29

- सोमवार को बसंत पंचमी पर अखाड़ों के स्नान का टाइम टेबल भी घोषित किया। महानिर्माणी अखाड़ा सबसे पहले सुबह पाँच बजे त्रिवेणी स्नान करेगा।

करोड़ श्रद्धालु संगम में स्नान कर चुके थे। इन्हें मिला कर महाकुंभ में 34.90 करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं।

बसंत पंचमी के अवसर पर सभी 13 अखाड़ों के संत त्रिवेणी में स्नान ध्यान करेंगे। महानिर्माणी अखाड़ा सबसे पहले सुबह पांच बजे स्नान करेगा जिनके साथ अटल अखाड़ा के संत भी स्नान करेंगे। बाद में निरंजनी, आनंद अखाड़ा,जूना आवाहन और अग्नि अखाड़ा,निर्वाणी अनि, दिगम्बर अनि, निर्मोही अनि,नया उदासीन,बड़ा उदासीन अखाड़े क्रम से स्नान ध्यान करेंगे। मेला क्षेत्र में भीड़ प्रबंधन के लिये ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों की मदद ली जायेगी। स्नान पर्व पर कोई वीआईपी प्रोटोकाल नहीं होगा। बसंत पंचमी स्नान पर्व के बाद अखाड़े अपने गंतव्य की ओर रवाना होने लगेंगे।

महाकुम्भ पर बसंत पंचमी के अमृत स्नान को लेकर पूरे प्रयागराज मंडल के डॉक्टरों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। 1200 से अधिक मेडिकल फोर्स महाकुम्भनगर में पूरी तरह से तैयार हैं। इसके अलावा मेले में ही पूरी मेडिकल फोर्स मुस्तैद रहेगी, जो 06 फरवरी के बाद ही यहां से जाएगी। जरूरत के हिसाब से बैकअप प्लान भी तैयार कर लिया गया है।

महाकुम्भनगर में डॉक्टरों की चार सदस्यीय स्पेशल टीम ने मेले में एक-एक अस्पताल की जांच की। साथ ही मेला क्षेत्र में बने सेक्टर अस्पतालों में दवा के स्टॉक और मशीनें भी चेक की हैं। इसके अलावा स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल और तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय को भी पूरी सजगता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। स्वरूपरानी नेहरू

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अयोध्या में युवती से दुष्कर्म व हत्या की तुरन्त जाँच हो'

राहुल गांधी व प्रियंका गांधी ने दलित युवती की पुकार को अनसुनी करने वाले पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्यवाही की मांग की

नयी दिल्ली, 2 फरवरी। लोकसभा में विपक्ष के नेता तथा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने अयोध्या में दुष्कर्म के बाद युवती की नृशंश हत्या पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे अमानवीय घटना बताया और राज्य सरकार से जांच कर दोषियों को सख्त सजा देने की मांग की है।

गांधी ने कहा, अयोध्या में दलित बेटी के साथ हुई अमानवता और उसकी नृशंस हत्या हृदयविदारक और बहुत शर्मनाक है। तीन दिनों से गूंजती बच्ची के परिवार के मदद की पुकार पर अगर प्रशासन ने ध्यान दिया होता तो शायद उसके जीवन की रक्षा हो सकती थी। एक

- प्रियंका गांधी ने कहा कि अयोध्या में भागवत कथा सुनने गई दलित बच्ची तीन दिन से गायब थी तथा उसका परिवार मदद की गुहार कर रहा था। यदि प्रशासन ने उस पर ध्यान दिया होता तो शायद बच्ची की जान बच जाती।

और बेटी के जीवन का इस घिनौने अपराध से अंत हो गया। आखिर कब तक और कितने परिवारों को इस तरह रोना-तड़पना पड़ेगा। बहुजन विरोधी भारतीय जनता पार्टी राज खास कर उत्तर प्रदेश में दलितों पर घृणित अत्याचार, अन्याय और हत्या बेलगाम बढ़ता जा रहा है।

उन्होंने मांग की है कि उत्तर प्रदेश सरकार इस अपराध की तुरंत जांच कर, दोषियों को कड़ी से कड़ी सज़ा दिलवाने के साथ ज़िम्मेदार पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई करे और पीड़ित परिवार को हमेशा की तरह प्रताड़ित न करें।

प्रियंका वाड्रा ने कहा, अयोध्या में भागवत कथा सुनने गई एक दलित बच्ची के साथ जिस तरह की बर्बरता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बीकानेर में भूकम्प, कोई जनहानि नहीं

बीकानेर, 2 फरवरी (कासं)। बीकानेर जिले के जसरासर में रविवार दोपहर 12.58 बजे भूकम्प का झटका महसूस हुआ। भूकम्प का केन्द्र बीकानेर से 72 किलोमीटर दूर जसरासर के महरामसर में जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था। भारत के नेशनल सेंटर फॉर सैस्मोलॉजी के मुताबिक रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.6 थी।

- रविवार दोहपर आये भूकम्प की तीव्रता 3.6 थी।

अचानक आये भूकम्प के झटकों से लोग सहम गए। अब तक कहीं से भी किसी तरह की जनहानि होने की सूचना नहीं है। मुरलीधर व्यास कॉलोनी में रहने वाली मीनाक्षी ने बताया कि अचानक सब कुछ हिल गया था। रामकुमार हर्ष ने बताया कि उन्हें भी भूकम्प के झटके महसूस हुए। नोखा और लूणकरनसर में भी भूकम्प का अहसास हुआ है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली-राजस्थान में बारिश के बाद सर्दी बढ़ने की संभावना

नये पश्चिमी विक्षोभ से पूर्वी व उत्तरी राजस्थान में वर्षा का अनुमान है

नई दिल्ली, 02 फरवरी। दिल्ली-एनसीआर में रविवार को सुबह के वक्त हल्की धुंध और दिन के वक्त गुनगुनी धूप के बीच ठंडी-ठंडी हवाओं का अहसास हुआ।

दिल्ली-राजस्थान में बारिश के बाद ठंड बढ़ने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार को शाम और रात को हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। अधिकतम तापमान 22 से 24 डिग्री और न्यूनतम 8 से 10 डिग्री तक रह सकता है।

राजस्थान के कई हिस्सों में एक नये पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से अगले दो दिन बारिश होने का अनुमान है। यह जानकारी मौसम विभाग ने दी। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के कुछ भागों में एक नया पश्चिमी विक्षोभ 3 और 4

- राजस्थान में लूणकरणसर में सबसे कम तापमान 4.4 डिग्री दर्ज किया गया। हरियाणा में अनेक स्थानों पर वर्षा होने की संभावना है।

फरवरी के दौरान सक्रिय होने की संभावना है। विभाग के अनुसार इस दौरान पूर्वी व उत्तरी राजस्थान में कहीं कहीं वर्षा होने की संभावना है। वहीं बीते 24 घंटे में राज्य में निम्नतम न्यूनतम तापमान लूणकरणसर में 4.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विभाग के अनुसार राज्य के बाकी हिस्सों में आगामी दिनों मौसम शुष्क रहने की संभावना है तथा अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान में मामूली बदलाव हो सकता है।

हरियाणा-पंजाब में सुबह शाम की सर्दी के साथ मौसम खराब होने के संकेत हैं। यहां पश्चिमी विक्षोक्ष के कारण कई जिलों में बादलों की आवाजाही देखी जा रही है। गुरुग्राम, फरीदाबाद में हल्की धूप और महेंद्रगढ , फजिल्का, सिरसा, हिसार, पंचकुला सहित कई जिलों में 4 और 5 फरवरी तक बारिश की संभावना बन रही है। हालांकि, दिन में धूप खिलने से अब सर्दी का अहसास कम हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले साल के मुकाबले इस साल कम सर्दी पड़ी है।

इज़रायली प्रधानमंत्री 4 फरवरी को ट्रंप से मिलेंगे

तेल अवीव, 02 फरवरी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप से मुलाकात करने के लिये अमेरिका की यात्रा करेंगे। इज़रायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने पहले बताया था कि व्हाइट हाउस में ट्रंप और नेतन्याहू के बीच चार फरवरी को बैठक होनी है। नेतन्याहू और ट्रंप आगामी बैठक के दौरान गाज़ा पट्टी

- इस बैठक में गाज़ा पट्टी, इज़रायली बंधक, ईरान से टकराव आदि मुद्दों पर चर्चा होगी।

में मौजूदा स्थिति, इज़रायली बंधकों के मुद्दे, ईरानी बुराई की धुरी के सभी तत्वों के साथ टकराव और अन्य प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने का इरादा रखते हैं।

उल्लेखनीय है कि इज़रायली प्रधान मंत्री के अमेरिका जाने से पहले यह ज्ञात हो गया कि नेतन्याहू ने गाजा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

श्रद्धालुओं से भरी लग्ज़री बस 200 फीट गहरी खाई में गिरी

मुंबई, 02 फरवरी। महाराष्ट्र में नासिक-सूरत हाईवे पर सापूताड़ा घाट पर रविवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में सात लोगों की मौत हो गई जबकि 15 अन्य गंभीर रूप से घायल हुए। हादसे का शिकार हुए सभी यात्री मध्य प्रदेश के हैं। हादसा इतनी भीषण था कि बस के गिरते ही उसके परखच्चे उड़ गए। करीब 50 श्रद्धालुओं से भरी लग्ज़री प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर 200 फीट गहरी खाई में गिर गई।

घायलों को नजदीकी अस्पताल में

- नासिक-सूरत हाईवे पर हुए इस हादसे में 7 की मौत हो गई तथा 15 गंभीर रूप से घायल हैं।

भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, श्रद्धालुओं से भरी यह बस कुंभ से आ रही थी और नासिक में त्रयंबकेश्वर मंदिर में दर्शन के बाद गुजरात के धार्मिक स्थलों के दर्शन करने जा रही थी। इस बीच सापुतारा के मालेगांव घाट के पास यह हादसा हुआ।

सुबह करीब 5:30 बजे नासिक-सूरत हाईवे पर सापुतारा घाट के पास प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर 200

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'किसानों को समृद्ध बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने करौली में जगदीश जी के लक्खी मेले में किसान सम्मेलन को संबोधित किया

- उन्होंने कहा कि कृष्ण गमन पथ में जगदीश धाम मंदिर का विकास कार्य किया जायेगा।
- उन्होंने कैमरी में बालिकाओं के लिये आवासीय विद्यालय खोलने तथा पशु उप स्वास्थ्य केन्द्र को पशु चिकित्सालय में क्रमोन्नत करने का आश्वासन दिया।

करौली 2 फरवरी (निस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मुताबिक देश में 4 ही जातियां, किसान, मजदूर, युवा एवं महिला हैं। इन चारों जातियों के उत्थान से ही देश और प्रदेश का उत्थान होगा। उन्होंने कहा कि किसानों को समृद्ध और खुशहाल बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए हमने सरकार का गठन होते ही कृषि के लिए दो प्रमुख आवश्यकताओं, बिजली और पानी पर विशेष ध्यान दिया है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि विकास के साथ विरासत का भी संरक्षण करते हुए हम आस्था धामों के विकास के लिए भी कार्य कर रहे हैं। प्रदेश के विभिन्न मंदिरों के जीर्णोद्धार और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री रविवार को करौली जिले के कैमरी में आयोजित भगवान जगदीश जी के लक्खी मेले तथा किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने श्री जगदीश धाम मन्दिर में दर्शन किए तथा आरती में शामिल हुए। उन्होंने कहा राज्य सरकार 100 करोड़ रुपये की लागत से खाटूश्याम मंदिर में विकास कार्य करवा रही है तथा पूंछरी का लौठा को भी विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कृष्ण गमन पथ के तहत जगदीश धाम मंदिर का भी विकास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कैमरी में बालिकाओं के लिए आवासीय विद्यालय खोलने तथा पशु उप स्वास्थ्य केन्द्र को पशु चिकित्सालय में क्रमोन्नत करने का भी आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा हम पूर्वी राजस्थान के लिए महत्वपूर्ण 'राम जलसेतु लिंक परियोजना' पर तेजी से काम कर रहे हैं। इससे करौली सहित प्रदेश के 17 जिलों की आबादी को पेयजल एवं सिंचाई के लिए जल उपलब्ध हो सकेगा।

शर्मा ने कहा कि राज्य के युवाओं को बेरोजगारी के दंश से मुक्त कराने के लिए हमने पेपरलीक पर पूरी तरह से लगाम लगाते हुए उन्हें सरकारी नियुक्तियों का तोहफा दिया है। अब तक लगभग 60 हजार युवाओं को नौकरी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने करौली जिले के कैमरी गांव में भगवान जगदीश जी मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने भगवान जगदीश जी के लक्खी मेला तथा किसान सम्मेलन को भी संबोधित किया।

विचार बिन्दु

निरंतर विकास जीवन का एक नियम है। और जो भी व्यक्ति खुद को सही दिखाने के लिए अपनी रूढ़िवादिता को बरकरार रखने की कोशिश करता है वो खुद को एक गलत स्थिति में पंहुचा देता है। –महात्मा गांधी

एक नई पहल के बहाने किताबों के बारे में कुछ ज़रूरी बातें!

किताबों, और विशेष रूप से हिंदी की किताबों और उनमें भी विशेष रूप से साहित्यिक किताबों की कोई भी चर्चा थोड़ी देर में इस बात पर आकर टिक जाती है कि किताबें बहुत महंगी हैं। ख़ास तौर पर जब हम अंग्रेज़ी की किताबों से तुलना करते हैं तो यह बात सही भी लगती है। किसी और की बात न करके अगर अपनी ही बात करूं तो मेरी लगभग पौने तीन सौ पेज की किताब की कीमत पांच सौ रुपये है। हालांकि यह सजिल्द संस्करण की कीमत है, अगर इतने ही पन्नों के पेपरबैक संस्करण की बात करें तो वह भी ढाई तीन सौ रुपये से कम का नहीं होगा। कहना अनावश्यक है कि अंग्रेज़ी किताबों की कीमत इनसे काफी कम होती है। यह बात मैंने पाठक के नज़रिये से कही है। अगर आप प्रकाशक के नज़रिये से देखें तो पता चलेगा कि हिंदी में ज़्यादातर किताबें सरकारी खरीद में जाती हैं और वहां बीस-तीस प्रतिशत कमीशन तो वैध रूप से ही देना होता है। टेबल के नीचे जो आदान-प्रदान होता है, वह अलग है। प्रकाशकों का यह भी कहना है कि अंग्रेज़ी में किसी किताब की जितनी प्रतियां बिक जाती हैं, उतनी हिंदी में नहीं बिकती है, इसलिए भी लागत बढ़ जाती है। इन बातों को नज़र अंदाज़ नहीं किया जा सकता है। इनके अलावा एक मुद्दा हिंदी में किताबों की उपलब्धता का भी है। मुझ जैसे लोगों की जो लिखते भी हैं और पढ़ते भी हैं, बड़ी शिकायत यह भी है कि हिंदी का प्रकाशक व्यक्तिगत पाठक को अपनी किताबें बेचने में ज़्यादा दिलचस्पी नहीं रखता है। उसे जितना व्यवसाय करना है उतना वह सरकारी बिक्री करके कर लेता है। इसके जवाब में प्रकाशक शायद यह कहे कि जब कोई खरीदता ही नहीं है तो वह अपनी किताब बेचे किसे?

सवाल यह है कि क्या इन समस्याओं का कोई हल नहीं निकाला जा सकता है? और यह सवाल मुझे सूझा है राजस्थान बल्कि जयपुर के एक नामी प्रकाशक की एक पहल से। इस प्रकाशक ने 1995 में शुरू हुए अपने प्रकाशन के तीसवें साल में एक अनूठी योजना की घोषणा की है। यह प्रकाशक चुनिंदा साहित्यकारों की लघु कलेवर की रचनाओं का एक सेट प्रकाशित कर रहा है। इस सेट में हर पुस्तिका बत्तीस पेज (आवरण पृष्ठ अलग) की होगी और उस पुस्तिका का आकार सामान्य डिमाई (8.5x5.5 इंच) पुस्तक के आकार से आधा (4.25x5.5 इंच) होगा। इस आकार की पुस्तक को आसानी से जेब में रखा जा सकता है। महत्वपूर्ण बात है इस कितबिया का मूल्य। प्रकाशक के अनुसार तीस किताबों का यह सेट मात्र एक सौ पचास रुपये में, अर्थात प्रति पुस्तक पांच रुपये में उपलब्ध होगा। प्रकाशक द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इस सेट में इक्कीस कविता पुस्तकें, तीन ग़ज़ल संठाह, एक लघु कथा संग्रेह, और पांच कथेतर गद्य की किताबें हैं। इनके लेखकों में अनेक सुपरिचित नाम शामिल हैं। विधाओं के लिहाज़ से भी यहां वैविध्य है, हालांकि कविताओं की तरफ झुकाव कुछ ज़्यादा है। कविता संग्रह कम करके कुछ कहानी संग्रह भी जोड़े जा सकते थे, हालांकि बत्तीस पेज में ज़्यादा से ज़्यादा चार कहानियां ही आ पातीं।

पांच रुपये में एक किताब, चाहे वह कितनी ही दुबली क्यों न हो, बहुत आकर्षक है। अच्छी बात यह भी है कि प्रकाशक ने पूरा सेट खरीदने की बाध्यता नहीं रखी है, इसलिए कोई भी एक-दो-तीन-चार पुस्तकें खरीद कर अपनी पढ़ने की ललक को पूरा कर एक शुरुआत कर सकता है। यहीं यह भी याद कर लेना उचित होगा कि कुछ बरस पहले इसी प्रकाशक ने दस-दस रुपये वाली दस-दस किताबों के एक के बाद एक तीन सेट प्रकाशित करके हिंदी प्रकाशन जगत में भारी हलचल पैदा की थी। उन सेटों को हाथों-हाथ लिया गया था। वैसे पुरानी पीढ़ी के लोगों को हिन्द पॉकेट बुक और राजकमल पॉकेट बुक्स की भी ज़रूर याद होगी। हिंद पॉकेट बुक्स की घरेलू लाइब्रेरी योजना किसी ज़माने में बेहद लोकप्रिय थी और मुझ जैसे विपन्न युवा ने भी इस योजना की कृपा से बहुत सारी उम्दा किताबें पढ़ ली थीं। बाद वाले ज़माने में कुछेक अन्य प्रकाशकों ने भी ऐसे प्रयोग किए और वे प्रयोग काफी हद तक सफल भी रहे। वाराणसी के एक प्रकाशक ने अनेक नामी लेखकों की रचनावलियां बहुत कम कीमत पर उपलब्ध कराई थीं। हाल के वर्षों में दिल्ली के एक बड़े प्रकाशक ने भी एक-एक दो-दो रचनाओं वाली किताबियाएं छापीं लेकिन वह प्रयोग दीर्घजीवी नहीं हुआ।

> **इस बात पर भी गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए कि कैसे लेखक को उसके श्रम का प्रतिफल मिले। श्रम का प्रतिफल मिलने लगेगा तो वह अपने लेखन कर्म को अधिक समय भी दे सकेगा। लेखक और प्रकाशक के बीच विश्वास और सद्भाव का रिश्ता होना चाहिए, जो दुर्भाग्य से अभी नहीं है। लेखक प्रकाशक से नाराज़ है और प्रकाशक लेखक से असंतुष्ट। यह स्थिति बदलनी चाहिए और इसके लिए दोनों ही पक्षों को ईमानदार प्रयास करने होंगे।**

अभी मैंने जयपुर के प्रकाशक की जिस अभिनव योजना की चर्चा की उस योजना में एक बड़ी बाधा वितरण और पुस्तकों की उपलब्धता की है। चलिये, जयपुर का पाठक तो प्रकाशक के यहां जाकर भी सेट या अपनी पसंद की किताबें ले आएगा, जो जयपुर से बाहर है वह कैसे इस योजना का लाभ ले सकेगा? ख़ुद प्रकाशक ने भी कहा है कि हाल में डाक व्यय बहुत बढ़ गया है इसलिए जो लोग इस सेट को डाक से मंगवाना चाहेंगे उन्हें इसके लिए पिचहत्तर रुपये और देने होंगे। मतलब यह कि जितने की किताब उससे आधा डाक व्यय। यह किसी को भी अखरेगा। भले ही सरकार द्वारा की गई इस वृद्धि का सभी पढ़ने लिखने वालों ने विरोध किया है, इस बात की कोई उम्मीद नहीं है कि सरकार अपना यह कदम वापस ले। तो अगर आपको डेढ सौ रुपये वाली तीस किताबें चाहिएं तो पिचहत्तर रुपये डाक व्यय खर्च करने ही पड़ेंगे। और मुझे भय है कि बहुत सारे लोग इस बात से बिदक जाएंगे।

क्या इस समस्या का कोई समाधान सम्भव है? क्या इस बात पर विचार किया जा सकता है कि बड़े-बड़े स्टोर्स पर भी ये किताबें विक्रयार्थ उपलब्ध कराई जाएं? अमरीका में मैंने बड़ी-बड़ी मॉल्स में किताबें बिकती देखी हैं। क्या इस बात की भी कोई संभावना है कि हम पुस्तक प्रेमी अपने-अपने मोहल्लों में इन किताबों के वितरक बनें, या जिन दुकानों आदि से हम खरीददारी करते हैं उन्हें ये किताबें रखने के लिए प्रेरित करें! बेशक इन सुझावों को क्रियान्वित करने के लिए प्रकाशक को भी अतिरिक्त श्रम करना पड़ेगा, उसका कुछ पैसा शायद डूबे भी लेकिन इस तरह के साहसिक प्रयोग करके ही कोई राह बनाई जा सकती है। और ये सारी बातें केवल किसी एक प्रकाशक की किताबों के लिए नहीं हैं। असल बात तो यह है कि किसी भी तरह किताबों को लोगों तक ले जाया जाए!

यहीं एक बात और। हम अपने साहित्यिक आयोजनों में औपचारिकताओं पर जैसे विशिष्ट अतिथियों को मालाएं पहनाने और उन्हें स्मृति चिह्न देने आदि पर काफी खर्चा करते हैं। क्या इन सबकी बजाय हम पुस्तकें नहीं दे सकते? ऐसा करने से पुस्तकों की बिक्री बढ़ेगी और लोगों तक पुस्तकें पहुंचेंगी भी। ऐसा करने में मुझे कोई व्यावहारिक दिक्कत नज़र नहीं आती है। हो सकता है कुछ लोग यह कहें कि जो पुस्तक उन्हें दी गई है वह या तो पहले से उनके पास है या फिर उसमें उनकी दिलचस्पी नहीं है। लेकिन यह बात तो इससे भी अधिक मालाओं, इधर चलन में आए दुपट्टों और स्मृति चिह्नों पर भी लागू होती है। मालाएं तो प्राय: उसी समय उतारकर रख दी और बाद में फेंक दी जाती हैं, दुपट्टों और स्मृति चिह्नों के बारे में बात न की जाए तो ही अच्छा होगा। किताब हम किसी और को भी भेंट में दे सकते हैं, अगर उसमें हमारी रुचि न हो। सबसे बड़ी बात तो यह कि ऐसा करके हम पुस्तक संस्कृति का प्रसार ही करेंगे। यह काम स्वाभाविक रूप से सबसे पहले साहित्यिक संगठनों को करना चाहिए।

हिंदी किताबों के संदर्भ में प्राय: उनकी गुणवत्ता को लेकर भी अनेक प्रतिकूल बातें की जाती हैं। जैसी हमारे यहां स्थितियां हैं, बहुत कम लेखक ऐसे हैं जिन्हें उनके लिखे का कोई प्रतिफल मिलता है। उनकी किताब अगर प्रकाशक बिना पैसे लिए छाप दे तो वे अपने को भाग्यशाली मान लेते हैं। पारिश्रमिक और रॉयल्टी तो कल्पनातीत है। इस बात पर भी गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए कि कैसे लेखक को उसके श्रम का प्रतिफल मिले। श्रम का प्रतिफल मिलने लगेगा तो वह अपने लेखन कर्म को अधिक समय भी दे सकेगा। लेखक और प्रकाशक के बीच विश्वास और सद्भाव का रिश्ता होना चाहिए, जो दुर्भाग्य से अभी नहीं है। लेखक प्रकाशक से नाराज़ है और प्रकाशक लेखक से असंतुष्ट। यह स्थिति बदलनी चाहिए और इसके लिए दोनों ही पक्षों को ईमानदार प्रयास करने होंगे। लेखक संगठनों को भी इस काम में आगे आना चाहिए। यह सब कोई और नहीं करेगा। हमको ही करना होगा।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

शिक्षा का बाजार-जिसको जैसी चाहिए खरीद लेता है

प्रो. अशोक कुमार

राष्ट्रीय पुननिर्माण के लक्ष्य की प्राप्ति में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। व्यक्तित्व के समग्र विकास एवं राष्ट्र के नागरिक तैयार करने में किसी भी देश में शिक्षा की अहम भूमिका है। देश के विकास में शिक्षा महत्वपूर्ण कारकों में से एक है। इसे समय और दुनिया के बदलते परिदृश्य की जरूरतों के अनुरूप बदलना चाहिए। यह मानवता का सामना करने वाले सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक नैतिक और आध्यात्मिक मुद्दों पर गंभीर रूप से प्रतिबिंबित करने का अवसर प्रदान करता है। हमारी अर्थव्यवस्था को आगे बढाने के लिए अधिक कुशल और शिक्षित लोगों की आवश्यकता है। हमारे आसपास कई भारतीय हैं जो अपनी क्षमताओं और कौशल के लिए जाने जाते हैं। भारत को शिक्षा हब के रूप में विकसित करने या वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक समृद्ध भागीदार बनने के लिए भारत को विशेष रूप से अनुसंधान और विकास के साथ सामान्य और उच्च शिक्षा में शिक्षा को गुणात्मक रूप से मजबूत करना है।

वर्तमान मे शिक्षा का बाजार अपने आप में एक पूर्ण बाजार हो गया है।

पूर्ण बाजार का अर्थ है कि जिस वस्तु की मांग और पूर्ति, आपस में पूरी तरह मेल खाए, जैसे चाय का बाजार। आप जिस समय चाहें, जितनी मात्रा में चाहें, जिस दाम पर चाहें, आकाश-पाताल सब जगह,माँग के अनुसार उपलब्ध हो जाती है (5 रुपये से 150 रुपए में)।

उसी तरह से शिक्षा का बाजार है। जिस दाम पर चाहिए जिस जगह चाहिए, जिस तरीके से चाहिए, जिस विषय मे चाहिए। जिस स्तर पर चाहिए, आपको उपलब्ध हो जाती है। सस्ती वाली, महँगी वाली। असलवाली, नकलवाली । कामवाली, बेकाम वाली । स्कूल वाली, घर वाली । पैसे वाली, मुफ़्तवाली। सरकार वाली, माफिया वाली। जो भी लोग चाहें।

आई.आई.टी. जैसे संस्थानों में 15-20 प्रतिशत शिक्षकों की कमी है। आज देश का सम्पूर्ण शिक्षा क्षेत्र योग्य अध्यापकों की कमी से जूझ रहा है! विकसित देश में शिक्षा का भविष्य अस्थायी शिक्षकों के सहारे पर निर्भर है जिनको विभिन्न नाम से जाना जाता है : अस्थायी, एडहॉक, संविदा, पार्टटाइमर, अतिथि, मानद, विजिटिंग, आवश्यकता आधारित, एमओयू प्रोफेसर, शोध विद्वान, ऑनलाइन अतिथि संकाय, स्व अध्ययन।

वर्तमान में शिक्षा को सेवा की जगह व्यापार की कोटि में रखा जा रहा है ! आज बाजार की मांग के अनुरूप पाठ्यक्रम और पूंजीपतियों के अत्यधिक व्यवसायिक लाभ के लिए महाविद्यालयों एवं तकनीकी संस्थाओं की मान्यता दी जा रही है।

शिक्षा बाजार के बारे में पूरी सूचना सबको है। जिसको जिस विषय पर जैसी चाहिए, खरीद लेता है। नहीं तो विदेश जाकर ले लेता है। किस बात का रोना। मिट्टी के दाम पर सोना तो नहीं मिलेगा।। सरकार भी नहीं दे सकती और माफिया भी। सोने के दाम पर ही सोना मिलेगा। और चोरी बेईमानी तो हर वस्तु और सेवा के बाजार में है।

शिक्षा के क्षेत्र में और अधिक संसाधनों की जरूरत है, और ये आए कहाँ से, यही सोचने की जरूरत है ।

–प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय

भीलवाड़ा के काशीपुरी स्थित श्याम मंदिर में हुआ भव्य श्रृंगार

भीलवाड़ा । भीलवाड़ा के काशीपुरी स्थित श्री श्याम मंदिर में आज श्री श्याम बाबा का भव्य पितांबरी बागा श्रृंगार किया गया। इस अलौकिक दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालु उमडे और पूरे मंदिर परिसर में "जय श्री श्याम" के जयकारे गूंज उठे।

अध्यक्ष सुरेश पोद्दार ने बताया श्री श्याम सेवा समिति के अध्यक्ष सुरेश पोद्दार ने कहा कि पितांबरी बागा का विशेष महत्व है और यह श्रद्धालुओं के लिए बहुत शुभ माना जाता है। उन्होंने कहा, "यह आयोजन हर वर्ष धूमधाम से किया जाता है और बाबा के भक्तों की आस्था दिनों-दिन बढ़ रही है। समिति हमेशा प्रयासरत रहती है कि सभी श्रद्धालुओं को अच्छे से दर्शन और सुविधाएं मिलें।'

श्री श्याम सेवा समिति के मीडिया प्रभारी पंकज अठावाल ने बताया कि आज सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ था। मंदिर को रंग-बिरंगे फूलों और रोशनी से भव्य रूप से सजाया गया था। भजन-कीर्तन की मधुर ध्वनि से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

उन्होंने आगे कहा, "समिति के सभी सदस्य और सेवादार इस आयोजन को सफल बनाने में दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।" पितांबरी बागा को शुभता, समृद्धि और मंगलकामना का प्रतीक माना जाता है। भक्त इसे अपने गुल्लक में रखने के लिए ले जाते हैं, जिससे व्यापार में वृद्धि होती है। वहीं, इसे घर में रखने से सुख-शांति बनी रहती है। यह आस्था और श्रद्धा का प्रतीक है, जिसे भक्तगण बड़े प्रेम और भक्ति भाव से अपने साथ ले जाते हैं।

श्याम बाबा का भव्य पितांबरी बागा श्रृंगार प्रसिद्ध पंडित रूपेंद्र शुक्ला और रवि शास्त्री द्वारा किया गया। उनकी पारंपरिक विधि-विधान से किए गए श्रृंगार ने बाबा के स्वरूप को और अधिक दिव्य बना दिया। सुबह से ही श्रद्धालु मंदिर में उमड़ पड़े। बाबा के पितांबरी बागा दर्शन के लिए भक्तजन बड़ी श्रद्धा के साथ पहुंचे। बाबा श्याम की आरती के दौरान भक्तों ने पुष्प अर्पित किए और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस पावन अवसर पर समिति के सभी पदाधिकारी, सदस्य और सेवादार उपस्थित रहे। नितिन, राहुल, राघव, हरीश, बृजेश, अक्षत और नारायण सहित अन्य समिति सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बाबा श्याम के जयकारों के बीच भक्तों ने भक्ति रस में डूबकर आनंद प्राप्त किया।

हजारों की संख्या में ग्रामीणों ने उठाया दंगल का लुफ्त

रूपवास । कस्बे के मेला मैदान में नगर पालिका के तत्वावधान में आयोजित किए जा रहे बसंत पशु मेला एवं प्रदर्शनी में रविवार को विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन विधायक प्रतिनिधि एवं पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ऋषि बंसल के मुख्यातिथ्य में किया गया। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता तहसीलदार अमित शर्मा ने। विशिष्ट अतिथि के रूप में वृत्ताधिकारी नीरज शर्मा,पूर्व सरपंच राकेश भातरा, पूर्व जिला परिषद सदस्य वीर विक्रम सिंह परमार, डब्बू बंसल,धीरज शुक्ला,मंडी अध्यक्ष दिलीप अंधाना ,राजेश पराशर,दिलीप चाहर,विशाल कौशल, सोनू परमार, मनोज टोंटपूर मौजूद थे। इस दौरान कुश्ती दंगल में स्थानीय विधायक की ओर से 61 हजार की आखिरी कुश्ती कराई गई। आखिरी कुश्ती हरकेश पहलवान हाथरस एवं सागर पहलवान पानीपत की मध्य हुए। जिसमें भारत केसरी हरकेश पहलवान हाथरस ने सागर पहलवान पानीपत को महज 9 मिनट में पटकनी देकर आखिरी कुश्ती जीत ली। नगरपालिका अधिशाषी अधिकारी योगेश कुमार पिप्पल ने बताया कि इस विशाल कुश्ती दंगल में सर्वप्रथम 20 रुपए से कुश्तियों की शुरुआत कराई गई। इसके बाद 50 रुपए,100 रुपए,200 रुपए, 500 रुपए,11 सौ रुपए,2100 रुपए,31 सौ रुपए,51 सौ रुपए,11 हजार, 21 हजार, 31 हजार तक की कुश्ती कराई गई। इस दौरान कुश्ती दंगल में दिल्ली,हरियाणा,पंजाब,मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान समेत दूर दराज से आए पहलवानों ने जबरदस्त तरीके से अपने दांव पेंच दिखाए।

इस दौरान कुश्ती दंगल में महिला पहलवान भी आई। जिसमें गामिनी चाहर बाटी ने 5100 की स्पेशल कुश्ती जीती। वहीं कुश्ती दंगल में जोड़ी मिलाने का काम पवन पहलवान, कौशू पहलवान, मखन पहलवान, कुश्ती दंगल में भामाशाहों ने भी बढ़चढ़कर भाग लिया।

108 यूनिट रक्तदान

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। वीर गुर्जर युवा मंडल की और से भगवान देवनारायण की जयंती की पूर्व बेला एवं किसान नेता पूर्व केन्द्रीय मंत्री राजेश पायलट की जयंती पर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। एडवोकेट राजेश गुर्जर टोकड़ा ने बताया की राजकीय यज्ञनारायण अस्पताल में आयोज्य शिविर में 108 यूनिट रक्तदान किया।

इससे पूर्व भगवान देवनारायण व राजेश पायलट के चित्र के समक्ष श्रद्धा सुमन अर्पित कर भावांजली दी। विधायक डॉ विकास चौधरी युवा मण्डल अध्यक्ष श्योजीराम चौहान, पूर्व सभापति जगदीप गुर्जर, जिला परिषद सदस्य गणेश तंवर, ब्लॉक अध्यक्ष मोहित खळेलवाल, पूर्व अध्यक्ष भोजराज बागड़ी, कोषाध्यक्ष शंकर बागडी, रोहित धाभाई, नन्दलाल फामडा, भेरुलाल बजाड, देवीसिंह बारवाल, भागचन्द तेडवा, अशोक कोली, रमेश जूवाणा, तेजपाल बमाड, कानाराम बागडी, करतार, रामावतार, अजित चौहान, शैतान मावता, नोरत फागणा, देवा बजाड़, कमल गुर्जर, प्रकाश बावला, भेरू गुर्जर, शिवजी सहित कई आदि समाजबंधु उपस्थित रहे। संचालन भागचन्द तेडवा व एडवोकेट राजेश गुर्जर टोंकडा ने किया।

बसंत पंचमी पर्व पर निकला विशाल जुलूस

मेड़ता सिटी (निसं.)। मेड़ता नामदेव टाक क्षत्रिय दर्जी समाज नवयुवक मंडल के तत्वाधान में बसंत पंचमी पर्व को लेकर विशाल शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा का जगह जगह पर भव्य स्वागत किया गयां।

> **■ विशाल शोभायात्रा गाजे बाजे के साथ नामदेव समाज भवन से निकाली गई जो शहर के मुख्य मार्गों से निकाली गई**

नामदेव नवयुवक मंडल अध्यक्ष विनोद रुणवाल ने बताया कि मेड़ता नामदेव टाक दर्जी समाज द्वारा बसंत पंचमी पर्व को लेकर विशाल शोभायात्रा गाजे बाजे के साथ नामदेव समाज भवन से निकाली गई जो शहर के मुख्य मार्गो से होते रघुनाथ मंदिर, सब्जी मंडी, पुराना चिकित्सालय रोड़, चारभुजा चौक, सोनी चौक, पद्म कुम्हारों का मोहल्ला होते हुए अपने गंतव्य स्थान पहुंची।

जहां पर समाज के नागरिकों व महिलाओं का भव्य स्वागत कर प्रसाद दिया गया। वही समाज की महिलाओं व बच्चों ने नाचते गाते विशाल शोभायात्रा का आनंद लिया।

यात्रा का जगह जगह पर भव्य स्वागत किया गया।

इस मौके मेड़ता नामदेव समाज अध्यक्ष श्याम सुंदर खत्ती, लाल चंद नागर, अखिल भारतीय मारवाड़ी टांक क्षत्रिय दर्जियान ट्रस्ट पुष्कर के पूर्व अध्यक्ष नवरत्न मल तोलंबिया, घेवर चंद तोलंबिया, कैलाश नेरिया, वीरेंद्र वर्मा, मूल चन्द बाटू, श्याम लाल सर्वा, लक्ष्मीनारायण बाटू, भगवती लाल टेलर, सरदार मल टेलर, राजकमल डिडवानिया, दिनेश ऊंटवाल, सुरेश तारवान, प्रेम चंद ऊंटवाल, विजय तारवान, नरेंद्र तोलंबिया, गीता वर्मा, सुनीता वर्मा, संतोष नागर, सोनू रूनवाल, प्रकाश सर्वा, विजयराज खत्ती, महावीर कंवलिया, मनोज वर्मा, विष्णु कटोच, विनोद इडिवाल, ममता वर्मा, मंजू ऊंटवाल सहित कई समाज की महिलाएं व पुरुष के साथ बच्चे शामिल थे। वही पीपा दर्जी समाज ने किया नामदेव दर्जी समाज का स्वागत दर्जी समाज के सामाजिक एकता को बढ़ावा देने के लिए पीपा दर्जी ट्रस्ट ने दर्जी समाज मेड़ता का माला व साफा एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया।

गिरादड़ा में लगेंगे 11 लाख पेड़, विश्व मानचित्र पर उभरेगा पाली

पाली, (नि.सं.)। सिकिक्म राज्यपाल ओम प्रकाश प्रकाश माथुर ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण फैला है और उससे जो हानिया हो रही है जो हमने कोरोना में देखा और पर्यावरण प्रदूषण से दुष्प्रभाव फैल रहे है उससे निजात के लिये सभी अपना प्रयास करते है लेकिन हम दूसरों के भरोसे ना रहकर इस बदलाव की शुरूआत हम सभी मिलकर करे और सभी ये निश्चय करें कि हम सब मिलकर एक पेड जरूर लगायेगें । सिकिक्म के राज्यपाल माथुर आज रविवार को जिले के गिरादड़ा में मोहनलाल सायरचन्द कवाड चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित एक लाख वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार प्रशासन तो प्रयास करते ही है लेकिन जब तक जनजागरूकता व जनसहभागिता जब प्रत्येक व्यक्ति के अन्दर से ना हो तो तब तक ये कार्य सफल नही हो सकता है इसके लिये शुरूआत प्रत्येक व्यक्ति को करनी होगी। इस अवसर पर उन्होंने सिक्किम में पर्यावरण संरक्षण की योजनाओं के बारे में बताया और नीति में बनाकर कुछ ऐसा करने का आह्‌न किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये राज्यसभा सांसद मदन राठौड ने भी समारोह को सम्बोधित करते हुये कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक पेड मां के नाम अभियान चलाया और कहा कि प्रदेश सरकार में भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी पौधारोपण के लिये वृक्षारोपण अभियान चलाया और करोडो पेड लगाये है ।उन्होने कहा कि पौधारोपण से पर्यावरण को लाभ प्राप्त होता है और ये पुण्य का कार्य है । इस अवसर पर कार्यक्रम को कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने भी सम्बोधित किया और पर्यावरण प्रकृति को सरंक्षित करने के लिये पेड लगाने पर जोर दिया साथ ही इस पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने सम्बोधित करते हुये कहा कि केन्द्र के साथ प्रदेश सरकार ने इसके लिये वृहद् अभियान चलाया है और प्रयास किया है कि पेड जिन्दा भी रहे उन्होंने कहा कि गिरादडा में जो पौधे कवाड ट्रस्ट द्वारा लगाये जा रहे है जो 7 लाख पौधे लगेगे उसका सरंक्षण पांच साल बाद सरकार सरंक्षण करेगी। इस अवसर पर कार्यक्रम में पूर्व सांसद पाली पुष्प जैन ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया इस अवसर पर जिला प्रमुख रश्मि सिंह, पूर्व विधायक ज्ञानचन्द पारख ने भी सम्बोधित करते हुये पौधारोपण करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में इससे पहले आये हुये अतिथियों का स्वागत किया गया । इस अवसर पर कवाड चैरिटेबल ट्रस्ट के शांतिलाल कवाड व ट्रस्ट के अन्य सदस्यों ने पौधारोपण का परिचय दिया और कहा कि यहां आगामी दिनों में 7 से 11 लाख पौधे लगाये जायेंगे। इस अवसर पर पर्यावरण प्रेमी आर के नैययर ने भी पौधारोपण के फायदे बताये । पर्यावरण को होगा लाभ आक्सी हब बनेगा लगेगे 11 लाख पेड तापमान मे लगभग 10 डिगी्र की गिरावट होगी । पाली विश्व के मानचित्र पर उभरेगा रिसर्च , पर्यावरण पर्यटन शिक्षा व रोजगार में भी वृद्धि होगी।

राज्यपाल माथुर , कैबिनेट मंत्री कुमावत , राज्यमंत्री शर्मा , सांसद राठौड व अन्य जनप्रतिनिधियो अधिकारियों ने पौधारोपण किया। इस अवसर पर राज्यपाल माथुर ,कैबिनेट मंत्री कुमावत , सांसद राठौड जिला कलक्टर एलएन मंत्री ,पुलिस अधीक्षक चुनाराम , आयोजककर्ताओ आदि ने भी पौधारोपण किया। इस अवसर पर राज्यपाल माथुर व अन्य अतिथियों ने पाली पंचायत समिति प्रधान मोहिनी देवी व इस क्षेत्र में अच्छा कार्य करने के लिये विभिन्न लोगो को राज्यपाल ने सम्मानित किया। इससे पहले राज्यपाल को कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर गार्ड ऑफ आनर दिया गया और जिला कलक्टर मंत्री और एसपी जाट ने अगवानी कर स्वागत किया। कार्यक्रम में जिला कलैक्टर एलएन मंत्री ,जिला पुलिस अधीक्षक चुनाराम जाट , डीएफओ पी बाला मुरूगन , एडीएम भवानी सिंह , उपखंड अधिकारी पाली विमलेन्द्र राणावत , कवाड ट्रस्ट के पदाधिकारी , यूआईटी पूर्व अध्यक्ष संजय ओझा, सुनील भंडारी , नरेश ओझा समेत अनेक अधिकारीगण मौजूद रहे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 3 फरवरी, 2025

माघ मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2081, रेवती नक्षत्र रात्रि 11:17 तक, साध्य योग रात्रि 3:02 तक, कौलव करण सायं 5:45 तक, चन्द्रमा रात्रि 11:17 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मिथुन, बुध-मकर, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवि योग रात्रि 11:17 तक है। कुमार योग रात्रि 11:17 से रात्रि 4:38 तक है। आज शीतला षष्ठि है। पंचक रात्रि 11:17 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 8:39 तक, शुभ 9:58 से 11:19 तक, चर 2:02 से 3:23 तक, लाभ-अमृत 3:23 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 7:15, सूर्यास्त 6:07

मेष

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज मन में असंतोष बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

वृष

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों में परेशानियां दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

सिंह

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्य के लिए दिन ठीक नहीं है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

कन्या

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

धनु

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

मकर

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

मानसिक तनाव दूर होगा। वर्तमान में चल रही परेशानियां दूर होने लगेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

आदर नमन

श्रद्धेय श्री हजारी बाबू

(1921-1985)

'अलिखित ही रही सदा जीवन की लिखित कथा'

डॉ. मनोहर प्रभाकर

राजस्थान सरकार के सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के सेवानिवृत निदेशक डॉ. मनोहर प्रभाकर देश और प्रदेश के नामचीन साहित्यकार, कवि, व्यंग्यकार, अनुवादक, पत्रकार एवं जनसम्पर्क कर्मी के रूप में अपनी पहचान थी। हिंदी, अंग्रेजी और राजस्थानी भाषा में दर्जनों पुस्तकों के रचियता प्रभाकर ने साहित्य की सभी विधाओं में श्रेष्ठ साहित्य का सृजन किया। मनोहर प्रभाकर का साहित्य और साहित्यिक पत्रकारिता के क्षेत्र में विशेष स्थान था। फीचर लेखन एवं गीतकार के रूप में भी उन्होंने ख्याति अर्जित की। प्रभाकर जी ने पत्रकारिता के माध्यम से साहित्यिक जीवन में प्रवेश किया था। हिंदी साहित्य में उन्होंने कई विधाओं में अपनी लेखनी चलाई और अनुपम कृतियों का सृजन किया। उन्होंने पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया जयपुर चैप्टर की स्थापना कर राजस्थान के जनसम्पर्क और मीडिया कर्मियों को एकसूत्र में बांधा।

रामधारी सिंह दिनकर

रामवृक्ष बेनीपुरी

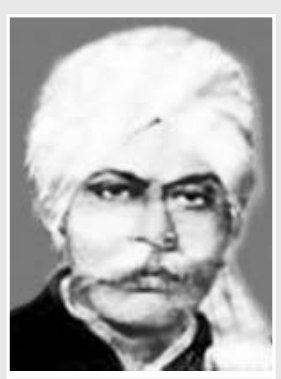

आचार्य किशोरी दास वाजपेयी

पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'

हिन्दी के ओजस्वी राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर का अधिकांश साहित्य, विशेषतः 'उर्वशी' महाकाव्य हजारी बाबू के कलकत्ता स्थित 'जनवाणी' प्रेस से ही छपा था। हिन्दी के मूर्धन्य वैयाकरण आचार्य किशोरी दास वाजपेयी, पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र', रामवृक्ष बेनीपुरी जैसे साहित्य मनीषी हजारी बाबू के सुपरिचित आत्मीय रहे।

देश के सुप्रसिद्ध राष्ट्रीय कवि रामधारी सिंह दिनकर ने अपनी एक कविता में जो उद्गार व्यक्त किए थे, वे राष्ट्रदूत के संस्थापक, परम विद्यानुरागी पं. हजारी लाल शर्मा के सम्बन्ध में बहुत प्रासंगिक प्रतीत होते हैं। दिनकर जी ने लिखा था:-

अलिखित ही रही सदा जीवन की लिखित कथा,
जीवन की लिखित कथा सत्य नहीं क्षेपक है।।

इन पंक्तियों के निहितार्थ को समझने की कोशिश करें, तो सहज ही यह निष्कर्ष सामने आता है कि हजारी बाबू जैसे बहुरंगी व्यक्तित्व पर कम से कम एक-दो प्रामाणिक जीवनियाँ तो प्रकाशित होनी ही चाहिए थीं। पर जीवनी किसी भी व्यक्ति की हो, उस व्यक्ति के सहयोग के बिना नहीं लिखी जा सकती, जिस पर जीवनी लिखी जानी है।

जब तक जीवनी का नायक अपने मन को जीवनी लेखक के सामने न उड़ेले, कोई भी पठनीय और प्रेरक जीवनी नहीं लिखी जा सकती। हजारी बाबू इतने अल्मस्त थे कि उन्होंने कभी अपने जीवनी-लेखन की कोई कामना ही नहीं की। यदि ऐसी कोई भी ऐषणा उनके मन में होती, तो वे अपनी आत्मकथा लिखने में भी समर्थ थे। किन्तु महंगी कारों में बैठने की हैसियत वाले हजारी बाबू को जयपुर की सड़कों पर रिक्शा में चलना पसंद था, तो इससे उनकी सादगी और इनके बड़प्पन का अनुमान लगाया जा सकता है।

हजारी बाबू नैतिक मूल्यों के प्रबल पक्षधर थे। उन्होंने कभी किसी राजनेता की चाटुकारिता नहीं की। कहीं पर गलत तरीके से जमीन नहीं हथियाई और न सरकार से कभी अनुचित लाभ उठाने की कोशिश ही की। उनके उदात्त जीवन मूल्यों का इससे बड़ा और क्या प्रमाण हो सकता है कि वे दिनेश खरे को उनकी ख्याति सुन कर बनारस से जयपुर लाए। लेकिन खरे ने जब अपने पद का दुरुपयोग करना प्रारंभ किया तो उन्होंने खरे की सेवाएं भी समाप्त करने में हिचक नहीं दिखाई। लेबरकोर्ट में वर्षों तक मुकदमा चला, पर हजारी बाबू को भले ही भारी धन राशि मुआवजे के रुप में देनी पड़ी, लेकिन उन्होंने खरे को सम्पादक के रुप में पुन: स्वीकार नहीं किया। ऐसे ही कुछ और लोग भी थे, जिनकी दायित्वहीनता को हजारी बाबू नहीं सह सके।

मेरी दृष्टि से राजस्थान के पत्रकार जगत में पिछली आधी सदी में कोई पत्र स्वामी ऐसा नहीं हुआ, जो उन जैसा साहित्यानुरागी रहा हो। हिन्दी के बड़े से बड़े लेखक और कवि उनके निजी मित्रों में थे। 'गेहूं और गुलाब' के प्रसिद्ध लेखक रामरक्ष बेनीपुरी, राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर और सुप्रसिद्ध व्याकरणाचार्य किशोरी दास वाजपेयी उनके अन्तरंग मित्रों में थे।

> ***कहते हैं कि राहगीर को अगला गांव पहुंचने पर पिछला गांव याद आता है। इस उक्ति को ध्यान में रखें तो आज के हालात में पत्रकारिता में जिस तरह की विकृतियां आई हैं, जिस प्रकार भूखण्डों की लूट और पेड न्यूज जैसी अनैतिक कारगुजारियां चल रही हैं, हजारी बाबू के उच्च पत्रकारी मूल्यों को हमें नमन करना ही होगा।***

वाजपेयी जी की कन्याओं का तो विवाह तक का सारा व्यय भार हजारी बाबू ने वहन किया था। इतना ही नहीं, वे बेचन शर्मा उग्र जैसे अक्खड़ और बदजुबान, किन्तु अपनी लेखन शैली के लिए अद्वितीय माने जाने वाले लेखक द्वारा उनके प्रति शिष्टाचार विहीन भाषा का यदा-कदा प्रयोग किए जाने के बावजूद हजारी बाबू उनको भी आर्थिक सहायता देते रहे। उग्र जी लम्बे अरसे तक जयपुर में राम रतन कोचर द्वारा संचालित 'साप्ताहिक गणराज्य' से भी जुड़े रहे और इस दौर में उन्होंने एक बार हजारी बाबू के प्रति ऐसी भाषा का प्रयोग किया जो शिष्टाचार की सीमाओं का बेहद अतिक्रमण करने वाली थी। पर हजारी बाबू तनिक भी नाराज नहीं हुए और उग्र जी के साथ उनके निजी संबंधों में कोई अन्तर नहीं आया। मेरी और हजारी बाबू की आयु में बड़ा अन्तर था, किन्तु वे मेरे गीतों को और मेरे काव्य पाठ को बहुत पसंद करते थे और मेरे प्रति एक प्रकार का वत्सल्य भाव रखते थे।

राज नेताओं में भी शायद ही कोई राष्ट्रीय और राज्य स्तर का नेता रहा हो, जिनसे हजारी बाबू के व्यक्तिगत संबंध नहीं रहे हों। जब राष्ट्रदूत का लोकार्पण हुआ तो स्वयं जगजीवन राम जयपुर पधारे थे। बिहार के और बंगाल के अनेक वरिष्ठ नेता उनके मैत्री बंधन से बंधे थे। हजारी बाबू को अच्छी बंगाली भी आती थी। जयपुर आने से पूर्व कलकत्ता में उनका बड़ा प्रकाशन गृह और जनवाणी नाम का एक विशाल मुद्रणालय था, जिसमें सब भारतीय भाषाओं के मुद्रण की व्यवस्था थी। उन्होंने रानी नाम से एक साहित्यक पत्रिका भी निकाली थी।

हजारी बाबू ने राजनीति में भी प्रवेश किया और वे विधानसभा के सदस्य भी चुने गए। किन्तु उन्होंने अपने राजनैतिक प्रभाव का कोई लाभ अपने पत्र के लिए नहीं लिया। राष्ट्रदूत के संपादकीय विभाग में जितने भी लोग काम करते थे, उनके प्रति उनका सहज वत्सल भाव था। पत्रकारिता के उदात्त जीवन मूल्यों की रक्षा के लिए हजारी बाबू निरंतर प्रयत्नशील रहे। आज के हालात तो ये हैं कि पत्र स्वामी अपने समाचार पत्रों के सहारे न जाने और कितने व्यवसाय चलाते हैं और ऐसे उदाहरण भी कम नहीं हैं, जब समाचार पत्रों के मालिक अचार, मुरब्बे और सौंदर्य प्रसाधनों से जुड़े कारखाने भी चलाते हैं।

हजारी बाबू की कथनी और करनी में कभी कोई अन्तर नहीं रहा। वे छल-छद्म से दूर एक सत्यानवेषी पत्रकार थे। यही कारण है कि हजारी बाबू ने राष्ट्रदूत की जो साख और प्रतिष्ठा उस कालखण्ड में अर्जित की थी, वह आज भी न्यूनाधिक रुप में कायम है। पत्र की प्रसार संख्या सीमित होते हुए भी उसका प्रकाशन आज आठ स्थानों से हो रहा है। राष्ट्रदूत का दिल्ली ब्यूरो तो आपने आप में इतना विशिष्ठ है कि उसके द्वारा भेजी गई समाचार कथाएं अक्सर चर्चित रहती हैं।

कहते हैं कि राहगीर को अगला गांव पहुंचने पर पिछला गांव याद आता है। इस उक्ति को ध्यान में रखें तो आज के हालात में पत्रकारिता में जिस तरह की विकृतियां आई हैं, जिस प्रकार भूखण्डों की लूट और पेड न्यूज जैसी अनैतिक कारगुजारियां चल रही हैं, हजारी बाबू के उच्च पत्रकारी मूल्यों को हमें नमन करना ही होगा।

■ **डॉ. मनोहर प्रभाकर**
पूर्व जनसंपर्क निदेशक, राजस्थान

पं. हजारी लाल शर्मा गुण ग्राहक थे

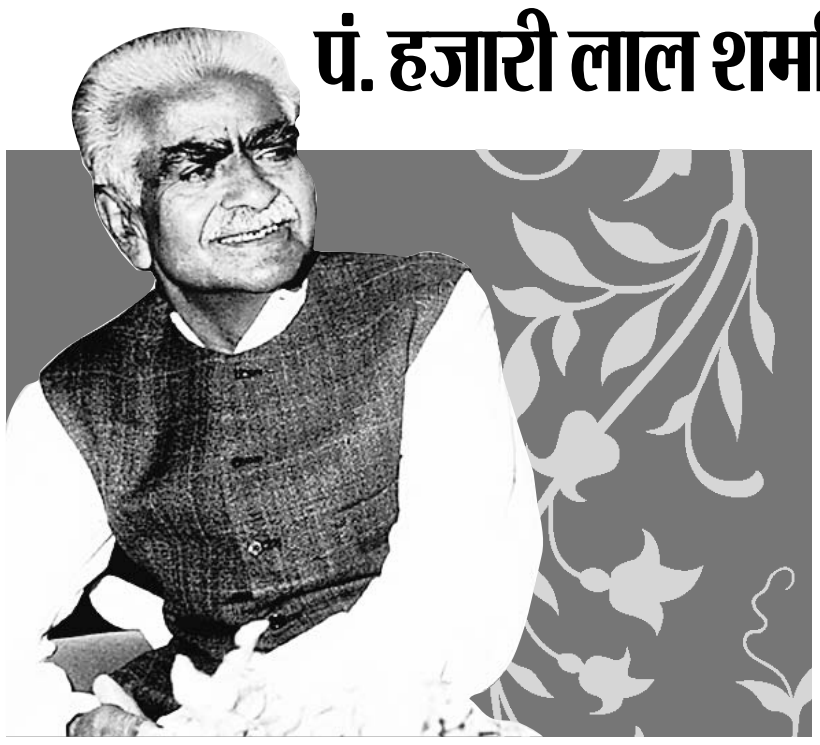

राष्ट्रदूत का नाम लेते ही इस दैनिक समाचार पत्र के संस्थापक एवं संपादक स्व. हजारी लालजी शर्मा की स्मृति ताजा हो जाती है। वह एक मस्तमौला और खुश मिजाज व्यक्ति थे। समाचार पत्र के कुशल संचालन के अतिरिक्त वह साहित्य अनुरागी भी उच्च कोटि के थे।

भरतपुर में स्नातक तक की शिक्षा प्राप्त कर उच्च शिक्षा के अध्ययन लिये मैं जयपुर आ गया था। यद्यपि मैं कॉमर्स का विद्यार्थी था किंतु प्रारंभ से ही मेरी साहित्य व सांस्कृतिक कार्यों में भी पर्याप्त रूचि रही है। सन् 1951 में स्थापित राष्ट्रदूत के हल्दियों के रास्ते में स्थित कार्यालय में साहित्यिक गोष्ठियां होती रहती थीं। इन गोष्ठियों में मैं जाया करता था और इनके आयोजन में एक विद्यार्थी के रूप में जो भी सहयेाग होता उसके लिये तत्पर रहता था।

इन गोष्ठियों में मूर्धन्य साहित्यकार राष्ट्र कवि रामधारी सिंह दिनकर, आचार्य किशोरीदास वाजपेयी, पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र', रामवृक्ष बेनीपुरी सहित अनेक प्रतिष्ठित साहित्यकार जयपुर आते तो उनके सम्मान में साहित्यिक एवं काव्य गोष्ठियां होती रहती थीं। इससे स्थानीय साहित्यकार व साहित्य प्रेमियों के अतिरिक्त यहां की नवोदित प्रतिभाओं को भी अपरिमित लाभ प्राप्त होता था। राष्ट्रदूत दैनिक व वार्षिक विशेषांकों में भी साहित्यिक, ऐतिहासिक व अन्य ज्ञानवर्धक एवं रोचक सामग्री प्रकाशित होती थी। उस समय जयपुर से प्रकाशित राष्ट्रदूत और लोकवाणी ही दो मुख्य दैनिक समाचार पत्र थे। जहां तक मेरी जानकारी है राष्ट्रदूत के समाचार अधिक विश्वसनीय और निष्पक्ष होते थे।

पं. हजारी लाल शर्मा गुण ग्राहक थे। उनकी संपादकीय व संवाददाताओं की टोली में समर्पित भाव से कार्य करने वाले पत्रकार थे। इनमें से बहुत से लोगों ने कालांतर में पत्रकारिता के क्षेत्र मे नये कीर्तिमान स्थापित किये। इनमें कर्पूर चंद कुलिश, सुमनेश जोशी, जुगल किशोर चतुर्वेदी, चंद्रगुप्त वार्ष्णेय, दिनेश खरे, शिवपूजन त्रिपाठी, शिवचरण, कालीचरण, श्री गोपाल पुरोहित, भागमल जैन, कमल किशोर जैन, कैलाश मिश्र, ईश्वरमल बाफना, तारा प्रकाश जोशी, वेदव्यास, वीर सक्सेना, लप्सा वेड़वाल और मोहन लाल गुप्त आदि हैं।

पं. हजारी लालजी के नेतृत्व में यह लोग टीम भावना से कार्य करते थे। इसका ज्वलन्त प्रमाण यह भी है कि जब 1 अगस्त 1951 को केन्द्रीय श्रम मंत्री बाबू जगजीवन राम ने राष्ट्रदूत का शुभारंभ किया तब उनके सम्मान में दिये गये एट होम का निमंत्रण पत्र श्री हजारी लाल शर्मा प्रबंध संपादक तथा राष्ट्रदूत के संपादकीय विभाग के सदस्यों की ओर से जारी किया गया था।

पं. हजारी लाल शर्मा की मुख्यमंत्री जय नारायण व्यास से घनिष्ठता थी किंतु शासन के खिलाफ कोई बात होती तो वह राष्ट्रदूत में अवश्य प्रकाशित होती थी। सन् 1954 में मोहन लाल सुखाड़िया राजस्थान के मुख्यमंत्री बन गये। किंतु हजारी लालजी ने सरकार से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया। इससे राष्ट्रदूत को आर्थिक हानि हुई किंतु हजारी लालजी अपनी निष्पक्षता की राह पर अडिग रहे और जनहित के समाचार प्रकाशित करते रहे तथा सरकार की गलत नीतियों व अहितकारी तथा भ्रष्टाचार आदि के समाचार प्रकाशित करने व अलोचना करने में पीछे नहीं रहे।

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि पं. हजारी लालजी के सुपुत्र व राष्ट्रदूत परिवार के लोग समाचार पत्रों को भली प्रकार से प्रकाशित कर रहे हैं। इसमें अनेक समाचार एक्सक्लूजिव होते हैं। बीच के अंग्रेजी के पृष्ठों में भी रोचक ज्ञानवर्धक सामग्री प्रकाशित की जा रही है।

■ **डॉ. पी.एल. चतुर्वेदी**

डॉ. पी.एल. चतुर्वेदी

महर्षि दयानंद सरस्वती विश्व विद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. पी. एल. चतुर्वेदी की गंभीर शिक्षाविद के रूप में पहचान थी। राज्य शिक्षा सेवा में 38 वर्ष के कार्यकाल में वे व्याख्याता, विभागध्यक्ष, प्राचार्य और कॉलेज शिक्षा के संयुक्त निदेशक के पद पर रहे। वे मध्यप्रदेश के प्रोफेशनल कॉलेज रेगुलेटरी अथॉरिटी के अध्यक्ष भी रहे। वे जीवन पर्यन्त देश की अनेक शैक्षणिक, साहित्यिक व समाज सेवी संस्थाओं से जुडे रहे।

रिक्शा चालक भी उनके साथ सहज अपनत्व अनुभव करता था

> ***"मानवीयता की सौंधी सुगन्ध उनके वार्तालाप, व्यवहार, खुलेपन और ठहाकों से बरसती प्रतीत होती थी। ये गुण उन्हें सामान्य जन से जोड़ने का काम करते थे। गाहे-बगाहे उन्हें रिक्शा पर बैठा देखा जा सकता था। मय ड्राइवर कार थी, फिर भी अधिकतर उन्हें रिक्शा पर सवारी करते देखा जा सकता था।"***

किसी परिचित को उदास या परेशान देखा। कारण पूछा। अर्थाभाव की जानकारी मिली। जेब में हाथ डाला। बीस, तीस, पचास, सौ, जितना ठीक लगा दे दिया। संयोगवश अपनी जेब में राशि नहीं है तो सामने पड़ने वाले दुकानदार से कहेंगे, इसे इतने रूपये दे दो। बाद में उतनी राशि दुकानदार के पास पहुंच जाती। उनकी साख व हैसियत इतनी मजबूत थी कि कोई भी दुकानदार उनके निर्देश का पालन करने में रंच मात्र भी नहीं हिचकिचाता। ये थे पं. हजारीलाल जी शर्मा। बेहद उदार, बेहद सरल, बेहद सहज हृदय। दु:ख भंजक स्वभाव जिनके रोम-रोम में समाया था। सत्तासीन शीर्षस्थ नेताओं से आदरपूर्ण संबंधों के कारण वे चाहते तो प्रमुख स्थानों पर कौड़ियों के भाव सम्पत्ति हथिया सकते थे। ऐसे उदाहरण व दृश्य लगभग प्रत्येक बड़े अखबार के सन्दर्भ में यत्र तत्र देखे जा सकते हैं। बड़ी-बड़ी जमीनें, ठेके, कारखाने, सत्ता पर दबाव बनाकर वैध-अवैध काम, जायज, नाजायज विपुल राशियों के विज्ञापन, राजनीतिक दलों व चुनाव लड़ने वालों के प्रचार के लिए अनैतिक अनुबंध चाहते तो पं. हजारीलालजी शर्मा भी कर सकते थे। यह सब करना उसके लिए इसलिए भी आसान होता क्योंकि वे स्वयं सक्रिय राजनीति में थे। कोटपूतली से सत्तासीन कांग्रेस के विधायक थे। राजस्थान सरकार के मंत्री व मुख्यमंत्री उनका भरपूर आदर करते थे। बरकत उल्ला खान और चन्दनमल वैद जैसे नेता उनके घनिष्ठ मित्र थे। बाबू जगजीवन राम जैसे राजनेता जब जयपुर आते थे तो उनसे मुलाकात या उनके साथ भोजन किए बिना वापस नहीं लौटते थे। सुप्रसिद्ध, कवि लेखक व राज्यसभा के मनोनीत सदस्य रामधारी सिंह दिनकर जयपुर आते थे तो पं. हजारीलालजी की ओर से आयोजित साहित्यिक गोष्ठी में शिरकत किए बिना शहर नहीं छोड़ते थे। ऊपर से वे राष्ट्रदूत जैसे प्रदेश के सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र के स्वामी थे। लाभ अर्जित करने के लिए उन्हें भाग दौड़ करने की जरूरत नहीं थी। संकेत मात्र से जो चाहते, मिल जाता, किन्तु उन्होंने कभी ऐसा नहीं किया।

मानवीयता की सौंधी सुगन्ध उनके वार्तालाप, व्यवहार, खुलेपन और ठहाकों से बरसती प्रतीत होती थी। ये गुण उन्हें सामान्य जन से जोड़ने का काम करते थे। गाहे-बगाहे उन्हें रिक्शा पर बैठा देखा जा सकता था। मय ड्राइवर कार थी, फिर भी अधिकतर उन्हें रिक्शा पर सवारी करते देखा जा सकता था। साईकिल रिक्शा का चालक भी पं. हजारीलालजी के साथ अत्यन्त सहज अपनत्व अनुभव करता था। वे जौहरी बाजार में गोपाल जी के रास्ते के कोने पर स्थित, तब प्रसिद्ध शर्मा रेस्टोरेन्ट में घंटों बैठे रहते थे। पान के अनेक बंधे बीड़े उनके पास रहते थे। चाय और पान का प्रसाद बांटते हुए वे प्रत्येक व्यक्ति के दुख-सुख बांटते रहते थे। समस्याएं सुलझाते रहते थे। आत्मीय स्पर्श देते रहते थे। नीचे राष्ट्रदूत का कार्यालय व प्रेस थे। ऊपर पं. हजारीलाल जी का परिवार निवास करता था। वे रात को दस-साढ़े दस-ग्यारह बजे जब भी लौटते, सबसे पहले कार्यालय में जाते और पूछते 'क्या खबर है?' रेडियो के लिए झलकियां व नाटक लिखने वाले यशस्वी व नामचीन लेखक जयसिंह एस. राठौड़ प्राय: रात की ड्यूटी कर रहे होते थे और टेलीप्रिन्टर के पास बैठते थे। सामान्यत: वही जवाब देते थे। उस दिन के प्रमुख समाचार सुनकर वे तब रिपोर्टिंग का काम देख रहे मोहन लाल गुप्ता को उस दिन के कुछ नए समाचार बिन्दु देते। इसके बाद ऊपर जाकर मिनटों में खाना खाकर नीचे आ जाते थे। वे एक रोटी को मात्र तीन ग्रासों में तेजी से चबाते हुए भोजन करते थे। कभी मशीनों की आवाज रूक जाती तो रात के कितने भी क्यों न बजे हों, तुरन्त नीचे आकर कारण पूछते। राष्ट्रदूत के प्रति समर्पण भाव उनके प्रत्येक कार्यकलाप में इस तरह रचा-बचा-गुंथा था कि बहुमुखी प्रतिभाओं के बावजूद उनके साथ पहला विशेषण 'राष्ट्रदूत वाले पं. हजारीलालजी शर्मा' के रूप में चस्पा होता था।

पहली अगस्त को राष्ट्रदूत का स्थापना दिवस आता है। यह दिन पं. हजारीलालजी के विपुल संबंधों के परिप्रेक्ष्य में रेखांकित होता था। इस अवसर पर उनकी ओर से गोठ का आयोजन होता था। परिवारों सहित राष्ट्रदूत का समस्त स्टाफ, राष्ट्रदूत के हितैषी व उनके सम्पर्क में रहने वाले प्रमुख लोग, राजनेता, आदि गोठ में शामिल होते थे। इस प्रकार के आयोजन आज भी अनेक अखबार अपने-अपने ढंग से करते हैं, मगर उनमें आत्मीयता, बन्धुत्व व सौजन्य भाव नहीं होता, व्यापारिक दृष्टि होती है। पं. हजारीलाल जी की ओर से दी जाने वाली गोठों को स्नेहभाव से देखा जाता था। राष्ट्रदूत में कार्यरत स्टाफ सदस्यों का दुख-सुख उन्हें अपना लगता था। उनके चेहरे पर उदासी देखकर वे उसे मुस्कुराहट में बदलने की चेष्टा में जुट जाते थे। पत्नी बीमार है। उसका ऑपरेशन जरूरी है। पं. हजारीलाल जी स्वयं उसे डॉ. जी.सी. शर्मा के पास ले जायेंगे। डॉ. पैट्रीशिया विकर्स महिला का ऑपरेशन करेंगी। डॉ. जी.सी. शर्मा ऑपरेशन थियेटर में उपस्थित रहकर प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखेंगे। है कोई अखबार मालिक जो अपने स्टाफ सदस्यों के कष्टों को पहचानता हो न हो, उन्हें दूर करने की दृष्टि से हर सम्भव सहायता भी करता हो। गुण ग्राह्यता उनके बड़प्पन का अविस्मरणीय हिस्सा थी। एक बड़े अखबार के स्वामी के कान भरने वाले, उसकी चापलूसी करने वाले और उसे दुनिया का श्रेष्ठतम व्यक्ति सिद्ध करने वालों की कमी नहीं होती है। पं. हजारीलाल जी कभी इन कुचक्रों के शिकार नहीं हुए। सहजता, सरलता, मानवीयता और हैसियत का सामान्यजन के पक्ष में संवेदनशीलता-पूर्ण इस्तेमाल करने वाले पं. हजारीलाल जी शर्मा अपनी विशिष्टताओं के कारण आज भी अनेक लोगों की स्मृतियों में ताजा फूलों की तरह महकते हैं।

■ **कोमल**
जानी मानी स्वतंत्र लेखिका

26 करोड़ की साइबर ठगी में बैंक मैनेजर गिरफ्तार

फर्जी कंपनियों के नाम पर खाते खोलकर की धोखाधड़ी

हनुमानगढ़। जिले में चलाए जा रहे विशेष अभियान साइबर शील्ड के अंतर्गत पुलिस ने साइबर ठगी मामले में एक बैंक मैनेजर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 26 करोड़ की साइबर ठगी मामले में गिरफ्तारी की

- **विशेष अभियान साइबर शील्ड के अंतर्गत पुलिस ने साइबर ठगी मामले में एक बैंक मैनेजर को गिरफ्तार किया**

हनुमानगढ पुलिस ने साईबर ठगी के आरोप में बैंक मैनेजर सोनू वर्मा को गिरफ्तार किया ।

है। साइबर थाना पुलिस ने इससे पहले इसी मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। जिनसे पूछताछ में बैंक मैनेजर की भूमिका सामने आई थी। पुलिस फिलहाल बैंक मैनेजर से पूछताछ में जुटी हुई है।

साइबर थाना प्रभारी हनुमानाराम बिश्नोई ने बताया कि हनुमानगढ़ पुलिस अधीक्षक अरशद अली ने जिले की साइबर सेल, साइबर पुलिस थाना और जिला स्पेशल टीम की एक संयुक्त टीम का गठन कर साइबर फ्रॉड मामलों की जांच शुरू करवाई थी। जांच के दौरान भारत सरकार के एनसीआरएपी और जेएमआईएस पोर्टल पर दर्ज 66 साइबर फ्रॉड मामलों में से हनुमानगढ़ क्षेत्र से जुड़े 60 बैंक खातों में करीब 26 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की जानकारी मिली थी। इस पर साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए गठित टीम ने तकनीकी साक्ष्यों की जांच और बैंक रिकॉर्ड की मदद से गिरोह के मुख्य सहयोगी ओवरसीज बैंक के मैनेजर सोनू वर्मा को गिरफ्तार किया।

इससे पूर्व पांच अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तारी किया गया था। गिरफ्तारी के बाद जांच में यह खुलासा हुआ कि बैंक मैनेजर ने बिना ग्राहक की उपस्थिति के फर्जी फर्म के नाम पर कई करंट और कॉर्पोरेट खाते खोले।

इसके बाद उन्होंने विभिन्न साइबर ठगी अभियानों में शामिल अन्य आरोपियों को पैसे की निकासी और धोखाधड़ी में मदद की।

कड़ी सुरक्षा में आर.ए.एस. परीक्षा संपन्न

गंगापुर सिटी । गंगापुर सिटी में रविवार को आयोजित राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) प्री परीक्षा 2025 में कुल पंजीकृत 9,648 अभ्यर्थियों में से केवल 5,472 ही उपस्थित रहे।

एसडीएम बृजेन्द्र कुमार मीणा के अनुसार, गंगापुर सिटी, वजीरपुर और बामनवास उपखंड में स्थित 36 केंद्रों पर दोपहर 12 से 3 बजे तक परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा केंद्रों पर कडी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

परीक्षार्थियों को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक ही प्रवेश दिया गया। प्रवेश के लिए मूल पहचान पत्र और प्रवेश पत्र अनिवार्य था। सभी परीक्षार्थियों की मेटल डिटेक्टर से जांच की गई। महिला परीक्षार्थियों की जांच महिला पुलिसकर्मियों द्वारा की गई।

परीक्षा की गाइडलाइन के अनुसार, परीक्षार्थियों को सादे कपडे पहनकर आना था। महिलाओं को केवल लाख और कांच की चूडियां पहनने की अनुमति थी। शॉल, मफलर, गंडा, ताबीज, हेयरपिन, बेल्ट, चश्मा, घडी और मोजे प्रतिबंधित थे।

जूते की जगह चप्पल पहनकर आना अनिवार्य था। कई परीक्षार्थियों को गाइडलाइन की जानकारी न होने के कारण परेशानी का सामना करना पडा। ऊनी कपडे पहनकर आने वाले परीक्षार्थियों के कपडों की भी जांच की गई।

डोडा चूरा तस्करी करते पंजाब के युवक को पकड़ा

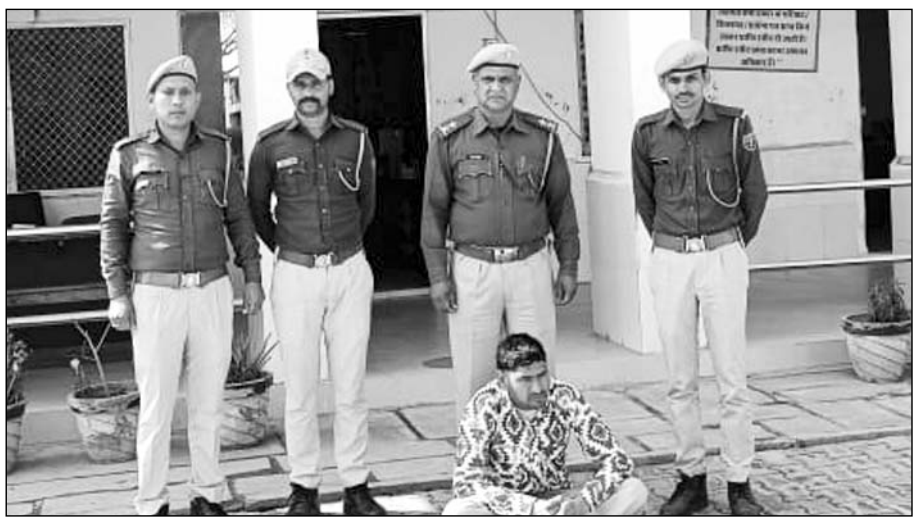

डोडा चूरा की तस्करी के आरोप में लखविंदर सिंह को गिरफ्तार किया।

भीलवाड़ा। जिले की मांडल थाना पुलिस ने भीलवाड़ा से जोधपुर जा रही निजी बस से डोडा चूरा तस्करी करते पंजाब के एक युवक को गिरफ्तार कर 17 किलो 752 ग्राम डोडा चूरा जप्त किया है।

मांडल पुलिस के अनुसार सब इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह मांडल चौराहा चौकी के बाहर नाकाबंदी कर रहे थे। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि भीलवाड़ा से जोधपुर जाने वाली निजी बस में लखविंदर सिंह नामक व्यक्ति आ रहा है जिसके पास एक

- **पंजाब के एक युवक को गिरफ्तार कर 17 किलो 752 ग्राम डोडा चूरा जप्त किया**
- **डोडा चूरा की खरीद फरोख्त के संबंध में पूछताछ की**

काले रंग के बड़े बैग और कैरी बैग में मादक पदार्थ हो सकता है।

मुखबिर से मिली सूचना पर पुलिस ने बस को रुकवा कर चेक किया तो लखविंदर सिंह उसमें सवार मिला और उसके कब्जे से 17 किलो 752 ग्राम अफीम डोडा चुरा भी जप्त किया। पुलिस ने पंजाब प्रांत के फरीदकोट जिले के नवा टेहना निवासी लखविंदर सिंह (35) पुत्र लालचंद नाई सिख को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया। पुलिस लखविंदर सिंह से डोडा चूरा की खरीद फरोख्त के संबंध में पूछताछ कर रही है।

गंगापुर सिटी में फिर से कोहरे ने रौद्र रूप दिखाया

गंगापुर सिटी में रविवार को कोहरा छाने से दृष्यता कम हो गई।

गंगापुर सिटी। एकबार फिर से सर्दी ने अपना रूप दिखाना शुरू कर दिया है। रविवार सुबह से छाए घने कोहरे ने जनजीवन को प्रभावित किया। कोहरे के कारण विजिबिलिटी 30०-40 मीटर तक सीमित रही।

वाहन ड्राइवरों को दिन में भी हेडलाइट्स का सहारा लेना पडा। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से क्षेत्र में मौसम परिवर्तन देखा जा रहा है। न्यूनतम तापमान एक डिग्री गिरकर 12 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। विभाग ने आने वाले दिनों में सर्दी में और वृद्धि के साथ बारिश की भी संभावना जताई है। पिछले 4-5 दिनों से मौसम साफ था और धूप खिलने से लोगों को सर्दी से राहत मिली थी, लेकिन शनिवार से मौसम में आए बदलाव ने फिर से सर्दी का प्रकोप बढा दिया है।

रविवार की सुबह घने कोहरे और शीतलहर के कारण लोग देर तक घरों में ही रहे। बाजार भी देर से खुले और शहर के विभिन्न चौराहों और नुक्कडों पर लोग अलाव का सहारा लेते दिखे।

- **सर्दी के रौद्र रूप ने एक बार फिर सभी को ठिठुराया, घने कोहरे के कारण दिन में जलानी पड़ी लाइट**

सर्द हवाओं ने ठिठुरन को और बढ़ा दिया, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

मौसम विभाग की ओर से पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से यहां अभी दो तीन दिन ओर कोहरा छाए रहने, कडाके की सर्दी पडने और बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं दूसरी और शनिवार को जहां न्यूनतम तापमान 13 डिग्री पर था वहीं रविवार को न्यूनतम तापमान एक डिग्री लुढककर 12 डिग्री दर्ज किया गया।

देवनानी ने किया विभिन्न विकास कार्यों का शुभारम्भ

अजमेर (कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने रविवार को अजमेर में विभिन्न विकास कार्यों का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि अजमेर के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं आएगी। अजमेर का सर्वांगीण विकास किया जाएगा। शिक्षा, खेल, रोजगार एवं अन्य आधारभूत क्षेत्रों में विकास करवाया जा रहा है।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने रविवार को अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्रा के वार्ड 2 में नाली निर्माण तथा वार्ड 67 में नगीना बाग गली में सड़क व नाली निर्माण कार्य का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों को सम्बोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष श्री देवनानी ने कहा कि अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्रा के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं आऐगी। पिछले बजट में अजमेर को सैकड़ो करोड़ रूपए के विकास कार्यों की सौगात मिली है। ज्यादातर बजट घोषणाओं के लिए भूमि का चिन्हीकरण एवं आवंटन कर लिया गया है। शीघ्र इनका काम भी शुरू होगा। इसके लिए वित्तीय प्रावधान भी कर लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अजमेर के विकास के लिए योजनाबद्ध रूप से काम किया जा रहा है। अजमेर में शिक्षा, पानी एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के लिए विस्तृत योजना बनाई गई है।

शाहपुरा जिला बचाओ आंदोलन 32 वें दिन भी जारी

शाहपुरा। जिला बचाओ संघर्ष के द्वारा उपखंड कार्यालय शाहपुरा के बाहर क्रमिक अनशन धरने पर स्कूल शिक्षा परिवार निजी शिक्षण संस्थान शाहपुरा के स्कूल संचालक अध्यक्ष वीरेंद्र व्यास के नेतृत्व में त्रिमूर्ति चौराहे से शांतिपूर्ण रैली निकालते नारेबाजी करते हुए धरना स्थल पर पहुंचे।

- **जिला समाप्त करने के विरोध में क्रमिक अनशन धरने पर स्कूल शिक्षा परिवार निजी शिक्षण संस्थान शाहपुरा के सदस्य बैठे**

शाहपुरा जिला बचाओ संघर्ष की ओर से दिया जा रहा धरना अध्यक्ष वीरेंद्र व्यास के नेतृत्व में दिया।

शाहपुरा को यथावत जिला बनाये रखने की मांग करते हुए जिला बचाओ संघर्ष समिति के समर्थन में सैकड़ो की संख्या निजी स्कूल संचालक इलियास खान जगदीश सिंह राणावत रामस्वरूप काबरा परमेश्वर सुथार धीरेंद्र पांचाल सूर्य प्रकाश राव शिव प्रकाश रेगर ओमप्रकाश विक्रम छिपा मोहनलाल रेगर विजय राजोरा निखिल चास्टा हेमेंद्र कुमावत अनिल शर्मा मोहम्मद यूनुस ओमप्रकाश चितलांगिया अजय सिंह राठौर गौरव गोखरू नवरतमल क्रमिक अनशन धरने पर बैठे जिनका संघर्ष समिति अध्यक्ष दुर्गा लाल राजोरा, संयोजक राम प्रसाद जाट ,महासचिव कमलेश मुंडेतिया अधिवक्ता मोहम्मद शरीफ अंकित शर्मा आशीष भारद्वाज संघर्ष समिति सदस्य रामेश्वर सोलंकी सत्यनारायण पाठक रवि शंकर उपाध्याय हाजी उस्मान मोहम्मद छिपा ने माला पहनकर स्वागत किया।

मुख्य वक्ता स्कूल शिक्षा परिवार अध्यक्ष वीरेंद्र व्यास रामस्वरूप काबरा निखिल चास्टा इलियास खान अजय सिंह राठौड यूनुस मोहम्मद सहित संघर्ष समिति के अध्यक्ष दुर्गा लाल राजोरा संयोजक रामप्रसाद जाट सहित कई वक्ताओं ने शाहपुरा को जिले का दर्जा देने की मांग की और शाहपुरा जिले को समाप्त करने का विरोध किया।संघर्ष समिति के महासचिव एवं अभिभाषक संस्था के सह सचिव कमलेश मुंडेतिया ने बताया कि 3 फरवरी को आचार्य समाज के समाज शाहपुरा के सदस्य क्रमिक अनशन धरने पर बैठेंगे।

भरतपुर में आर.ए.एस. प्री परीक्षा 84 केन्द्रों पर हुई

भरतपुर (निस)। राजस्थाना लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित आरएएस प्री परीक्षा जिले के 84 परीक्षा केन्द्रों पर शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई। परीक्षा में 59.56 प्रतिशत परीक्षार्थी परीक्षा देने के लिए परीक्षा केन्द्रों पर पंहुचे। वहीं 40.44 प्रतिशत परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा दोपहर 12 बजे से तीन बजे तक आयोजित हुई। सभी परीक्षार्थियों को गहन जांच के बाद मूल प्रवेश पत्र व पहचान पत्र देखकर ही प्रवेश दिया गया।

- **सभी परीक्षार्थियों को गहन जांच के बाद मूल प्रवेश पत्र व पहचान पत्र देखकर ही प्रवेश दिया गया।**
- **मेटल डिटेक्टर से परीक्षार्थियों की जांच की गई**

वहीं अन्य परीक्षा की तरह इस बार भी परीक्षा से एक घंटे पूर्व तक ही प्रवेश दे दिया।

मेटल डिटेक्टर से परीक्षार्थियों की जांच की गई। केन्द्रों पर मोबाइल व इलैक्ट्रॉनिक उपकरण पर रोक रही। वहीं राजस्थाना लोक सेवा आयोग की ओर से निर्धारित ड्रेस कोड की पालना कराई गई। अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन घनश्याम शर्मा ने बताया कि परीक्षा के लिए 84 परीक्षा केन्द्र बनाए गए।

परीक्षा के लिए पंजीकृत 23649 परीक्षार्थियों में से 14086 परीक्षार्थी ही परीक्षा देने के लिए परीक्षा केन्द्रों पर पंहुचे। वहीं 9563 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

बीकानेर में आया भूकंप, धरती हिली

बीकानेर। रविवार दोपहर 12.58 बजे भूकंप का झटका महसूस हुआ। भूकंप

- **अचानक आए भूकंप के झटकों से लोग सहम गए, अब तक कहीं से भी किसी तरह की हानि होने की सूचना नहीं है**

का केंद्र बीकानेर से 72 किलोमीटर दूर जसरासर के महरामसर में जमीन से 10 किलोमीटर नीचे रहा। भारत के नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.6 थी।

अचानक आए भूकंप के झटकों से लोग सहम गए और एक-दूसरे को कॉल किया। अब तक कहीं से भी किसी तरह की जनहानि होने की सूचना नहीं है। मुरलीधर व्यास कॉलोनी में रहने वाली मीनाक्षी ने बताया कि अचानक सब कुछ हिल गया था।

रामकुमार हर्ष ने बताया कि उन्हें भी भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। नोखा और लूणकरणसर में भी भूकंप का एहसास हुआ है। जलदाय विभाग के कर्मचारी श्याम नारायण रंगा ने बताया कि शहर में कई जगह झटके महसूस हुए हैं। सीसीटीवी कैमरे में भी धरती हिलने का नजारा कैद हुआ। हमारी धरती की सतह मुख्य तौर पर 7 बड़ी और कई छोटी-छोटी टेक्टोनिक प्लेट्स से मिलकर बनी है। ये प्लेट्स लगातार तैरती रहती हैं और कई बार आपस में टकरा जाती हैं।

टकराने से कई बार प्लेट्स के कोने मुड़ जाते हैं और ज्यादा दबाव पड़ने पर ये प्लेट्स टूटने लगती हैं। ऐसे में नीचे से निकली ऊर्जा बाहर की ओर निकलने का रास्ता खोजती है और इस डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा-2024 आयोजित

अजमेर (कासं)। जिला कलैक्टर लोकबंधु एवं पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के द्वारा रविवार को विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर परीक्षा आयोजन से संबंधित व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया।

अतिरिक्त जिला कलैक्टर एवं नोडल अधिकारी परीक्षा वंदना खोरवाल ने बताया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा रविवार 2 फरवरी को दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक एक पारी में राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा 2024 का आयोजन किया गया। परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न हुई। इस परीक्षा के सफल आयोजन के लिए जिला कलक्टर लोक बन्धु द्वारा पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के साथ रविवार को निर्धारित 127 परीक्षा केंद्रों में से अजमेर एवं किशनगढ़ के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया। अतिरिक्त जिला कलैक्टर शहर गजेंद्र सिंह राठौड़ द्वारा किशनगढ़, अतिरिक्त जिला कलैक्टर द्वितीय वंदना खोरवाल द्वारा अजमेर शहर तथा अतिरिक्त जिला कलक्टर केकड़ी चंद्रशेखर भंडारी द्वारा केकड़ी में स्थापित परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। यहां पर नियमानुसार सुरक्षा एवं परीक्षार्थियों की लिए उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं का अवलोकन किया। दिव्यांग अभ्यार्थियों को आयोग द्वारा निर्धारित सुविधाएं जांची गई।

- **जिला कलक्टर लोक बंधु ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण**
- **राजस्थान लोक सेवा आयोग**

उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर द्वारा परीक्षा से जुड़े कार्मिकों एवं अधिकारियों को आयोग के निर्देशानुसार परीक्षा संपादित करने के निर्देश दिए। प्रत्येक अभ्यर्थी की पहचान सुनिश्चित की गई। परीक्षा की पूर्ण गोपनीयता बनाए रखते हुए परीक्षा का सुचिता के साथ सफल आयोजन सुनिश्चित किया गया। समस्त परीक्षा केंद्रों के अधिकारियों द्वारा जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष के साथ नियमित संपर्क में रहकर शांतिपूर्वक परीक्षा संपादित करवाई गई।

उन्होंने बताया कि जिले में 127 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। यहां 43127 परीक्षार्थियों के लिए आवंटन किया गया था। इनमें से 22219 परीक्षार्थी उपस्थित तथा 20908 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

फायरिंग के आरोपी ने खुद को मारी गोली

कोटा, (निसं)। महावीर नगर इलाके में गत दिनों दुकानदार पर हुई फायरिंग के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी ने खुद को पुलिस से घेरा देखकर खुद को ही गोली मार ली। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई, इसके बाद पुलिस के आला-अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और मौके पर एफएसएल टीम को बुलाया गया मौके से पुलिस को अवैध हथियार भी बरामद हए है।

शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी ने बताया कि गत दिनों महावीर नगर इलाके मे सिगरेट के विवाद को लेकर 5 जनों ने एक दुकानदार पर फायरिंग कर दी थी जिसमे से एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। शहर एएसपी ने बताया कि फरार चल रहे 4 आरोपियों की तलाश के लिये गठित टीमें आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये जगह-जगह दबिश दे रही थी। शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गठित टीम को फरार आरोपियों में से एक आरोपी को ट्रेस करते हुए उसकी लोकेशन बोरखेड़ा के नयानोहरा स्थित एक अपार्टेमेंट में मिली। जिसके बाद महावीर नगर व बोरखेड़ा थाने की टीम मौके पर पहुंची तो आरोपी की गाड़ी नीचे खड़ी देखी पूछताछ में आरोपी के ऊपर फ्लैट मे होने का पता चला लेकिन आरोपी ने बालकनी से नीचे पुलिस टीम को देख लिया और स्वयं को कमरे में बंद करके देशी कट्टे से कनपट्टी के पास गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

फायरिंग के आरोपी के सुसाइड के बाद अस्पताल परिसर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया।

शहर एएसपी ने बताया कि पुलिस टीम ने अंदर से बंद दरवाजे को तोड़कर आरोपी अयाना निवासी रूद्रेश उर्फ आरडीएक्स (22) को कब्जे में लिया और एमबीएस अस्पताल लाकर डॉक्टर से जांच कराई जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

वही घटना के बाद मौके पर एफएसएल टीम को बुलाया गया। शहर एएसपी ने बताया कि आरोपी के आवास से दो देशी कट्टे व एक अवैध पिस्टल भी बरामद किया है। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिये शव को एमबीएस अस्पताल की मोर्चेरी में रखवाया। वही एमबीएस अस्पताल परिसर मे एतिहात के तौर पर अस्पताल परिसर को पुलिस छावनी में तबदील कर दिया गया। एमबीएस अस्पताल की मोर्चेरी के बाहर नयापुरा, विज्ञान नगर, जवाहरनगर थाने के थानाधिकारी जाप्ता सहित मौके पर पहुंचे। शहर एएसपी ने बताया कि मृतक

- **दुकानदार पर हुई फायरिंग के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी ने खुद को पुलिस से घेरा देखकर खुद को ही गोली मार ली**

का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया जायेगा।

यह था मामला : महावीर नगर इलाके मे गत 26 जनवरी की रात्रि को जीएडी सर्किल पर 5 जने कार लेकर पहुंचे थे जहां एक दुकानदार से सिगरेट के लिये कहा जिस पर उसने सिगरेट आकर लेने को कहा सिगरेट के विवाद को लेकर दुकानदार रणजीत से कहासुनी हो गई जिस पर उसका भाई पवन जो रणजीत के सामने फास्ट-फूड का स्टॉल लगाता है वहां आया और समझाईश करके वापस स्टॉल पर जा रहा था उसी समय एक जने ने उस पर फायरिंग कर दी जिसमे उसकी पीठ पर गोली लगी जिसे उपचार के लिये अस्पताल मे भर्ती कराया था। वही महावीर नगर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए एक जने को गिरफ्तार कर लिया था।

रक्तदान शिविर सम्पन्न

ब्यावर (निसं) जैन धर्म की आस्था के आधार स्वाध्याय प्रेरक पूज्य प्रर्वतक पन्नालालजी मा.सा. की 57वीं पुण्य स्मृति दिवस को गुरूदेव स्मरण दिवस के रूप में मनाया गया इस अवसर पर अखिल भारतीय श्री प्राज्ञ जैन युवा मण्डल के तत्वावधान में श्री प्राज्ञ युवा मडल ब्यावर द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन 02.फरवरी को सिटी डिस्पेन्सरी में रखा गया। इस अवसर पर रक्तदाताओं ने जोर-शोर से शिविर में भाग लिया।

खान-भूविज्ञान विभाग ने 527 माइनर मिनरल प्लॉट्स का ई-ऑक्शन कर नया इतिहास रचा

मुख्यमंत्री व खान मंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी में भी राजस्थान समूचे देश में अव्वल रहा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री व खान मंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य के खान एवं भूविज्ञान विभाग ने माइनर मिनरल प्लॉटों के ऑक्शन में भी नया इतिहास रच दिया है। प्रदेश में चालू वित्तीय वर्ष में अब तक माइनर मिनरल के 527 प्लाटों की सफल नीलामी की जा चुकी है। इससे राज्य सरकार को 577 करोड़ 80 लाख रु. का प्रीमियम राशि का राजस्व मिलेगा।

- **माइनर मिनरल प्लॉट्स की नीलामी से राज्य सरकार को 577.80 करोड़ रु. का प्रीमियम राशि का राजस्व मिलेगा : टी. रविकांत**
- **केन्द्र के 2017 से नए प्रावधानों के बाद अब तक 2636 प्लॉटों की ई-नीलामी**

प्रमुख शासन सचिव माइंस टी. रविकान्त ने बताया कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जोकि खान मंत्री भी है, ने प्रदेश में माइनिंग सेक्टर के समग्र विकास पर जोर देते हुए खनिज खोज व मेजर व माइनर मिनरल के अधिक से अधिक ब्लॉक व प्लॉट तैयार कर ऑक्शन को प्राथमिकता दी गई है। भजन लाल शर्मा का मानना है कि वैध खनन को बढ़ावा देकर ही अवैध खनन पर अंकुश संभव है। टी. रविकान्त ने बताया कि केन्द्र सरकार के माइनिंग प्राबधानों के अनुसार 2017-18 से माइनिंग ब्लॉकों व प्लॉटों के ऑक्शन के ही प्रावधान किये गये। इसके बाद से ऑक्शन के नीलामी के प्रावधानों के बाद से राज्य में अब तक 4914 हैक्टेयर के 2536 माइनर ब्लॉकों का ऑक्शन किया गया है जिसमें से चालू वित्तीय वर्ष में सर्वाधिक 527 प्लॉटों की भारत सरकार के पोर्टल के माध्यम से ई-नीलामी की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि राज्य में मार्च तक 483 प्लॉटों की नीलामी प्रक्रिया जारी है।

निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि विभाग द्वारा इस वित्तीय वर्ष में 1044 हैक्टेयर के 527 प्लाटों की नीलामी से राज्य सरकार को 40 प्रतिशत प्रीमियम राशि 231 करोड रु. इसी वित्तीय वर्ष में राजस्व के रुप में प्राप्त हो सकेगी। उन्होंने बताया कि राज्य में सेंड स्टोन, मार्बल, मेसेनरी स्टोन, क्वार्टज, फेल्ड्सपार, सिलिका सेंड, क्वार्टजाइट आदि माइनर मिनरल्स के विपुल भण्डार है। विभाग द्वारा रोडमेप बनाकर एक्सप्लोरेशन के साथ ही खनिजों के डेलिनियेशन कर प्लॉट तैयार करने और उनकी ई-नीलामी पर जोर दिया जा रहा है ताकि खनिजों के अवैध खनन पर अंकुश लगाया जा सके। निदेशक कलाल ने बताया कि मिनरल ब्लाकों व प्लॉटों की नीलामी से प्रदेश में माइनिंग सेक्टर में निवेश, रोजगार और रेवेन्यू के नित नए अवसर विकसित हो रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने दिल्ली में चुनावी जनसभाएं कीं

त्रिनगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी तिलक राम गुप्ता व त्रिलोकपुरी से रविकांत उज्जैनवाल के समर्थन में मांगे वोट

नई दिल्ली / जयपुर। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने दिल्ली के त्रिनगर और त्रिलोकपुरी में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली की जनता को केन्द्र की भाजपा सरकार द्वारा चलाई गई जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित रखने के लिए अरविंद केजरीवाल ने रूकावट पैदा की। यह वही पार्टी है, जो पहले रामलीला मैदान में भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन करती थी। खुद को कट्टर ईमानदार बताने वाले लोग ऐसे कट्टर बेईमान निकले, जिसके मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री उनके मंत्री और उनके कई विधायक जेल में जा चुके है।

- **दिया कुमारी ने कहा कि, "अरविंद केजरीवाल ने केन्द्र की जनकल्याणकारी योजनाओं से दिल्ली को वंचित रखा। यह वही पार्टी है, जो पहले रामलीला मैदान में भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन करती थी। खुद को कट्टर ईमानदार बताने वाले लोग ऐसे कट्टर बेईमान निकले, जिसके मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री उनके मंत्री और उनके कई विधायक जेल में जा चुके है।"**

दिया कुमारी ने कहा कि, एक तरफ भाजपा हर घर तक "नल से जल" पहुंचाने की बात करती है, जबकि दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी ने दिल्ली जल बोर्ड का ऑडिट ही नहीं होने दिया। आम आदमी पार्टी के नेताओं ने केजरीवाल के नेतृत्व में विकास को नहीं बल्कि भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया, जिसके कारण वह जेलों में भी बंद रहें। आज भी इनके ऊपर भ्रष्टाचार के कई मुक़दमे चल रहे हैं। आज केजरीवाल के शासन में दिल्ली की सड़कें खस्ताहाल हैं, वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे और वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे का निर्माण किया है। दिया कुमारी ने कहा कि, दिल्ली में भाजपा की डबल इंजन सरकार बनी तो राजस्थान की भांति दिल्ली का भी विकास तेज गति से होगा। केन्द्र की योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंचेगा। गरीब कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य किए जाएंगे। सड़कों का निर्माण होगा, सीवरेज समस्या का समाधान होगा।

उन्होंने कहा कि, महिलाओं को 2100 रुपए देने का ढिंढोरा पीट रहे केजरीवाल ने पंजाब में भी यही वादा किया था लेकिन वहां की महिलाओं को एक रुपया नहीं दिया गया है, परंतु भाजपा "जो कहती है-वो करती है" क्योंकि मोदी की गारंटी का मतलब हैं "गारंटी पूरी होने की भी गारंटी।"

दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज आधुनिक, सशक्त और आत्मनिर्भर बन रहा हैं। भाजपा सत्ता का उपयोग जनकल्याण और विकास के लिए करती है और अपने वादों को समय पर पूरा करती है। भाजपा की प्रचण्ड जीत में आप सभी की महत्वपूर्ण भूमिका हों, यह चुनाव आपका और प्रत्येक कार्यकर्ता का चुनाव है, यह आने वाली पीढी के सुरक्षित भविष्य का चुनाव है। यह चुनाव सिर्फ विधायक चुनने का नहीं, बल्कि हमारे प्रत्याशियों के माध्यम से दिल्ली की तकदीर और तस्वीर बदलने का चुनाव है। आपका एक-एक वोट विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अब समय आ गया है कि बहाने बनाने वाली, हर घर जल एवं आयुष्मान भारत से दिल्ली को वंचित रखने वाली केजरीवाल की आम आदमी पार्टी की सरकार को उखाड़ फेंका जाए और दिल्ली में भाजपा की डबल इंजन की सरकार बनाई जाए।

बर्ड फेस्टिवल में निहारा पक्षियों का रंगीन संसार

जयपुर में जामडोली के नजदीक कानोता कैंप में जयपुर बर्ड फेस्टिवल संपन्न

जयपुर। राजस्थान में हो रहे बर्ड फेस्टिवल की श्रृंखला में पहली बार ग्रीन पीपल सोसाइटी उदयपुर (जयपुर चैप्टर) द्वारा शनिवार से जामडोली के समीप कानोता केम्प में आयोजित हुए जयपुर बर्ड फेस्टिवल-2025 के दूसरे दिन विशेषज्ञों व पक्षी प्रेमियों ने फील्ड विजिट के माध्यम से पक्षियों का रंगीन संसार निहारा। फील्ड विजिट के साथ ही बर्ड फेस्टिवल का समापन भी हुआ।

बर्ड फेस्टिवल संयोजक व रिटायर्ड आईएएस विक्रम सिंह ने बताया कि वन विभाग, पर्यटन विभाग, जयपुर विकास प्राधिकरण, रीको तथा डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया के सहयोग से आयोजित हुए इस बर्ड फेस्टिवल के दूसरे दिन विश्व वेटलैंड दिवस के अवसर पर विशेषज्ञ व पक्षी प्रेमियों के चार दलों ने जयपुर के आसपास के वेटलैंड्स का भ्रमण किया और यहां पर पक्षी प्रजातियों की उपस्थिति और जैव विविधता के बारे में जानकारी संकलित की।

सिंह ने बताया कि पहला दल पक्षी विज्ञानी डॉ. सतीश कुमार शर्मा के नेतृत्व में सांभर झील, नालियासर, झपका तालाब, कोचिया की ढाणी पहुंचा जहां पर फ्लेमिंगो, पेलिकन, एवोसेट, कॉमन टील, नॉदर्न शोवलर, यूरेशियन विजन, स्पॉट बिल्ड डक, स्पून बिल सहित कई पक्षी प्रजातियों को देखा। इस दल में रिटायर्ड डीएफओ सोहेल मजबूर, पक्षी विशेषज्ञ वीरेंद्र सिंह बेडसा, डॉ. कमलेश शर्मा, शरद श्रीवास्तव, जयवर्धन सिंह आदि शामिल थे। इसी प्रकार दूसरा दल राहुल भटनागर और डॉ. बाशोबी भटनागर के नेतृत्व में रणथंभौर अभयारण्य, तीसरा दल प्रदीप सुखवाल के नेतृत्व में केवलादेव घना अभयारण्य और चौथा दल तितली विशेषज्ञ मुकेश पंवार, रमा कुमारी व पुष्पा खमेसरा के नेतृत्व में झालाना अभयारण्य पहुंचा।

बर्ड फेस्टिवल के दूसरे दिन सांभर झील और नलियासर में मौजूद पक्षी प्रजातियां।

युवक को काम के बहाने बुलाकर अपहरण व मारपीट

जयपुर। बिंदायका थाना इलाके में काम के बहाने बुलाकर एक युवक को कार सवार बदमाशों ने अगवा कर लिया और उसके साथ मारपीट कर नगदी, बाइक व मोबाइल छीनकर ले गए। पुलिस ने इस मामले में तीन संदिग्धों को बापर्दा गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार राम विहार कॉलोनी निवासी मूलचंद रैगर ने मामला दर्ज करवाया कि उसके पास एक अनजान नम्बर से कॉल आया। कॉल कर्ता ने कहा कि एक डीपीसी का काम करना है। इस पर वह व्यक्ति के बताए जगह पर पहुंचा। वहां से वह युवक को लेकर बालाजी सिटी पहुंचा तो वहां पर उसे तीन युवक राकेश, अजय और सुखविंदर सिंह मिले। तीनों ने उसे जबरन कार में पटक लिया और उसके साथ मारपीट कर आंखों पर पट्टी बांध दी और हाथों को रस्सी से बांध दिया। मारपीट के बाद बदमाशों ने उससे मोबाइल, 23 हजार रुपए, बाइक सहित अन्य सामान छीन लिया। आरोपी उसके साथ मारपीट कर मारुति नगर में पटककर फरार हो गए। इस पर पीडित ने किसी तरह खुद को चंगुल मुक्त करवाकर थाने पहुंचा और मामला दर्ज करवाया।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने रविवार को दिल्ली प्रवास के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव और केन्द्रीय विधि एवं न्याय तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रदेश के विकास से जुड़े विविध विषयों पर चर्चा हुई।

वेदी प्रतिष्ठा व विश्व शांति महायज्ञ 4 से

जयपुर। महेश नगर स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर का भव्य वेदी प्रतिष्ठा व विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन 4 से 6 फरवरी तक आयोजित होगा। मुनि प्रणम्य सागर महाराज के पावन सानिध्य में होने वाले इस आयोजन में तीन दिन तक ध्वजारोहण, कलश यात्रा सहित अनेक धार्मिक आयोजन होंगे। महोत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में चल रही है। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष पदम कुमार जैन व कार्यक्रम समन्वयक नवल जैन ने बताया कि महोत्सव के पहले दिन 4फरवरी को दोपहर 2बजे देव आज्ञा, गुरु आज्ञा के बाद घटपूजन व घटयात्रा निकाली जाएगी।

भगवान देवनारायण जयंती समारोह आज होगा

जयपुर। भगवान देवनारायण जयन्ती समारोह समिति की ओर से श्री देवनारायण 1113 जयंती समारोह का आयोजन सोमवार को जयपुर के बिडला सभागार दोपहर एक बजे से किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा होंगे, वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता गृहराज्य मंत्री जवाहर सिंह बेडम करेंगे। अतिथियों में सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड, हरियाणा सरकार के मंत्री राजेश नागर, पूर्व मंत्री अरूण चतुर्वेदी, विधायक दर्शन सिंह गुर्जर, पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पुनिया, विधायक हंसराज पटेल, पूर्व मंत्री हेम सिंह भडाना, भाजपा राष्ट्रीय सचिव डॉ. अल्का गुर्जर, पूर्व महापौर मुनेश गुर्जर, विधायक रामावतार बैरवा (विधायक), रघुराज कसाना (म.प्र), शिवपाल गुर्जर (हिमाचल प्रदेश), प्रकाश गुर्जर (अहमदाबाद) होंगे। इस मौके पर समाज की प्रतिभाओं का सम्मान भी किया जाएगा। कार्यक्रम की जानकारी संयोजक प्रो. विक्रम सिंह गुर्जर ने दी है।

महेश शर्मा बने प्रदेशाध्यक्ष

जयपुर। भारत के सभी योग संगठनों के समुच्चय एवं योग के मुख्य संगठन इंडियन योग एसोसिएशन की राजस्थान कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन राष्ट्रीय महासचिव एवं आयुष मंत्रालय भारत सरकार की गवर्निंग कॉन्सिल के सदस्य सुबोध तिवारी की अध्यक्षता में बप्पा रावल सभागार में हुआ।

बैठक में संपूर्ण राजस्थान के योग विशेषज्ञ एवं कार्यकारी समिति के सदस्य सम्मिलित हुए। जिसमें जयपुर के वरिष्ठ आर्ट ऑफ लिविंग प्रशिक्षक और भारत सरकार तथा श्री श्री योग से प्रमाणित महेश शर्मा सर्व सम्मति से अध्यक्ष चुने गए। बैठक में सर्व सम्मति से योगाचार्य ढाकाराम वरिष्ठ उपाध्यक्ष, डॉ. हनवंत सिंह एवं मेघसिंह उपाध्यक्ष, डॉ. दीपेंद्र सिंह सचिव, हिमांशु पालीवाल संयुक्त सचिव, दीक्षा जामवाल कोषाध्यक्ष के रूप में मनोनीत हुए।

राज्य कार्यकारिणी के अन्य दायित्वों में समन्वयक लीगल डॉ. हेमराज चौधरी, सदस्यता डॉ. वीणा मूंदड़ा, आयोजन शिवानी वर्मा, प्रकाशन एवं रिसर्च डॉ. पूर्णेंदु एवं डॉ. गुनीत मोंगा, प्रचार योगी मनीष को प्रदान किए गए, इंदिरा डांगी एवं करतार सिंह को सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया।

डेढ़ लाख रुपए की ठगी

जयपुर। करधनी थाना इलाके में आर्मी अफसर बनकर मकान खरीदने के नाम पर झांसे में लेकर साइबर ठग ने महिला खाते से 1 लाख 49 हजार 998 रुपए निकाल लिए। ठगी का पता चलने पर पीडिता थाने पहुंची और मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार करधनी प्राइम निवासी सुनीता ने मामला दर्ज करवाया कि उसके पास एक व्यक्ति ने कॉल किया और कहा कि वह आर्मी में काम करता है और मकान खरीदना चाहता है। आरोपी ने इस बहाने से पीडिता के योनो एप की जानकारी ले ली और उसमें रुपए डालने की बात कहीं। आरोपी ने महिला के योनो एप से 1 लाख 49 हजार 998 रुपए निकाल लिए। ठगी का पता पीडिता को मोबाइल पर मैसेज आने पर लगा। इस पर पीडिता ने थाने पहुंच कर मामला दर्ज करवाया।

जरुरतमंदों को खाद्य सामग्री बांटी

जयपुर। सेवा मिशन संस्था के सौजन्य से रविवार को यहां ज्योति नगर स्थित कठपुतली नगर कच्ची बस्ती में एक शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें संस्था अध्यक्ष तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एंटी टास्क फोर्स) सिद्धांत शर्मा एवं राजस्थान कच्ची बस्ती महासंघ के संस्थापक वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. ओपी टांक ने जरुरतमंदों को खाद्य सामग्री के किट वितरित किए।

डॉ. टांक के अनुसार कठपुतली नगर निवासी विधवा, तलाकशुदा, असहाय महिलाओं को एक-एक किट जिसमें आटा, दाल, चावल, तेल, मसाले आदि थे का वितरण किया गया। ये किट सभी महिलाओं को प्रति माह की 1 तारीख को निरंतर उपलब्ध करवाया जाएगा। साथ ही महिलाओं की अन्य समस्याओं जैसे विधवा पेंशन, राशन कार्ड, बच्चों की पढाई आदि के बारे में बताते हुए उनकी समस्याओं के समाधान किए जाने की बात कही। डॉ. टांक ने सभी के रुके कार्य शुरू करवाने के प्रति आश्वस्त किया। शिविर का आयोजन कठपुतली नगर विकास समिति द्वारा किया गया। इस मौके पर विकास समिति अध्यक्ष डॉ. ओपी टांक, उपाध्यक्ष अशोक शर्मा मौजूद थे।

बेटी के जन्म पर मनाया जन्मोत्सव 1300 से ज्यादा बेबी किट बांटे

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर "सक्षम जयपुर अभियान" के तहत जिले में आयोजित हो रहे कार्यक्रम

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर जयपुर जिले में जारी "सक्षम जयपुर अभियान" आधी आबादी के पूर्ण विकास का दूसरा नाम बन गया है।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा बालिकाओं एवं महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजेश डोगीवाल ने बताया कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के ध्येय को साकार करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सक्षम जयपुर अभियान के तहत बालिका शिक्षा को बढावा देने एवं महिला सशक्तिकरण की दिशा में अहम कदम उठाये जा रहे हैं।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर विगत एक महीने में 1300 परिवारों को बेबी किट का वितरण किया गया है। साथ ही, नवजात कन्या के नाम पर ही पंचायत में पौधारोपण भी किया गया है।

डॉ. डोगीवाल ने जानकारी दी कि बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जयपुर जिला प्रशासन ने अनूठी पहल करते हुए गणतंत्र दिवस पर आयोजित समारोह में 5769 होनहार छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इतना ही नहीं, कई समारोह में 10वीं एवं 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में टॉप तीन में स्थान हासिल करने वाली प्रतिभावान बालिकाओं के अभिभावकों को भी सम्मानित कर बालिका शिक्षा के लिए प्रोत्साहित किया गया।

- **गणतंत्र दिवस समारोह में 5769 होनहार बेटियों को मिले प्रशस्ति पत्र**
- **जिले में अब तक 8 हजार छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण भी दिया**

उन्होंने बताया कि सक्षम जयपुर अभियान के तहत जयपुर की 36 पीएम श्री विद्यालयों में जागरुकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत जिसमें प्रशिक्षकों द्वारा बालिकाओं को गुड टच, बैड टच, आत्मरक्षा प्रशिक्षण के साथ-साथ महत्वपूर्ण कानूनों की भी जानकारी प्रदान की गई। इन जागरुकता कार्यक्रम से जिले की 8 हजार से अधिक छात्राओं को लाभांवित कर जयपुर जिला प्रशासन द्वारा बालिका शिक्षा एवं महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किये गए।

गोविंददेवजी मंदिर में श्रृंगार झांकी व सरस्वती पूजन

जयपुर। शहर में रविवार को बसंत उत्सव का उल्लास छाया रहा। साथ ही अनेक धार्मिक आयोजन हुए। आराध्य देव गोविंददेवजी मंदिर में बसंत पंचमी उत्सव रविवार को मंदिर के पाटोत्सव के रूप में धूमधाम से मनाया गया। मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि इस उपलक्ष्य में मंदिर में अनेक धार्मिक आयोजन हुए। प्रात: मंदिर कीर्तनिया एवं परिकर जन मंगल गीत एवं बधाईगान से उत्सव की शुरुआत की।

मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में बसंत पंचमी को मंगला झांकी सुबह 4 से 4:15 बजे तक हुई। सुबह 5 से 5:15 बजे तक ठाकुरजी का वेद मंत्रोच्चार के साथ पंचामृत अभिषेक किया गया। मावा पेडे का भोग अर्पण किया गया। इसके बाद महाआरती के दर्शन हुए। अभिषेक झांकी बाद ठाकुर श्रीजी को विशेष पीत (पीली) पोशाक एवं अलंकार शृंगार धारण कराया जाएगा। धूप झांकी 8:30 से 9:45 बजे तक हुई। धूप झांकी खुलने पर पहले अधिवास पूजन होगा। इसके बाद धूप की आरती हुई।

"सूर्य नमस्कार" से फिर इतिहास रचेगा राजस्थान

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में सोमवार को सूर्य सप्तमी के पूर्व दिवस पर एक बार फिर इतिहास रचा जाएगा। प्रदेशभर के राजकीय व निजी विद्यालयों में बच्चे, शिक्षक व आमजन एक साथ सूर्य नमस्कार कर भारतीय पारंपरिक योग प्रणाली द्वारा स्वस्थ जीवन जीने का संदेश देंगे। पिछले वर्ष राज्य में 1.33 करोड़ विद्यार्थियों ने एक साथ सूर्य नमस्कार कर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। पिछले वर्ष के रिकॉर्ड को देखते हुए इस बार के आयोजन में और अधिक उत्साह देखने को मिलेगा।

- **राजस्थान के सभी विद्यालयों में विद्यार्थी, शिक्षक और आमजन आज एक साथ करेंगे सूर्य नमस्कार**
- **सवाई मानसिंह स्टेडियम के फुटबॉल मैदान में सुबह 9 बजे कार्यक्रम में शामिल होंगे शिक्षामंत्री मदन दिलावर**
- **पिछले वर्ष राज्य में 1.33 करोड़ विद्यार्थियों ने एक साथ सूर्य नमस्कार कर विश्व रिकॉर्ड बनाया था।**

राज्य के सभी राजकीय एवं निजी विद्यालयों में प्रात: 9 बजे एक साथ सूर्य नमस्कार रखा गया है। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर स्वयं एसएमएस स्टेडियम के फुटबॉल मैदान में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सूर्य नमस्कार करेंगे। शिक्षामंत्री ने सभी प्रदेशवासियों से सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर शामिल होने की अपील की है।

राजस्थान की नजर इस बार पुराना रिकॉर्ड तोड़कर नया विश्व रिकॉर्ड कायम करने पर है। पिछली बार आयोजन में 78,974 विद्यालयों के 1.33 करोड़ विद्यार्थियों ने भाग लिया था। इस बार सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं, स्कूल स्टाफ, एसएमसी, एसडीएमसी के सदस्यों के साथ अभिभावक एवं आमजन भी इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनेंगे।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के निर्देशानुसार इस बार कक्षा एक से पांच तक के बच्चों को भी सूर्य नमस्कार का भागीदार बनाया जाएगा। छोटे बच्चों को यथा शक्ति सूर्य नमस्कार के दो से तीन चरण ही कराए जाएंगे।

अन्य सभी इसके 10 चरण करेंगे। प्रदेश के सभी विद्यालयों में इसके लिए एक सप्ताह पहले से ही सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया जा रहा है। बीमार या ऐसे विद्यार्थी या शिक्षक या अभिभावक, जो हाल में किसी शल्य प्रक्रिया से गुजरे हों, वे इसका हिस्सा नहीं होंगे।

योग एक्सपर्ट करेंगे विद्यालयों का सहयोग

क्रीडा भारती संस्था सूर्य नमस्कार में सभी विद्यालयों एवं शिक्षक संस्थाओं का सहयोग करेगी। संस्था से जुड़े एक्सपर्ट विद्यालयों में व्यक्तिगत तौर पर सूर्य नमस्कार का वैज्ञानिक महत्व बताएंगे। साथ ही नमस्कारासन, हस्तोत्तानासन सहित योग की सभी क्रियाओं को लाइव करके समझाएंगे, ताकि प्रतिदिन विद्यालयों में प्रार्थना सभा के वक्त इसका अभ्यास कराया जा सके।

क्यों करना चाहिए सूर्य नमस्कार?

सूर्य नमस्कार एक यौगिक प्रक्रिया है जिससे शारीरिक लाभ तो मिलते ही हैं, यह मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर करती है। 12 आसनों की इस प्रक्रिया में आसनों के साथ श्वास-प्रश्वास के भी नियम निर्धारित होते हैं जिससे सूर्य नमस्कार करने वाला व्यक्ति निरोगी व तेजस्वी बनता है। योगाचार्यों के अनुसार सूर्य नमस्कार अपने आपमें संपूर्ण व्यायाम है। बच्चों के लिए भी शारीरिक बल व बुद्धि को तीक्ष्ण बनाने वाला यह अभ्यास एक वरदान के समान है।

मदन दिलावर शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री ने कहा कि सूर्य नमस्कार एक आयोजन नहीं, बल्कि एक दिनचर्या का हिस्सा होना चाहिए। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों की जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन लाना और उनके स्वास्थ्य से जुड़ा होना चाहिए। इस बार हम सूर्य नमस्कार में पिछले वर्ष बनाए गए विश्व रिकॉर्ड से बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

जीवन व वास्तुकला में अवसरों को भुनाने के महत्व पर बल दिया

जयपुर (कासं)। एकेएफडी स्टूडियो का सीज द मोमेंट : लाइफ एंड आर्किटेक्चर शीर्षक से बनाना चैट 7.0 सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र में अनुभव केंद्र में हुआ। यह डिजाइन सोच और रचनात्मकता का एक प्रेरक उत्सव रहा। कई पुरस्कार प्राप्त वास्तुकला और डिजाइन फर्म ओपोलिस आर्किटेक्ट्स की सह-संस्थापक मुंबई की आर्किटेक्ट सोनल संचेती के नेतृत्व में हुए इस कार्यक्रम में जयपुर के रचनात्मक समुदाय के लिए बनाना चैट को एक मंच के रूप में उजागर किया गया। सत्र को मॉडरेट आर्किटेक्ट ध्रुव गुप्ता ने किया। सोनल ने अपने अभिनव काम के बारे में विचार साझा किए। यह स्थानीय डिजाइन समुदाय के लिए प्रेरणास्त्रोत रही। उन्होंने कहा कि आप केवल एक बार जीते हैं, लेकिन अगर आप इसे सही तरीके से जीते हैं, तो एक बार ही काफी है। सोनल ने जीवन और वास्तुकला में क्षणभंगुर अवसरों को भुनाने के महत्व पर जोर दिया। गौरतलब है कि अमावस्या पर आयोजित प्रत्येक संस्करण बनाना चैट जयपुर में जीवंत डिजाइन पारिस्थितिकी तंत्र पर होता है।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष स्व. निरंजन नाथ आचार्य को पुष्पांजलि अर्पित

राजस्थान विधानसभा में रविवार को पूर्व अध्यक्ष स्व. निरंजन नाथ आचार्य को उनकी जयन्ती पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। स्व. आचार्य 3 मई 1967 से 20 मार्च 1972 तक विधान सभा अध्यक्ष पद पर रहे। पूर्व विधायक नवरंग सिंह, विधानसभा के उप सचिव देवेन्द्र प्रसाद चोटिया सहित अधिकारी, परिवारजन व कर्मचारियों ने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

सार-समाचार

देवनारायण भगवान का महोत्सव आज से

जोधपुर, (कासं)। लोक देवता भगवान विष्णु के अवतार और गुर्जर समाज के आराध्य देव देवनारायण भगवान का दो दिवसीय जयंती महोत्सव 3 व 4 फरवरी को शहर में धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। बनाड़, झालामण्ड, विवेक विहार, सूंथला, केके कॉलोनी, भगत की कोठी स्थित मंदिरों सहित रातानाडा स्थित श्री देवनारायण भगवान मंदिर में मंदिर सेवक रामप्रसाद महाराज के सान्निध्य में श्रद्धापूर्वक व हर्षोल्लास मनाया जाएगा। रातानाड़ा श्री देवनारायण भगवान मंदिर समिति के सदस्य मूलाराम फारक ने बताया कि इस अवसर पर मंदिर को आकर्षक फूलमंडली व रोशनी से सजाया जाएगा तथा देव- प्रतिमाओं का मनोरम श्रृंगार किया जाएगा। 3 फरवरी को सुबह ध्वजारोहण होगा और शाम 7 बजे से 'एक शाम श्री देवनारायण भगवान के नाम' भजन संध्या आयोजित की जाएगी। जिसमें गायिका मंजू डागा एंड पार्टी भगवान श्री देवनारायण और देवी-देवताओं के भजनों की सरिता प्रवाहित करेंगे। केके कॉलोनी स्थित श्री देवनारायण भगवान मंदिर के सचिव व सेवक शिवकरण बोकण ने बताया कि 4 फरवरी को सुबह 8 बजे मंदिर के ऊपर बने हाल में कर्नल बैसला लाइब्रेरी का शुभारंभ होगा। सुबह 9 बजे राजस्थान गुर्जर महासभा जोधपुर के जिलाध्यक्ष फताराम धांगड़, मंदिर समिति के अध्यक्ष राहुल बजाड़, कोषाध्यक्ष संदीप पोसवाल, उपाध्यक्ष सूरज पोसवाल, संरक्षक सोहनलाल मुंडन व प्रदीप चाड द्वारा हरी झंडी दिखाकर शोभायात्रा व वाहन रैली रवाना की जाएगी। जिसमें बनाड़, झालामण्ड, विवेक विहार, सूंथला आदि क्षेत्रों की 21 झांकियां शामिल होंगी। शोभायात्रा व वाहन रैली केके कॉलोनी स्थित मंदिर से रवाना होकर भगत की कोठी मंदिर होते हुए शाम 4 बजे रातानाडा स्थित श्री देवनारायण भगवान मंदिर पहुंचेगी। रातानाडा मंदिर समिति द्वारा शोभायात्रा व वाहन रैली का स्वागत किया जाएगा साथ ही आयोजित सम्मान समारोह में समाज के भामाशाहों, सहयोगकर्त्ताओं व कार्यकर्ताओं का सम्मान भी किया जाएगा।

गंगश्यामजी मंदिर में उत्सव मनाया

जोधपुर, (कासं)। भीतरी शहर के जूनी मंडी स्थित गंगश्यामजी मंदिर को 263 साल पूरे होने पर रविवार को उत्सव मनाया गया। इसके साथ ही 264वें साल में प्रवेश कर गया। इस दौरान मंदिर में उत्सव के रूप में मनाते हुए भगवान गंगश्यामजी को खिड़कियां पाग के साथ हीरे-नीलम से जड़ित आधा किलो का मुकुट धारण करवाया गया । होरिया गायन की शुरुआत भी की गई। पुजारी पुरुषोत्तम शर्मा ने बताया कि यह मूर्ति इस मंदिर में स्थापना से पूर्व जोधपुर किले में शाकद्वीपीय पुजारी परिवार के घर, पंच देवरिया मंदिर में अलग-अलग समय पर रखी गई थी। इसके बाद महाराजा विजय सिंह ने इस मंदिर का निर्माण कर संवत 1818 ई. में बसंत पंचमी के दिन भगवान गंगश्यामजी की मूर्ति को प्रतिष्ठित करवाया। इसके साथ ही 1931 में जोधपुर की पूर्व राजकुमारी मरुधर कंवर ने जयपुर राजघराने के कुलदीपक भवानी सिंह को जन्म दिया तो तत्कालीन जोधपुर के महाराजा उम्मेद सिंह ने 1932 से उत्सव को बड़े स्तर पर मनाने के लिए पत्र लिखा गया था। भवानी सिंह प्रदेश की डिप्टी सीएम दिया कुमारी के पिता थे। पुजारियों ने बताया कि दस्तूर रूपी होरिया उत्सव रविवार से शुरू हो गया। रविवार को भी ठाकुरजी को औपचारिक गुलाल लगाकर शुरुआत की गई। रविवार को मंदिर में ठाकुरजी को विशेष शृंगार करते हुए पुजारी परिवार की ओर से खिड़कियां पाग के साथ जोधपुरी जामा और जनेऊ धारण करवाते हुए उत्सव मनाया गया । इससे पहले भगवान का पुजारियों की ओर से गुप्त अभिषेक भी किया गया। वहीं आज एक ही दिन में तीन बार ठाकुरजी को मेवे का केक भी कटाया गया। इनमें अलसुबह मंगला आरती, दोपहर में राजभोग और शाम को आरती के समय ठाकुरजी को भोग लगाते हुए मेवे का केक भी कटाया गया।

पाली के 42 केंद्रों पर आर.ए.एस. प्री. हुई

पाली, (नि.सं.)। राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर द्वारा रविवार को जिले के 42 परीक्षा केंद्रों पर आर ए एस प्रारंभिक परीक्षा आयोजित हुई। जिला कलक्टर एल एन मंत्री ने बताया कि रविवार को दोपहर 12:00 बजे से 03:00 बजे तक राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी प्रारंभिक परीक्षा 2024 जीके ओर जीएस विषय की परीक्षा जिला मुख्यालय के 30, उपखण्ड रोहट के 03, उपखण्ड सोजत के 05 एवं उपखण्ड बाली के फालना शहर में 04 अर्थात् जिले के कंल 42 परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें कुल 13,722 परीक्षार्थियों में से कुल 8036 अभ्यर्थी उपस्थित रहें एवं 5686 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहें। जिसमें उपस्थिति 58.56 प्रतिशत रही। जिला कलक्टर मंत्री ने बताया कि परीक्षा पाली जिले के सभी परीक्षा केन्द्रों पर शांतिपूर्ण सम्पन हुई। जिले में परीक्षा के सफल संचालन हेतु 08 सतर्कता दल गठित किये गये एवं 15 उपसमन्वयक दल गठित किये गये जिन्होने नियत समय पर परीक्षा केन्द्रों पर प्रश्न-पत्र वितरण एवं संकलन का कार्य किया। परीक्षा की गोपनीय सामठी आज ही परीक्षा समाप्ति पश्चात् आयोग कार्यालय अजमेर भिजवाई गई। कलेक्टर एलएन मंत्री ने आज रविवार को आरएएस परीक्षा प्रा के लिए विभिन परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर जायजा लिया और विभिन्न व्यवस्थाओ को देखा इस अवसर पर उन्होंने.गर्ल्स कॉलेज सर्किट हाउस के सामने . ऐ डी डागा स्कूल सर्किट हाउस रोड ,बांगड़ सीनियर सेकेंडरी स्कूल , बांगड कॉलेज आदि केंद्रों का जायजा लिया। इस अवसर पर जिला पुलिस अधीक्षक चुनाराम जाट आदि मौजूद रहे।

बसंत पंचमी पर शादियों की धूम रही

जोधपुर, (कासं)। बसंत पंचमी का पूर्व सूर्यनगरी में रविवार को धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान शहर में शादियों की भी धूम रही। लोगों ने जम कर दान-पुण्य भी किया। मोती चौक गौ सेवा मंडल की ओर से मंडोर स्थित पन्नालाल गौशाला में बसंत पंचमी पर आज सेवा कार्य के रूप में मनाया। सुबह 7 बजे से मंडल द्वारा पन्नालाल गौशाला में अंधी, अपाहिज, बीमार व दुर्घटनाठास्त गायों के लिए हरा सूखा चारा एवं लापसी की तथा बीमार गायों के ईलाज के लिए दवाइयों की व्यवस्था रखी गई। कायलाना रोड स्थित संबोधि धाम में महामंगलकारी सरस्वती महापूजन का आयोजन किया गया।। जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु भाई-बहिन पूजा के वस्त्रों में विशाल सरस्वती माँ की प्रतिमा का महामस्ताभिषेक और अष्टप्रकारी पूजन कर ज्ञान और बुद्धि की मंगल प्रार्थना की।भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड द्वारा ''बसंत पंचमी पर्व'' को ''जीव जंतु कल्याण दिवस'' के रूप में मनाया गया। बसंत पंचमी के अवसर पर नामदेव छीपा समाज ने निकाली शोभायात्रा पाली 2 फरवरी बसंत पंचमी के अवसर पर नामदेव छीपा समाज की ओर से जाकिर हुसैन चौराहे के निकट श्याम मंदिर से हर वर्ष की तरह शोभायात्रा निकाली, जिसमें समाज के महिलाओं पुरुष पीले कपड़े पहने हुए थे, नन्हे मुन्ने बच्चे झांकियां में कृष्ण राधा शिव पार्वतीबने बैठे हुए थे, वही समाज की महिलाएं गीत गाते हुए नृत्य करते साथ चल रही थी। समाज के लोग नामदेव जी के जयकार लगाते हुए चल रहे थे, शोभायात्रा मंदिर से बाबा धोकर प्यारा चौक,सोमनाथ रोड, सराफा बाजार उदयपुरिया बाजार, गुलजार चौक नवलखा रोड होते हुए मंदिर पहुंच समाप्त हुई, शोभा यात्रा में समाज के अध्यक्ष चंपालालभाटी, युवा मंडल के सिद्धार्थ, लक्ष्मण डूंगरी, राजेश पाटनेचा आदि साथ थे। कार्यक्रम के बाद समाज के महिला मंडल भाग्यवंती गहलोत के नेतृत्व में गौशाला पहुंच गायों को चारा व गुड़ खिलाया

बॉक्सिंग कोच पुष्पेंद्र परमार का चयन

जालोर, (कासं)। जालोर के बॉक्सिंग प्रशिक्षक पुष्पेन्द्र परमार का आरईसी ने स्ट्रेथएंड कंडीशनिंग ट्रेनिंग कैम्प में चयन हुआ। जालोर की राष्ट्रीय मुक्केबाज लीना यादव ने बताया कि बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के नेतृत्व में राष्ट्रीय खेल प्राधिकरण पटियाला में 2 से 7 फरवरी तक आर ई सी द्वारा स्ट्रैंथ एंड कंडीशनिंग ट्रेनिंग कैंप में बॉक्सिंग प्रशिक्षक पुष्पेंद्र परमार का चयन किया गया है। जिसमें प्रशिक्षित प्रशिक्षक द्वारा बॉक्सिंग खेल में बॉक्सरों को स्ट्रैंथ व कंडीशनिंग कैसे डेवलप की जाए उसकी जानकारी दी जाएगी । जिससे कि खिलाडी मजबूत हो सके। पूरे भारतवर्ष से 20 बॉक्सिंग प्रशिक्षकों का चयन किया गया है। इनके चयन पर राजस्थान बॉक्सिंग संघ के महासचिव नरेंद्र कुमार निर्वाण, राजस्थान बॉक्सिंग संघ के आर ओ सी चेयरमैन विशाल निर्वाण,राजस्थान संघ के अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष महेंद्र लोनीवाल, पूनम सिंह शेखावत, नाथू निर्वाण, देवीसिह, मुकेश भाई सुंदेशा, सुरेश कुमार शर्मा, मुकेश कुमार राणा, कैलाश नाथ, रणजीत सिंह, गोपाल सिंह, राजेंद्र सिंह, यश परमार राजस्थान मुक्केबाजी संघ के पदाधिकारी व खेल प्रेमियों ने खुशी जाहिर की।

डॉ. पीसी व्यास को फेलोशिप अवार्ड

जोधपुर, (कासं)। ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज चेन्नई में फोरेंसिक मेडिसिन का 46वां राष्ट्रीय सम्मेलन 31 जनवरी से 2 फरवरी तक हुआ। जिसमें डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज में फोरेंसिक मेडिसिन के पूर्व एचओडी व एमजीएच के अधीक्षक रहे डॉ. पीसी व्यास को फोरेंसिक मेडिसिन के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए फेलोशिप अवार्ड दिया गया।

सवाई सिंह रणसी का अश्व 'प्रसेन' बेस्ट एनिमल चुना

दो दिवसीय मारवाड़ होर्स शो का समापन पूर्व महाराजा गज सिंह के आतिथ्य में हुआ।

जोधपुर,(का.स.)। ऑल इंडिया मारवाड़ी हॉर्स सोसायटी, जोधपुर व मारवाड़ी हॉर्स बुक रजिस्ट्रेशन सोसायटी ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में महाराजा गजसिंह स्पोर्ट्स फाउंडेशन पोलो ग्राउंड, एयरपोर्ट रोड पर आयोजित दो दिवसीय मारवाड़ होर्स शो का रविवार को समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व महाराजा गज सिंह थे। प्रतियोगिता में बेस्ट एनिमल का पुरस्कार सवाई सिंह रणसी गांव के अश्व प्रसेन को मिला। बेस्ट एनिमल को 1 लाख का पुरस्कार दिया गया।

शनिवार को प्रतियोगिता में जजिंग रिंग-अदंत बछेरी में मेड़ता के रामरतन की बछेरी गौरी प्रथम , गंगानगर के जसवन्त सिंह की बछेरी अंजली द्वितीय, पंजाब के संदीप सिंह की बछेरी हिरणी तृतीय व पंजाब के सुखवीर सिंह की बछेरी मोनिका को सांत्वना स्थान मिला। अदंत बछेरी एफएस (फाउंडेशन स्टॉक) में पंजाब के एस सुखवीर सिंह की बछेरी राधिका प्रथम , इंदौर के पवन सिंह चावड़ा की बछेरी विश्व सुंदरी द्वितीय, जालौर के अनमोल सिंह की बछेरी स्टेला तृतीय व जोधपुर के अरविंद पंवार की बछेरी काव्या को सांत्वना पुरस्कार मिला। दो दांत बछेरी जजिंग रिंग में हरियाणा के जंगीपहलवान कि भारत केसरी प्रथम, पंजाब के सुखबीर सिंह की बिग बॉस द्वितीय, हरियाणा के गुरप्रीत सिंह की अनंत तृतीय व पुणे के हुनेन भाई की सिल्वर स्टार को सांत्वना पुरस्कार मिला। अदंत बछेरा प्रतियोगिता एफ एस में जितेंद्र सिंह उदयपुर का स्टार प्रथम, केसर सिंह जोधपुर का जेम्स द्वितीय, अजीत सिंह नाडेल का हिमालय तृतीय व हरप्रीत सिंह जाडेजा गुजरात के एकलोया को सांत्वना पुरस्कार मिला । इसी प्रकार रविवार को प्रजनन योग्य घोड़ी (ब्रूड मेयर) प्रतियोगिता में प्रथम तमिलनाडु के एम एन अरविंद की घोड़ी मोरनी , द्वितीय पंजाब के सुखजिंदर सिंह की घोड़ी गजवाहिनी , तृतीय पंजाब के अर्पी गिल की घोड़ी अश्व खलीफा व सांत्वना पुरस्कार पंजाब के संदीप सिंह की घोड़ी नागमणि को मिला । शो जंपिंग में प्रथम रोमित गिड़वानी अपने अश्व युकी के साथ , द्वितीय नाइशा मिथुन अपने अश्व रेम्बो के साथ , तृतीय यथार्थ दवे अश्व सुभद्रा के साथ , चतुर्थ लोकेंद्र सिंह सजाड़ा अश्व बादल के साथ व पांचवें स्थान पर देवव्रत सिंह राठौड़ अश्व बादशाह के साथ रहे। दो दांत बछेरा प्रतियोगिता में प्रथम हरनीस सिंह जालौर का बछेरा परम शिवम , द्वितीय प्रदीप भाई पटेल गुजरात का वठा , तृतीय सुखवीर सिंह पंजाब का सुहान व सांत्वना पुरस्कार रसदीप सिंह लुधियाना के पठान को मिला। हेक्स ओपन प्रतियोगिता में प्रथम नरेंद्र सिंह राठौड़ अश्व बादल, द्वितीय खुशवंत सिंह का अश्व पूनम , तृतीय यशस्वी का अश्व सिल्वर व चौथे स्थान पर आराध्य का अश्व गोल्ड रहा । ड्रेसाज प्रदर्शन में नाइशा अश्व रेम्बो के साथ प्रथम , द्वितीय देवव्रत सिंह का अश्व बादशाह , प्रनवी सिवाच का अश्व इंप्रेस के साथ तृतीय , तनीशी सिंह अश्व गोल्ड के साथ चतुर्थ , पांचवें स्थान पर कुल गोरी देवड़ा का अश्व फिजा, व छठे स्थान पर युग आदित्य सिंह देवड़ा अपने अश्व पद्मिनी के साथ रहे। स्टेलियन क्लास प्रतियोगिता में प्रथम सवाई सिंह रणसी गांव का अश्व प्रसेन , द्वितीय हुनैद कर्मवाला उदयपुर का अश्व अभिजीत , तृतीय अरपी सिंह गिल पंजाब का अश्व एस ऑफ स्पेश व सांत्वना पुरस्कार मेघ सिंह जालोर के अश्व हंसदेव को मिला। हैक्स लेडिज प्रतियोगिता में नाइशा विथुन का अश्व सिल्वर प्रथम , कल गौरी देवड़ा का अश्व पद्मिनी द्वितीय, तनीशी सिंह का अश्व गोल्ड तृतीय , विदुषी देवड़ा का अश्व फिजा चतुर्थ , प्रनवी सिवाच का अश्व एम्प्रेस पांचवे व अठीया अशोक का अश्व छठे स्थान पर रहा।।

दो दिवसीय मारवाड़ होर्स शॉ में विभिन्न प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका गजेन्द्रपाल सिंह पोषणा , सिद्धार्थ सिंह रोहिट , घनश्याम सिंह पटौदा , अमित विक्रम सिंह जोजावर व धनंजय सिंह ने निभाई ।

इस अवसर पर मेजर जनरल नरपत सिंह राजपुरोहित, पूर्व सांसद डॉ नारायण सिंह माणकलाव, इंग्लैंड से आई मिस क्लेयर मुरे तृपलेण्ड, मानसिंह पाल, कर्नल गिरेंद्र सिंह दांखा, राघवेंद्र प्रताप सिंह झालामंड , गजेंद्र पाल सिंह पोषणा , सवाई सिंह रणसी गांव ,महेश करण सिंह पाल , पंकज प्रताप सिंह झालामंड, डॉ महेंद्र सिंह राठौड़, नरपत सिंह पाल ,जितेंद्र सिंह नरूका, प्रहलाद सिंह मामड़ोली , आनंद सिंह देचू ,राजेंद्र सिंह लीलिया, राघवेंद्र सिंह इंद्रोका, प्रशांत सिंह कछवाह , गौरव जोशी, निखिल माथुर, डॉ नरेंद्र सिंह मेड़तिया, भीम सिंह करवड़ , हितेन्द्र सिंह शिकारपुरा , मोहन सिंह गोटन सहित कई जने उपस्थित थे।

सुसवाणी माताजी मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का दो दिवसीय महोत्सव शुरू

जोधपुर, (कासं)। सुराणा सांखला भाईपा संघ व श्री सुसवाणी माताजी मंदिर ट्रस्ट की ओर से मंडोर रोड स्थित सुसवाणी माताजी मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा का दो दिवसीय महोत्सव आज से शुरू हुआ।

मीडिया प्रभारी प्रवीण सुराणा ने बताया कि सुराणा सांखला भाईपा की कुलदेवी सुसवाणी माताजी के मंदिर का दो दिवसीय पाटोत्सव रविवार को विधि विधान से शुरू किया गया। कार्यक्रमों की कडी में आज मंदिर परिसर में प्रातः 8 बजे से माताजी का पक्षाल, श्रृंगार, भोग, आरती का आयोजन किया गया तथा मंदिर के सामने स्थित आलावत गार्डन रिसोर्ट में प्रसादी, बच्चों के लिए विभिन्न गेम्स, जैन हाऊजी के कार्यक्रम रखें गए।साथ ही युवतियों व महिलाओं के हाथों में कुशल मेहंदी आर्टिस्ट द्वारा मेहंदी रचाई गई। एक शाम श्री सुसवाणी माता के नाम भव्य भक्ति संध्या का आयोजन सांय 7 बजे से रखा गया।

अध्यक्ष दशरथमल सुराणा व सचिव गौतमचंद सुराणा ने बताया कि कार्यक्रम की अगली कडी में सोमवार 3 फरवरी को सुबह 8 बजे माताजी का पक्षाल, श्रृंगार व नवकारसी के पश्चात् प्रातः 9.30 बजे से आयोजित सम्मान समारोह में 75 वर्ष आयु पूर्ण कर चुके भाईपा के वृद्धजनों, उच्चतम शैक्षिणक योग्यताधारक, प्रशासनिक अधिकारियों व राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विभिन्न श्रेणी की प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। सुबह 11.30 बजे हवन, भोग व आरती के पश्चात् मंदिर शिखर पर लाभार्थी धनराज किशनराज सुराणा परिवार की ओर से ध्वजा चढाई जाएगी। दोनों दिनों के कार्यक्रम की तैयारियां जोरों से चल रही है इस हेतु संपूर्ण मंदिर परिसर को फूलों व रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया है।

गाड़ी साइड में लगाने की बात पर शराब ठेकेदार ने टेलर पिता-पुत्र को पीटा

पाली, (नि.सं.)। पाली में गाड़ी साइड में करने की बात पर रविवार दोपहर को शराब का ठेका चलाने वाले दो जनों ने पिता-पुत्र को बीच सड़क पर बुरी तरह पीटा। घायल ने औद्योगिक थाने में मामला दर्ज करवाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

औद्योगिक थाने के थानाप्रभारी जसवंत सिंह राजपुरोहित ने बताया कि पाली शहर के सुभाष नगर रहने वाले विष्णु कांत पुत्र (36) जगदीश चन्द्र दर्जी ने रिपोर्ट दी। उसने बताया कि वह सुभाष सर्किल के निकट उसकी ओम टेलर नाम से सिलाई की शॉप है। दोपहर के समय वह स्कूटी लेकर घर जा रहा था। इस दौरान उसके निकट ही शराब की शॉप संचालित करने वाला रविंद्र सिंह के पिता भवानी सिंह ने उसकी शॉप के आगे अपनी गाड़ी खड़ी कर दी। इसको लेकर उसे गाड़ी साइड में करने की बात कही। इससे वह गुस्सा हो गया। इसके बाद भवानी सिंह और रविंद्र सिंह उससे सड़क पर ही मारपीट करने लगे। इसे देखकर उसके पिता विष्णुकांत बचाने आए। आरोप है कि आरोपियों ने उनसे भी मारपीट की।

दोनों घायलों को उपचार के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया गया। पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर मामला दर्जकर जांच शुरू की।

रोटरी क्लब के वर्ष भर के कार्यक्रमों का निरीक्षण किया

जालोर में रोटेरियन मोहन पाराशर, उनकी पत्नी रोटेरियन अनिता पाराशर का स्वागत हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। रोटरी क्लब जालोर की ओर से शनिवार को प्रांतपाल अधिकारिक यात्रा समारोह में मुख्य अतिथि प्रांतपाल रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3055 रोटेरियन मोहन पाराशर और उनकी पत्नी रोटेरियन अनिता पाराशर साथ ही सहायक प्रांतपाल डॉ.पवन ओझा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

शहर में स्थित निजी होटल में हुए स्वागत समारोह में पाराशर ने अपने उदबोधन में क्लब के कार्यो की सराहना करते हुए कहा कि सेवा ही सर्वोपरि रोटरी का पहला धर्म है ।हम जरूरतमंद लोगो के जीवन में स्थायी सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रयास करेंगे और साथ मिलकर अपने सेवा समर्पण के भाव से डिस्ट्रिक्ट 3055 को रोटरी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सिरमौर बनायेंगे। इस दौरान उन्होंने क्लब के वर्ष भर के कार्यक्रमों का निरीक्षण कर जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के उदबोधन में असिस्टेंट गवर्नर डॉ.पवन ओझा ने बताया कि रोटरी में हम दुनिया भर में, हमारे समुदायों में और खुद में एकजुट होकर एक ऐसी दुनिया देखते हैं । जिसमें हम विविधता,समानता,समावेश के साथ मानव सेवा के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए साथ मिलकर काम करते हैं। सामाजिक सरोकार की सर्वोपरि भावनाओ के साथ जालोर क्लब के समस्त सदस्य विभिन्न कार्यक्रमों में अपनी सहभागिता निभाते हुए क्लब के उद्देश्यो के साथ ही मानव सेवा के लिए पूर्णतः समर्पित है।

रोटरी क्लब जालोर के अध्यक्ष संजय सुंदेशा ने स्वागत भाषण दिया एवं क्लब के स्थायी प्राजेक्ट्स एवं वर्ष भर किए गए मानव सेवा कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी जनरल कानाराम परमार ने किया। क्लब सचिव सीए जिशान अली ने अधिकारिक यात्रा के पधारे हुए अतिथिगणों एवं सभी रोटेरियन सदस्यों का आभार एवं अभिनंदन प्रकट किया। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट कोषाध्यक्ष नंदकिशोर जैथलिया ने रोटरी फाउंडेशन पर जोर देने की बात कही ।

इस दौरान वरिष्ठ रोटेरियन परमानंद भट्ट, अनिल त्रिवेदी, कोषाध्यक्ष दिनेश सुंदेशा, हितेश प्रजापत, डूंगरसिंह मंडलावत, सीए नितिन सोंलकी, डॉ.प्रकाश बिशनोई ,डा.मुकेश चौधरी, डॉ.मदनसिंह राठौड,रमजान खान, नरेश देवडा,औमप्रकाश चौधरी, जितेंद्र सुंदेशा, उत्तम गेहलोत, विनिता औझा , मंजु चौधरी,शीला चौधरी, चेतना श्रीमाली, नीरा माथुर ,रोटरी क्लब आहोर के अध्यक्ष सीए धर्मेश सुथार ,रोटरी क्लब भीनमाल के अध्यक्ष विशाल वारडें,सचिव जितेंद्र माली एवं समस्त रोटेरियन पदाधिकारी व सदस्य सपरिवार उपस्थित रहे।

नारायणलाल भट्ट अध्यक्ष बने

जालोर, (कासं)। जिले भर में जालोर महोत्सव 2025 की पूर्व तैयारियां जोरों शोरों से हो रही है एवं इन तैयारियों को सुचारु व नियोजित तरीके से अंजाम देने लिए जालोर विकास समिति की ओर से जालोर महोत्सव के प्रयोजन के लिए कोर कमेटी का गठन किया गया । जिसके अध्यक्ष नारायणलाल भट्ट को नियुक्त किया गया।

कमेटी के अध्यक्ष नारायणलाल भट्ट ने बताया कि कमेटी में अध्यक्ष सहित कुल छह सदस्य है, जिनमें मुकेश खंडेलवाल, पन्नालाल सोलंकी, कानाराम परमार, हितेश प्रजापत, व नितिन सोलंकी है । नारायणलाल भट्ट ने बताया कि मुकेश खंडेलवाल को रानीवाडा, भीनमाल, सांचौर, जसवंतपुरा व बागोडा उपखंडों का प्रभारी बनाया गया है, जो उक्त उपखंडों के समन्वयकों के साथ आपसी समन्वय के साथ जालोर महोत्सव के आयोजन को भव्यता देने का काम करेंगे।

थ्रो बॉल संघ की बैठक आयाजित

जालोर, (कासं)। जालोर शहर में स्थित चित्रा होटल न्यू बस स्टैण्ड के पास थ्रो बॉल एसोसिएशन,जालौर की बैठक जिला अध्यक्ष श्री छगन आर्य के सानिध्य एवं महिला विंग चैयरमेन सुनिता गुर्जर के निर्देशन में हुई।

जिला सह सचिव भंवर सिंह भाटी ने बताया कि बैठक में आर्य ने बताया कि थ्रो बोल खेल को डेवलप करने पर प्रकाश डाला।

शांति निकेतन में बसंत पंचमी पर कार्यक्रम हुआ

जोधपुर, (का.सं.)। द शांति निकेतन इंटरनेशनल स्कूल में हिंदू पंचांग के अनुसार 2 फरवरी को बसंत पंचमी का पावन पर्व बड़े ही हर्षोल्लास व ख्सुशनुमा माहौल में मनाया गया।

सर्वप्रथम स्कूल की डायरेक्टर डॉ. शोभा मोदीएवं चेयरमैन श्री कैलाश मोदी जी ने विद्या की देवी माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर विधि विधान से पूजा अर्चना की। हर साल की तरह पारंपरिक तौर से हवन का भी आयोजन किया गया। जिसमें मंत्र उच्चारण द्वारा आहुतियाँ दी गई। पंडित जी ने नन्हे- मुन्हे बच्चों को धार्मिक कार्य से जुड़ाव रखने की शिक्षा दी और समझाया कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में आध्यात्मिक धार्मिक सिद्धांतों को जानने में मदद मिलती है । प्रार्थना सभा के दौरान विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे और पीले वस्त्र पहनकर सांस्कृतिक कार्यक्रम का हिस्सा बने।विद्यार्थियों द्वारा श्लोक ,भाषण , नाच गानों की शानदार प्रस्तुतियाँ दी गई । सभी विद्यार्थियों ने इस त्योहार को मनाने में विशेष रुचि दिखाई।

विद्यालय में बसंत पंचमी के त्योहार को बसंत मेले के रूप में मनाया गया। जिसमें विद्यालय को रंग- बिरंगे फूलों व कलाकृतियों से सुंदर सजाया गया ।जिसमें अभिभावको व अन्य महिलाओं ने बच्चों के साथ आकर मेले का आनंद उठाया। मेले के मुख्य अतिथि सिद्धि जोहरी व अन्य अतिथियों सहित श्रीमती वीणा सकरानी, श्रीमती निरूपा पटवा, श्रीमती शुभीजी का मालार्पण और बैच लगाकर स्वागत किया गया।

बसंत मेले में चटपटे व्यंजनों की स्टॉल लगाई गई और आकर्षक खेलों का विशेष आयोजन भी किया गया जैसे थ्रो द बॉल गेम, टिकटोक गेम ,पपेट शो। टैटू बनवाने और चित्रकारी में बच्चो ने विशेष रुचि दिखाई।

मेले में संगीत का भी विशेष आयोजन रखा गया। जिसमें नए व पुराने गानों ने समां बांध दिया। म्यूजिकल बैंड ने अपनी विशेष प्रस्तुति प्रस्तुत की । अभिभावकों ने भी इसमें अपनी जमकर हिस्सेदारी दर्ज करवाई।

मुख्य अतिथियों ने मेले की प्रशंसा करते हुए भाव व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से सामाजिक और सामुदायिक भावनाएँ मजबूत होती है।

देवनारायण छात्रावास में बसंत पंचमी मनाई

जालोर, (कासं)। राजकीय देवनारायण आदर्श बालिका छात्रावास जालोर में रविवार को समर्पण सेवा संस्थान सांचौर की ओर से बसंत पंचमी का महोत्सव कार्यक्रम हषोल्लास के साथ मनाई गई। महोत्सव का शुभारंभ मां सरस्वती की तस्वीर के आगे दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

संस्थान अध्यक्ष उर्मिला दर्जी द्वारा छात्राओं को माता सरस्वती के गुणों, आदर्शों व विचारों के बारे में विस्तृत जानकारी देकर छात्राओं को अच्छे कर्म,सच्ची विधा अध्यन करने की प्रेरणा दी। छात्राओं ने मां सरस्वती की तस्वीर के आगे शीश नवाकर उज्जवल भविष्य की कामना की। तथा संस्था अध्यक्ष ने छात्राओं को बताया कि इस दिन लोग देवी सरस्वती की पुजा करते हैं और उनसे ज्ञान, बुद्धि ओर कला का आर्शीवाद मांगते हैं। यह त्यौहार छात्रों, शिक्षकों, कलाकारों और संगीतकारो के लिए विशेष है। लोग पीले वस्त्र धारण करते हैं। पीले रंग के फूल,फल, मिठाई देवी सरस्वती को अर्पित करते हैं। समर्पण सेवा संस्थान अध्यक्ष उर्मिला दर्जी, सचिव जोशना कुमारी, भावना वेगड, पुष्पा,गटु देवी, गुड्डी, लीला, सहित कई छात्राएं उपस्थित रही।

चौखा में राजकीय विद्यालय के भवन का लोकार्पण

जोधपुर, (कासं)। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को जोधपुर जिले में विभिन्न विकासात्मक कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रमों में शिरकत की और सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

मंत्री पटेल ने कालबेलिया कॉलोनी, नयापुरा चौखा में स्व. श्रीमती तारा मूंदड़ा की स्मृति में निर्मित राजकीय प्राथमिक विद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज के समग्र विकास की कुंजी है। यह विद्यालय केवल एक भवन नहीं, बल्कि हमारे भविष्य निर्माताओं के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुविधाजनक वातावरण प्रत्येक विद्यार्थी का अधिकार है, और सरकार इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है।इस विद्यालय भवन के निर्माण में भामाशाह दामोदर दास मूंदड़ा का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिन्होंने 10 कमरे, अंडरग्राउंड, हॉल एवं अन्य भवन संरचनाओं के संपूर्ण निर्माण में आर्थिक सहयोग प्रदान किया। मंत्री पटेल ने भामाशाह दामोदर दास मूंदड़ा का सम्मान किया और कहा कि समाज के समर्पित नागरिकों का यह योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक रहेगा। उन्होंने विद्यालय में शिक्षकों और विद्यार्थियों के साथ संवाद किया और शिक्षा के स्तर को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का शुभारंभ

पटेल ने ग्राम चौखा में नवीन राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ी पूंजी है। इस नवीन स्वास्थ्य केंद्र से ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे स्थानीय लोगों को इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। सरकार प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए कृतसंकल्पित है। उन्होंने चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे इस स्वास्थ्य केंद्र को पूर्ण रूप से क्रियाशील बनाएँ और रोगियों को आवश्यक सुविधाएँ समय पर उपलब्ध कराएं।

मंत्री पटेल ने इन कार्यक्रमों में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि राज्य सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी और आमजन से उनका अधिकतम लाभ उठाने की अपील की।

उन्होंने कहा, हमारी सरकार का लक्ष्य युवाओं के सपनों को साकार कर वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। इस अवसर पर केरू प्रधान श्रीमती अनुश्री पूनिया, त्रिभुवन सिंह भाटी, पंचायत समिति सदस्य विमला सोलंकी, गोविन्द टाक, रावतराम विंजारिया, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती सीमा शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) ओम सिंह राजपुरोहित, जिला चिकित्सा अधिकारी (ग्रामीण) प्रताप सिंह राठौड़, केरू सीबीईओ रामलाल प्रजापत, सहित अधिकारी, जनप्रतिनिधि, शिक्षक, विद्यार्थी सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा के निकट कल्याणपुर कस्बे में मारवाड कोचिंग सेंटर कल्याणपुर के तत्वावधान में आदिवासी सांस्कृतिक एवं स्नेह मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अतिथियों ने एकलव्य, टंटया मामा, वाल्मीकि एवं बाबा साहेब अम्बेडकर की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की । मुख्य अतिथि वरिष्ठ शा. शिक्षक गुलाब सिंह सरवडा ने बताया कि भील समाज आज के समय में कही न कही शिक्षा से वंचित है। उनको शिक्षा के प्रति जागरूक होने का बताया।

वरिष्ठ अतिथि अमानाराम पंचारिया ने बताया कि समाज का विकास शिक्षा से ही संभव है। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुजाराम पटेल ने बताया कि शिक्षा ही उन्नति का प्रतिक है। विशिष्ट अतिथि हुकमाराम प्रजापत नर्सिंग कर्मचारी , नाथाराम सुजाराम देवपाल सरवडी , तथा समाज बन्धु पेमाराम अध्यापक चारलाई खुर्द विकास रूपाराम भंवराराम बीजाराम भीमाराम रमेश चेनाराम सोहन दिनेश पाबुराम चेतानराम देवासी अशोक सेन रहे। मारवाड कोचिंग सेंटर के समस्त विद्यार्थियो द्वारा सांस्कृतिक गतिविधियो की प्रस्तुती दी। साथ ही भामाशाहों द्वारा पुरस्कार वितरित किए तथा संचालक चन्द्राराम राणा आभार ज्ञापित किया।

33 केंद्रों पर परीक्षा हुई

बाड़मेर,(नि.सं.)। बाड़मेर जिले में रविवार को जिला मुख्यालय पर 33 केंद्रों में आरएएस प्रारम्भिक परीक्षा आयोजित हुई। इस दौरान 65.56 फीसदी अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा के आयोजन को लेकर जिला एवं पुलिस प्रशासन की ओर से माकूल इंतजाम किए गए।

कलैक्टर टीना डाबी ने बताया कि बाड़मेर जिले में रविवार को आयोजित आरएएस प्रारम्भिक परीक्षा में कुल 10621 में से 6954 परीक्षार्थी उपस्थित एवं 3657 अनुपस्थित रहे। इधर, अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं नोडल अधिकारी राजेंद्र सिंह चांदावत, यूआईटी सचिव श्रवण सिंह राजावत, उपखंड अधिकारी वीरमाराम, संस्थापन अधिकारी हस्तीमल राठौड़ समेत विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

रविवार सुबह 10 बजे से परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों का प्रवेश शुरू हो गया। पुलिस के जवानों ने मेटल डिटेक्टर से जांच के बाद अभ्यर्थियों को अंदर जाने दिया।

मुझे लगता है कि मैंने इसके लिए कड़ी मेहनत की है और इसका श्रेय उन सभी को जाता है जिन्होंने मेरा समर्थन किया, चाहे वह मेरे कोच हों, स्पॉन्सर हों, परिवार या दोस्त। मेरी इस जीत में हर किसी की भूमिका रही है। – आशी चौकसे

महिला निशानेबाजी, अपने शानदार प्रदर्शन पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

कार्तिक सिंह

अमेच्योर गोल्फ खिलाड़ी कार्तिक सिंह ने शनिवार को 'इंटरनेशनल सीरीज इंडिया' में कट हासिल कर एशियाई टूर स्पर्धा में इस कारनामे को करने वाले उपमहाद्वीप के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गये। पंद्रह साल के कार्तिक ने डीएलएफ गोल्फ और कंट्री क्लब में दूसरे दौर में एक अंडर 71 का कार्ड खेला जिससे उनका कुल स्कोर चार ओवर हो गया। कट स्कोर आठ अंडर था। कार्तिक के लिए यह दूसरा पेशेवर टूर्नामेंट है। इस किशोर खिलाड़ी ने इससे पहले केवल एक एशियाई डेवलपमेंट टूर कार्यक्रम में हिस्सा लिया है।

क्या आप जानते हैं ?... वनडे इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक (16 गेंदों में) एबी डिविलियर्स ने बनाया है, उन्होंने 2014-15 में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी।

राजस्थान - रेलवे अंडर 23 ट्रॉफीः

चेतन शर्मा, मोहित चांगरा की बल्लेबाजी, गेंदबाजों का दमदार प्रदर्शन

जयपुर 2 फरवरी। जयपुर में के एल सैनी स्टेडियम पर राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में बीसीसीआई की राष्ट्रिय अंडर 23 ट्रॉफी के खेले जा रहे राजस्थान – रेलवे मैच के दूसरे दिन राजस्थान के चेतन शर्मा व मोहित चांगरा के शानदार अर्धशतकों के बाद टीम के गेंदबाजों में एक शानदार यूनिट में गेंदबाजी करते हुए दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक रेलवे की पहली पारी को दबाव में लाकर मैच में अपनी पकड़ मजबूत की। राजस्थान पहली पारी 394 आल आउट, पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने अपनी पहली पारी में चेतन शर्मा व मोहित चांगरा के अर्धशतकों की सहायता से 294 रनो का स्कोर बनाया। टीम के लिए चेतन शर्मा 86, मोहित चांगरा 70, मुकुल चौधरी 54, आयुष अमेरिया 42, सचिन यादव 37, सुमित गोदारा 33, अशोक शर्मा 19, करण लाम्बा 13 रनो का योगदान दिया। रेलवे के गेंदबाज एस के बाशा 95/5 विकेट प्राप्त किये। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक रेलवे ने अपनी पहली पारी में 8 विकेट के नुकसान पर 239 रन बना लिए थे। टीम के लिए अशान गोयल 66, लखन मानकास नाबाद 68, अंश यादव 35 रनो का योगदान दिया। राजस्थान के गेंदबाज आयुष अमेरिया 21/3, अशोक शर्मा 67/1, चेतन शर्मा 30/1, राहुल चौधरी 25/1, मोहित चांगरा 64/1, सचिन यादव 24/1 विकेट प्राप्त किये।

हीली डब्ल्यूपीएल 2025 में नहीं खेलेंगी

सिडनी, 2 फरवरी। ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की विकेटकीपर बल्लेबाज एलिसा हीली दाएं पैर में खिंचाव की चोट के कारण आगामी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 में नहीं खेल पाएंगी। उनके भारत में होने एकदिवसीय विश्वकप में खेलने को लेकर भी संशय हैं। हीली ने डब्ल्यूपीएल में न खेलने की पुष्टि करते हुए कहा, दुर्भाग्य से मुझे कुछ महीनों का समय मिला है, इसलिए मैं इससे बेहद निराश हूं। लेकिन साथ ही मैं थोड़ा सा समय पाकर भी खुश हूं और अपने शरीर को ठीक करने का प्रयास करूंगी। शायद 18 महीने मेरे लिए सचमुच बहुत निराशाजनक रहे हैं। आगामी एकदिवसीय विश्वकप को लेकर उन्होंने कहा, आप खेलकर स्वयं को ठीक कर लेते हैं और कुछ गलत हो जाता है। इसलिए मैं बस कुछ चीजों पर ध्यान दे रही हूं कि कैसे मैं बेहतर हो सकती हूं। शायद कुछ क्षेत्रों में थोड़ा और अनुशासित हो सकती हूं तथा यह सुनिश्चित करूंगी कि मैं विशेष रूप से उस एकदिवसीय विश्वकप के लिए ठीक हो जाऊ। सर्दियों में बहुत सी लड़कियों के लिए बहुत अधिक क्रिकेट नहीं होने के कारण यह बहुत बड़ा बोझ होने वाला है। इसलिए बस चीजों को सही करने के लिए प्रबंधन करना है। लेकिन मैं थोड़ी देर के लिए अपने पैर बर्फ की बाल्टी में डालने का इंतजार कर रही हूं।

आशी चौकसे ने निशानेबाजी में बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

देहरादून, 2 फरवरी। मध्य प्रदेश की आशी चौकसे ने 38वें राष्ट्रीय खेल में रविवार को 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन महिला निशानेबाजी स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए 598 स्कोर के साथ नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। आज यहां त्रिशूल शूटिंग रेंज, एमपीएससी में आयोजित इस प्रतियोगिता में आशी चौकसे ने 2023 आईएसएसएफ राष्ट्रीय चैम्पियनशिप (भारत) में सिफ्ट कौर समरा के 594 के रिकॉर्ड को तोड़ा। आशी चौकसे ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा, मुझे लगता है कि मैंने इसके लिए कड़ी मेहनत की है और इसका श्रेय उन सभी को जाता है जिन्होंने मेरा समर्थन किया, चाहे वह मेरे कोच हों, स्पॉन्सर हों, परिवार या दोस्त। मेरी इस जीत में हर किसी की भूमिका रही है। मेरे लिए यह गर्व का क्षण है, विशेषकर इसलिए क्योंकि मेरे खेल में पहले कोई नहीं था और आज मैंने यह उपलब्धि हासिल की है।

वुशू प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश ने जीते चार स्वर्ण

लखनऊ, 2 फरवरी। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तर प्रदेश के लिए तब सुपर शनिवार बन गया जब वुशू खिलाड़ियों ने चार स्वर्ण पदक अपने नाम किए। देहरादून में हुई वुशू की स्पर्धाओं में शनिवार को सूरज यादव, अभिषेक तंवर, प्रेरणा व श्रुति ने स्वर्णिम सफलता हासिल कर उत्तर प्रदेश को गौरवान्वित किया। इसी के साथ भानू सिंह ने रजत पदक जीता जबकि दो खिलाड़ियों को कांस्य पदक मिले। उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने शनिवार को 4 स्वर्ण, 1 रजत व 2 कांस्य पदक जीत लिए है। इसी के साथ उत्तर प्रदेश अब तक राष्ट्रीय खेलों में 4 स्वर्ण, 2 रजत व 4 कांस्य सहित कुल 10 पदक अपने नाम कर चुका है। वूशु के सांडा इवेंट में पुरुष 70 किग्रा भार वर्ग में वाराणसी के सूरज यादव ने एवं गौतमबुद्ध नगर के अभिषेक तंवर ने 90 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। सांडा इवेंट के महिला वर्ग में यूपी पुलिस की प्रेरणा ने 60 किग्रा भार वर्ग एवं यूपी पुलिस की ही श्रुति सरवैया ने 70 किग्रा भार वर्ग में स्वर्णिम सफलता हासिल की। आगरा के भानू सिंह ने ताउलू वर्ग के अंतर्गत चियांगशु में रजत पदक जीता। सांडा इवेंट के महिला वर्ग में 52 किग्रा में मनीषा भाटी व 70 किग्रा में शिवानी को कांस्य पदक मिले।

सीएम भजनलाल शर्मा ने मैराथन को दिखाई हरी झंडी

भारत सहित 25 देशों के धावक जयपुर की सड़कों पर दौड़े

// स्वास्थ्य के महाकुंभ एयू जयपुर मैराथन में 1 लाख लोगों ने हिस्सा लिया //

3500 से अधिक विदेशी धावकों ने भी लिया भाग, मैराथन में फिर बने दो विश्व रिकॉर्ड

जयपुर, 2 फरवरी। हौसला हो बुलंद अगर, तो कदमों में जहां होता है... कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला जयपुर के जेएनएल मार्ग पर, जहां सूरज की पहली किरण निकलने से पहले सर्द रात और ठंडी सड़कों पर हजारों की संख्यों में धावक अपने हाथों में ग्लो बैंड बांधे अपने हौसले को परवान चढ़ाते हुए नजर आए। मौका रहा 16वीं एयू जयपुर मैराथन में, जहां रविवार को एक लाख से अधिक रनर्स एक दूसरे से आगे निकलने के लिए कशमकश करते हुए दिखे। मारवाड़ी ढोल नगाडों की थाप के बीच सुबह 3 बजे सु शुरू हुई मैराथन में डे/नाईट मैराथन का सर्द अहसास देखने को मिला।

इस अवसर पर राजस्थान के सीएम भजन लाल शर्मा ने धावकों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि, इस तरह के कार्यक्रम बहुत जरूरी हैं, अगर शरीर स्वस्थ रहेगा तो मन भी स्वस्थ रहेगा। राजस्थान शक्ति और भक्ति का प्रदेश है। हमारी सरकार ने सत्ता में आते ही महाराणा प्रताप खेल विश्वविद्यालय खोला है। इसके अलावा हम 5 साल में 4 लाख सरकारी नौकरियां देंगे और अगले साल हम यहां खेलो इंडिया का आयोजन करेंगे। हम सब मिलकर राजस्थान को आगे ले जाएंगे।

आयोजक पं.सुरेश मिश्रा ने मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद और फिटनेस के क्षेत्र में उनके समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी स्वयं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हैं और प्रदेश की जनता को भी समय समय पर खेल और फिटनेस के लिए प्रोत्साहित करते

हैं और स्वस्थ रहने का सन्देश देते हैं। आज का दिन हमारे लिए उत्सव का दिन है, पहली बार 25 देशों के धावक हमारे मैराथन में दौड़ने आये हैं।

इस दौरान एयू जयपुर मैराथन के आयोजक पं.सुरेश मिश्रा व नीलम मिश्रा के साथ, वर्ल्ड ट्रेड पार्क के चेयरमैन अनूप बरतरिया, निदेशक एयू स्माल फाइनेंस बैंक ज्योति संजय अग्रवाल, एयू स्माल फाइनेंस बैंक के डिप्टी सीईओ उत्तम टिबरेवाल , मेनेजिंग डायरेक्टर एंड सीईओ आवास फाइनेंस सचिंदर भिंडर, चेयरमैन आईएनए सोलर मनीष गुप्ता, मैनेजिग डायरेक्टर एंड सीईओ आईएनए सोलर विकास जैन, जीवन रेखा सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. नीरज अग्रवाल, विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी के सीईओ ओंकार बागरिया, बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेज से राजीव बियानी एवं संजय बियानी, जयपुर रनर्स क्लब के अध्यक्ष प्रवीण तिजारिया, मैराथन के सीईओ मुकेश मिश्रा, आयोजन सचिव योगेश मिश्रा, रेस डायरेक्टर रवि गोयनका, उप महापौर पुनीत कर्णावट सहित अन्य सम्मानीयजन उपस्थित रहे। वर्ल्ड ट्रेड पार्क और संस्कृति युवा संस्था द्वारा एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के सहयोग, पावर्ड बाय आवास फाइनेंस व को-पावर्ड बाय आईएनए सोलर से आयोजित होने वाली 16वीं एयू जयपुर मैराथन में दुनियाभर के 25 देशों के धावकों ने भाग लिया। फिमेल केटेगिरी में सीमा और मेल केटेगिरी में मानव शर्मा ने फुल मैराथन अपने नाम की। इस दौरान दो विश्व रिकॉर्ड भी बने। मैराथन में दिव्यांग एवं बुजुर्ग प्रतिभागियों, 100 से ज्यादा ब्यूरोक्रेट्स सहित कई ग्रुप्स ने भी भाग लिया।

नेहा भसीन ने किया स्वैग से स्वागत : सिंगर नेहा भसीन ने अपने चिर परिचित अंदाज में स्वैग से करेंगे स्वागत.. सॉन्ग गाकर धावकों का मानों स्वागत सा किया हो। इसके बाद नेहा ने धुनकी और जग घुमया थारे जैसा न कोई गाकर रनर्स को मोटिवेट किया।

सुबह 3 बजे रवाना हुई फुल मैराथन : सुबह 3:00 बजे फुल मैराथन (42 किमी) शुरू हुई, जिसमें दो हजार से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय धावकों ने दौड़ लगाई। धावक अल्बर्ट हॉल साउथ गेट से होते हुए त्रिमूर्ति सर्किल, बिडला मंदिर, मालवीय नगर पुलिया से बाएं मुड़कर अपैक्स सर्किल से यू टर्न लेकर मालवीय नगर पुलिया होते हुए, वर्ल्ड ट्रेड पार्क, जवाहर सर्किल, बजाज नगर से बाएं मुड़कर टोंक रोड पुलिया अंडरपास से मुड़कर जवाहर कला केंद्र से होते हुए अल्बर्ट हॉल पर पहुंचे। इसके बाद हाफ मैराथन (21 किमी) सुबह 5:00 बजे और सुबह 7:00 बजे आवास ग्रीन रन (10 किमी) शुरू हुई।

आईएनए टाइम रन (5 किमी) और ड्रीम रन (6 किमी) को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सीएम मंच से हाथ हिलाकर रनर्स का उत्साहवर्धन करते हुए नजर आए। ड्रीम रन में 60 हजार से अधिक धावकों ने दौड़ लगाई। दौड़ बदलाव की, दौड़ जीत की टैग लाइन को सार्थक करते हुए एयू जयपुर मैराथन विश्व रिकॉर्ड का पर्याय बनती जा रही है। अब तक हुई 16 मैराथन में 20 विश्व रिकॉर्ड बन चुके हैं। पिछली बार की तरह इस बार भी दो विश्व रिकॉर्ड बने। ओम मंत्रोच्चार करके ओम टी शर्ट पहनकर इस बार 14,000 से अधिक धावक भी मैराथन का हिस्सा बने। इस दौरान पिछले रिकॉर्ड (12,397) को ब्रेक करते हुए हुए नया विश्व रिकॉर्ड बना। इसमें विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी के छात्रों एवं स्टाफ ने भाग लिया। एक जैसी ड्रेस में मैराथन और पगड़ी पहनकर रन जैसे कई विश्व रिकॉर्ड पहले ही बन चुके हैं। इस बार बसंती थीम को ध्यान में रखते हुए 10 हजार से अधिक महिला धावकों ने एक साथ पीला दुपट्टा पहनकर दौड़ लगाई। और वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। इसमें बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेज, फिक्की फ्लो, फोर्टी और ईकोरैप की फिमेल धावकों ने भाग लिया।

सालाह के दो गोल से लीवरपूल ने बोर्नेमाउथ को हराया

लंदन, 2 फरवरी। मोहम्मद सालाह के दो गोल की मदद से लीवरपूल ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल में शनिवार को यहां बोर्नेमाउथ को 2-0 से हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर अपनी बढ़त नौ अंक की कर

■ नॉटिंघम फॉरेस्ट 7-0 से जीता

ली। बोर्नेमाउथ के खिलाफ सालाह ने 30वें मिनट में पेनल्टी पर गोल दागने के बाद 75वें मिनट में एक और गोल किया। सालाह प्रीमियर लीग में अब 178 गोल के साथ चेल्सी के महान खिलाड़ी फ्रैंक लैम्पर्ड को पछाड़कर सर्वाधिक गोल करने वालों की सर्वकालिक सूची में छठे स्थान पर पहुंच गए हैं।

मिस्त्र के इस फॉरवर्ड ने लीवरपूल के साथ अपने संभवतः आखिरी प्रीमियर लीग अभियान में अब तक 21 गोल किए हैं। लीवरपूल के साथ उनका अनुबंध इस सत्र के अंत में समाप्त हो रहा है। यह पांचवीं बार है जब उन्होंने क्लब के लिए एक ही सत्र में 20 या उससे अधिक लीग गोल किए हैं। इस जीत के साथ लीवरपूल के 23 मैच में 56 अंक हो गए हैं।

आर्सेनल की टीम 23 मैच में 47 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। इस हार के साथ बोर्नेमाउथ का प्रीमियर लीग में 11 मैच से अजेय रहने का क्रम भी थम गया। टीम 24 मैच में 40 अंक के साथ सातवें स्थान पर है। अन्य मुकाबलों में नॉटिंघम फॉरेस्ट ने ब्राइटन पर 7-0 की एकतरफा जीत दर्ज की जबकि एवर्टन ने भी लीसेस्टर सिटी के खिलाफ 4-0 की आसान जीत हासिल की। न्यूकासल यूनाईटेड को फुलहम के खिलाफ 1-2 से शिकस्त झेलनी पड़ी जबकि वोल्वरहैम्पटन ने एस्टन विला को 2-0 से हराया।

ब्रदर्स यूनाइटेड कल्ब ने जयपुर फुटबॉल को 7:1 से रौंदा

जयपुर, 2 फरवरी। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान में सुबोध स्कूल में जारी आर लीग यूथ अंडर-13 फुटबॉल प्रतियोगिता में को पांच मैच खेले गए। चैंपियन मेकर्स और जयपुर यूनाइटेड एफ सी मैच में दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया व निर्धारित समय तक 2- 1 से मैच चैंपियन मेकर्स अजमेर ने जीत हासिल की। दूसरा मैच रॉयल फुटबाल क्लब जयपुर और रियान फुटबाल क्लब अजमेर के बीच खेला गया जिसमें रॉयल क्लब ने मैच 3:0 से जीत लिया तीसरे मैच में ब्रदर्स यूनाइटेड कल्ब जयपुर ने जयपुर फुटसाल फुटबाल क्लब को 7:1 के बड़े अन्तर से पराजीत किया। चौथे मैच में राजस्थान फुटबॉल स्कूल ने जयपुर ब्वॉयज ओर गर्ल्स के मध्य खेला गया जिसमें राजस्थान फुटबाल स्कूल ने 5:0 एक बड़े अन्तर से पराजीत किया। अंतिम मैच में जयपुर एलिट फुटबॉल क्लब ने ए एस एल जयपुर 6:0 से हराया। संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि 19 जनवरी से शुरू हुई आर लीग 2 महीने तक चलेगी। कुल 90 मैच खेले जाएंगे।

ईस्टर्न केप ने 28वें मैच में पार्ल रॉयल्स को 48 रन से हराया

नई दिल्ली, 2 फरवरी। सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने शनिवार को खेले गए एसए20 के 28वें मैच में पार्ल रॉयल्स को 48 रन से हरा दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ईस्टर्न केप ने 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 148 रन बनाए। जवाब में पार्ल रॉयल्स 18.2 ओवर में 100 रन पर सिमट गई।

जॉर्डन हरमन ने 38 बॉल पर 53 रन बनाए ईस्टर्न केप ने 148 रन का स्कोर खड़ा किया। टीम के लिए जॉर्डन हरमन ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 38 बॉल पर 53 रन की पारी खेली। उनके अलावा ट्रिस्टन स्टब्स ने 43 रन का अहम योगदान दिया। पार्ल रॉयल्स के लिए ब्योर्न फोर्टुइन, मिचेल ओवेन और ईशान मलिंगा ने 2-2 विकेट लिए। दुनिथ वेल्लालेज को एक विकेट मिला।

रॉयल्स के 8 खिलाड़ी दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके 149 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पार्ल रॉयल्स के लिए रुबिन हरमन ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए।एंडिले फेहलुकवायो ने 22 और मुजीब उर रहमान ने 11 रन बनाए। इन तीन खिलाड़ियों के अलावा टीम का कोई और बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। ईस्टर्न केप के लिए मार्कर यानसन और क्रेग ओवरटन ने 3-3 विकेट झटके। ऐडन मार्करम ने 2 विकेट लिए। लियाम डावसन और रिचर्ड ग्लीसन को 1-1 विकेट मिला।

टूर्नामेंट के प्लेऑफ तीन स्थानों पर होंगे ग्रुप स्टेज के बाद टॉप-2 टीमें क्वालिफायर-1 खेलेंगी। इस मैच को जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी। यह मुकाबला सेंट जॉर्ज पार्क में खेला जाएगा। तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों के बीच एलिमिनेटर मुकाबला होगा। इस एलिमिनेटर मुकाबले को जीतने वाली टीम क्वालिफायर-1 में हारने वाली टीम से क्वालिफायर-2 में भिड़ेगी। यह दोनों मैच सेंचुरियन में खेले जाएंगे।

20 के शुरुआती दोनों सीजन सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने जीते इस लीग के शुरुआती दोनों सीजन ऐडन मार्करम की कप्तानी वाली सनराइजर्स ईस्टर्न केप की टीम ने जीते हैं। पहले सीजन में ईस्टर्न केप ने प्रिटोरिया कैपिटल्स को हराकर खिताब जीता था।

अश्विन ने कनकशन विवाद पर कहा, पूरी तरह से क्रिकेट संबंधित गलत आकलन

नयी दिल्ली, 2 फरवरी। भारत के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान 'कनकशन सब्स्टीट्यूशन' के इस्तेमाल पर सवाल उठाते हुए इसे पूरी तरह से क्रिकेट संबंधित गलत आकलन करार दिया जिसमें मध्यम गति के गेंदबाज हर्षित राणा ने बल्लेबाजी ऑलराउंडर शिवम दुबे की जगह ली थी। दुबे ने मैच के दौरान अर्धशतक बनाया था और भारत की पारी के अंतिम ओवर की पांचवीं गेंद उनके सिर पर लग गई। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने 'कनकशन प्रोटोकॉल का उपयोग करते हुए दुबे की जगह राणा को मैदान पर उतार दिया जो 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं।

राणा ने अपने पदार्पण मैच में 33 रन देकर तीन विकेट झटक लिए जिससे भारत ने मैच 15 रन से जीत लिया। इस तरह भारत ने एक मैच रहते ही टी20 श्रृंखला अपने नाम कर ली। अश्विन ने अपने हिंदी यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर कहा, "खेल खत्म हो गया है। भारत ने घरेलू मैदान पर एक और श्रृंखला अपने नाम कर ली। टी20 अंतरराष्ट्रीय में जीत का सिलसिला वाकई शानदार रहा। लेकिन मेरा पहला सवाल यह है कि क्या हम भूल गए कि यह एक अंतरराष्ट्रीय मैच था या फिर हमने आईपीएल मैच खेला? "

उन्होंने कहा, "क्योंकि आज सारी चर्चा इस बात पर थी कि हर्षित राणा किस तरह शिवम दुबे के 'कनकशन सब्स्टीट्यूट' बन गए? मैं समझ सकता हूं कि ऐसा पहले भी हुआ है। कैनबरा में युजवेंद्र चहल ने रविंद्र जडेजा की जगह ली।" अश्विन ने कहा, "आप इसे 'पोएटिक जस्टिस' बल्कि 'पोएटिक इनजस्टिस' कह सकते हैं।

मुझे यह समझ में नहीं आ रहा। कम से कम पहले तो स्पिनर चहल ने स्पिनर जडेजा की जगह ली थी। यहां हर्षित राणा ऑलराउंडर शिवम दुबे की जगह कैसे ले सकते हैं। " 'कनकशन प्रोटोकॉल' के अंतर्गत एक खिलाड़ी की जगह उसकी तरह के खिलाड़ी को ही शामिल करने की अनुमति है और राणा तो एक तेज गेंदबाज हैं।

उन्होंने मध्यम गति के गेंदबाज दुबे की जगह ली जिन्हें आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए 'इम्पैक्ट खिलाड़ी' के तौर पर इस्तेमाल किया गया। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर इस फैसले से नाखुश हैं। उन्होंने कहा कि उनकी टीम से सलाह नहीं ली गई और वह मैच रेफरी जवागल श्रीनाथ से स्पष्टता मांगेंगे कि कनकशन के मामलों में समान प्रतिस्थापन क्या होता है। अश्विन का मानना है कि दुबे के लिए समान प्रतिस्थापन खिलाड़ी के लिए रमनदीप सिंह अधिक उपयुक्त होते। उन्होंने कहा, "भारतीय या इंग्लैंड टीम की इसमें कोई भूमिका नहीं है।

जयपुर पोलो सीजन 2025 : अभिमन्यू पाठक की तिकडी समेत 4 गोलो की बदौलत

डायनेमिक्स अचीवर्स ने जीता राजस्थान टूरिज्म पोलो कप

जयपुर, 2 फरवरी। राजस्थान पोलो क्लब के ग्राउंड पर रविवार को राजस्थान टूरिज्म पोलो कप (06) का फाइनल खेला गया। यह मुकाबला डायनेमिक्स अचीवर्स और डेल्टा पोलो के बीच आयोजित हुआ। डायनेमिक्स अचीवर्स ने 5-4 के स्कोर से डेल्टा पोलो को हराकर कप जीत लिया। इस अवसर पर एडिशनल डायरेक्टर, टूरिज्म, आनंद त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। विजेता टीम डायनेमिक्स अचीवर्स के लिए आज फिर अभिमन्यू पाठक ने तिकडी समेत 4 गोल कर साबित किया कि उनके खेलने का अंदाज़ ओरों से अलग है और डेनियल ओटामेंडी ने 1 गोल किया। टीम से आर्यमान सिंह और सलीम आजमी भी खेले। वहीं, टीम डेल्टा पोलो से सैंटियागो मारम्बियो ने 2 गोल, ध्रुव पाल गोदारा और रणवीर सिंह सहारन ने 1-1 गोल किया। टीम से अक्षय मलिक भी खेले।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिल्ली में शकूर बस्ती तथा त्रिनगर विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने दिल्ली के प्रदूषण, ट्रैफिक जाम तथा पेयजल संकट जैसे मुद्दों पर आम आदमी पार्टी की सरकार को घेरा।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने दिल्ली में शकूर बस्ती व त्रिनगर में चुनाव सभायें कीं

उन्होंने दिल्ली की आप सरकार पर आरोप लगाये व उनके भ्रष्टाचारों की लंबी लिस्ट गिनाई

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि केजरीवाल बँगला नहीं लेने का दावा करते थे, पर, एक बँगले से उनका मन नहीं भरा और कई बँगले तोड़कर अपने लिये शीश महल बनाया।**
- **उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति से देश को लूटा, दिल्ली में केजरीवाल एंड पार्टी ने उससे भी ज्यादा लूट-खसोट की।**

दिल्ली/जयपुर, 2 फरवरी। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए जनसभाओं का सिलसिला जारी है।

उन्होंने रविवार को शकूर बस्ती तथा त्रिनगर विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित जनसभाओं में दिल्ली की आप सरकार पर हमला बोलते हुए उनके भ्रष्टाचारों की लंबी फेहरिस्त गिनाई। शर्मा ने दिल्ली के प्रदूषण, ट्रैफिक जाम तथा पेयजल संकट जैसे मुद्दों पर आम आदमी पार्टी की सरकार को घेरा। उन्होंने कांग्रेस पर भी करारा हमला करते हुए उनके भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति की कड़ी आलोचना की।

जनसभाओं में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि अन्ना हजारे के आंदोलन के दौरान केजरीवाल भ्रष्टाचार मिटाने की बात करते थे, लेकिन सत्ता में आते ही आकंठ भ्रष्टाचार में डूब गए। वे हवाई चप्पल पहनकर तथा मारूति गाड़ी में सवारी कर सादगी का ढोंग करते थे। साथ ही, बंगला नहीं लेने का दावा भी करते थे, लेकिन एक बंगले से भी इनका मन नहीं भरा और कई बंगले तुड़वाकर अपने लिए शीशमहल बनवाया। शर्मा ने कहा कि झूठ बोलने के मामले में केजरीवाल कांग्रेस पार्टी से भी दो कदम आगे निकल गए हैं। कांग्रेस ने तो अपने भ्रष्टाचार तथा तुष्टीकरण की राजनीति से देश को लूटा ही, दिल्ली में केजरीवाल एंड पार्टी ने उससे भी ज्यादा लूट-खसोट की। क्लासरूम बनाने के नाम पर 1 हजार 300 करोड़ रूपये का घोटाला, स्वास्थ्य क्षेत्र में 65 हजार फर्जी लैब परीक्षण कर 300 करोड़ रूपये का घोटाला तथा बस खरीद घोटाला, दिल्ली जल बोर्ड घोटाला जैसे बड़े-बड़े घोटाले कर दिल्ली की जनता को लूटा। शराब घोटाले में तो इनके तत्कालीन मुख्यमंत्री को भी जेल हुई।

शर्मा ने केन्द्र सरकार एवं भाजपा शासित राज्यों के विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में देश में आया बदलाव हम सब ने देखा है, क्योंकि प्रधानमंत्री जो कहते हैं वो करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में पेश हुए केंद्रीय बजट 2025-26 के माध्यम से प्रधानमंत्री जी ने देश की जनता को कई सौगातें दी है। जो नए उद्यमी बनना चाहते हैं, उनको बिना गारंटी 2 करोड़ रूपए तक के ऋण की योजना लाई गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 5 फरवरी को कमल के निशान पर बटन दबाकर दिल्ली को एक नया भविष्य दें तथा शकूर बस्ती विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार करनैल सिंह तथा त्रिनगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार तिलक राम गुप्ता जैसे सेवाभावी प्रत्याशियों को भारी बहुमत से विजयी बनाकर दिल्ली के सर्वांगीण विकास में अपनी भागीदारी निभाएं।

केजरीवाल ने कार्यकर्ताओं की सुरक्षा के लिये चुनाव आयोग को पत्र लिखा

नई दिल्ली, 02 फरवरी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मुख्य चुनाव आयुक्त को चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हुए कई हमलों का जिक्र किया है। केजरीवाल ने मुख्य चुनाव आयुक्त के सामने कई मांगे रखी हैं।

- **पत्र में केजरीवाल ने इंडीपेंडेंट इलैक्शन आब्ज़र्वर लगाने व जिम्मेदार पुलिस वालों को सस्पैन्ड करने की मांग की।**

केजरीवाल ने चिट्ठी में मांग की गई है कि नई दिल्ली विधानसभा में इंडिपेंडेंट इलेक्शन आब्ज़र्वर नियुक्त किए जाएं। चुनाव आयोग आप वॉलेंटियर्स की सुरक्षा सुनिश्चित करे। ऐसी घटनाओं के लिए जिम्मेदार पुलिस वालें तुरंत सस्पेंड किया जाए। हमला करने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं को तुरंत गिरफ्तार किया जाए।

दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच बयानबाजी तेज है।

महाकुंभ हादसे पर जनहित याचिका की सुनवाई आज

श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर दायर याचिका की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश व जस्टिस संजय कुमार की बैंच करेगी

- **जनहित याचिका में केन्द्र व सभी राज्यों को पक्षकार बनाया गया है और महाकुंभ में श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित माहौल बनाने के लिये सामूहिक रूप से काम करने के निर्देश देने की मांग की गई है।**

नई दिल्ली, 02 फरवरी। प्रयागराज महाकुंभ में हुए हादसे को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट के मुताबिक इस जनहित याचिका को तीन फरवरी के लिए सूचीबद्ध किया गया है। याचिका में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए दिशा-निर्देश देने और नियमों का पालन कराने की मांग की गई है। महाकुंभ में 29 जनवरी को मची भगदड़ में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई थी और 60 अन्य घायल हो गए थे।

सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड की गई वाद सूची के मुताबिक याचिकाकर्ता अधिवक्ता विशाल तिवारी की ओर से महाकुंभ हादसे को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर तीन फरवरी को मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ सुनवाई करेगी।

अधिवक्ता विशाल तिवारी की ओर से दाखिल जनहित याचिका में केंद्र और सभी राज्यों को पक्षकार बनाया गया है तथा मांग की गई है कि सभी राज्यों को सुरक्षा संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने और आपात स्थिति में अपने निवासियों की सहायता के लिए प्रयागराज में सुविधा केंद्र स्थापित करने चाहिए। याचिता में श्रद्धालुओं की मदद के लिए कई भाषाओं में साइनेज लगाने और घोषणाएं करने की मांग की गई है।

याचिका में कहा गया है कि सभी राज्यों को महाकुंभ में अपने सुविधा केंद्र स्थापित करने चाहिए। ये केंद्र अपने राज्यों से आने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर काम करें। आपात स्थिति में केंद्र किसी भी सहायता के लिए तैयार रहें। वहीं लोगों को सुरक्षा प्रोटोकॉल के बारे में एसएमएस और व्हाट्सएप के जरिये जानकारी दी जानी चाहिए।

जनहित याचिका में उत्तर प्रदेश सरकार को 29 जनवरी को महाकुंभ के दौरान हुई घटना पर स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने और लापरवाही बरतने वाले व्यक्तियों, अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने का निर्देश देने की भी मांग की गई है।

पाटिल ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री के सहालकार का पद छोड़ा

बी.आर. पाटिल वरिष्ठ कांग्रेस विधायक हैं। वे कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे तथा मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नज़दीक माने जाते हैं

- **कर्नाटक के वरिष्ठ कांग्रेस विधायक बी. आर. पाटिल ने यह सुनिश्चित किया कि वह विधायक के रूप में अपनी सेवाएं जारी रखेंगे।**

बेंगलुरु/कलाबुर्गी, 02 फरवरी। कर्नाटक के वरिष्ठ कांग्रेस विधायक बी. आर. पाटिल ने मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के राजनीतिक सलाहकार पद से इस्तीफा दे दिया है, जिससे पार्टी में नई हलचल पैदा हो गई है।

पाटिल ने अपने इस्तीफे का कोई विशेष कारण बताए बिना मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार पद से इस्तीफा दे दिया। हालांकि, उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि वह विधायक के रूप में अपनी सेवाएं जारी रखेंगे।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, मैंने मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार पद से इस्तीफा दे दिया है। मेरा इस्तीफा पहले ही मुख्यमंत्री को सौंपा जा चुका है। हालांकि, मैं विधायक के रूप में काम करता रहूंगा और मुझे किसी आधिकारिक पद की आवश्यकता नहीं है।

उनका यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब कांग्रेस पार्टी में नेतृत्व को लेकर असंतोष बढ़ रहा है और मंत्री पदों के आवंटन पर सवाल उठ रहे हैं।

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कर्नाटक मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा,मुझे नहीं पता कि उन्होंने क्यों इस्तीफा दिया।

वह खड़गे साहब और मुख्यमंत्री सिद्दारमैया दोनों के बहुत करीबी सहयोगी हैं।

खड़गे ने कहा,इसलिए, मुझे यकीन है कि उन्होंने जो भी किया है, उसके पीछे कुछ कारण होंगे।

मुझे पूरी जानकारी नहीं है। न तो मैंने और न ही मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने उनका इस्तीफा पत्र देखा है। तो मैं मीडिया से अनुरोध करता हूं कि जब तक इस्तीफा पत्र सार्वजनिक नहीं होता, कृपया अपनी कहानियां बनाने की कोशिश न करें।

श्रद्धालुओं से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे के तुरंत बाद वहां चीख-पुकार मच गई। आस-पास के लोग तुरंत घायलों की मदद के लिए पहुंचे। पुलिस को भी सूचना दी गई। हादसे का शिकार हुए सभी यात्री मध्य प्रदेश के हैं।

गाज़ा पट्टी में इज़रायली हमलों से मरने वालों की संख्या 47,487 हुई

गाजा, 02 फरवरी। गाज़ा की नागरिक सुरक्षा ने फिलिस्तीनी क्षेत्र में गंभीर मानवीय स्थितियों की चेतावनी देते हुए शनिवार को कहा कि उसने गाज़ा पट्टी से 64 शव बरामद किए। एक प्रेस बयान में नागरिक सुरक्षा ने घोषणा की कि उत्तरी गाज़ा से 37 शव बरामद किए गए हैं।

बयान के अनुसार इजरायली बलों ने कमल अदवान अस्पताल के आसपास विभिन्न दफन स्थलों से शवों को स्थानांतरित करने के लिए बुलडोजर का इस्तेमाल किया था, उन्हें खुले इलाकों में इकट्ठा किया था। नागरिक सुरक्षा टीमों ने बाद में उन्हें बीट लाहिया कब्रिस्तान में फिर से दफना दिया। इस बीच गाजा स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि पिछले 24 घंटों में 27 शव अस्पतालों में पहुंचे।

स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार सात अक्टूबर 2023 से अब तक इजरायली हमले में मरने वालों की कुल संख्या 47,487 हो गयी है, जबकि 111,588 लोग घायल हुये हैं। अधिकारियों ने कहा कि कई पीड़ित मलबे के नीचे और सड़कों पर फंसे रहे जहां आपातकालीन और नागरिक सुरक्षा दल उन तक पहुंचने में असमर्थ थे। एक अलग बयान में नागरिक सुरक्षा ने चेतावनी दी कि गाजा निवासी बेहद गंभीर मानवीय संकट का सामना कर रहे हैं एवं हजारों लोग बिना आश्रय या जीवित रहने की आवश्यकताओं के बेघर हो गए हैं।

- **गाज़ा की नागरिक सुरक्षा ने कहा, हजारों लोग बेघर हैं और मुश्किल से जीवनयापन कर रहे हैं।**

बयान में कहा गया है कि इस क्षेत्र में कई तूफान आने की आशंका है जिससे टेंटों और संरचनात्मक रूप से असुरक्षित इमारतों में रहने वाले हजारों लोगों के लिए गंभीर खतरा पैदा हो जाएगा।

इसके अलावा बड़ी मात्रा में गैर-विस्फोटित आयुध और इज़रायली सैन्य अभियानों के अन्य अवशेष सड़कों पर और नष्ट हुए घरों और इमारतों के मलबे के नीचे बिखरे हुए हैं, जिससे नागरिकों को खतरा हो रहा है। नागरिक सुरक्षा ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय और मानवाधिकार संगठनों से बहुत देर होने से पहले लोगों की जान बचाने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया।

'किसानों को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दी जा चुकी है और अगले कुछ माह में यह संख्या 1 लाख तक पहुंच जाएगी।

साथ ही हमने लगभग 81 हजार पदों के लिए भर्ती कैलेण्डर जारी करते हुए परीक्षा के आयोजन और परिणाम की तिथि भी तय कर दी है।

कार्यक्रम में विधायक करौली दर्शन सिंह गुर्जर, सपोटरा हंसराज मीना, विधायक प्रताप सिंह सिंघवी, पूर्व विधायक राजकुमारी जाटव, पूर्व विधायक मान सिंह गुर्जर, लोकसभा प्रत्याशी इंदु देवी जाटव, टोडाभीम प्रत्याशी रामनिवास मीणा सहित जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी बड़ी संख्या में किसान एवं आमजन उपस्थित थे।

'अयोध्या में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुई, उसे सुनकर किसी भी इंसान की रूह कांप जाए। ऐसी क्रूर घटनाएं समूची मानवता को शर्मसार करती हैं। बच्ची तीन दिन से गायब थी लेकिन पुलिस ने कुछ नहीं किया। भाजपा के जंगलराज में दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और गरीबों की चीख कोई सुनने वाला नहीं है। यूपी सरकार दलितों पर अत्याचार का पर्याय बन गई है। मेरी मांग है कि अत्याचार करने वाले दोषियों के साथ-साथ जिम्मेदार पुलिसकर्मियों और अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो।

इज़रायली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में युद्धविराम पर हमास के साथ समझौते के दूसरे चरण पर बातचीत शुरू करने के लिए मध्य पूर्व के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ़ के साथ सहमति व्यक्त की थी।

इस प्रकार, समझौते के पहले चरण के कार्यान्वयन के 16वें दिन इज़रायल दो सप्ताह में फिलिस्तीनी एन्क्लेव से 18 बंधकों को वापस करने में कामयाब रहा।

यह बातचीत इज़रायल को दो हजार पाउंड के भारी बमों की आपूर्ति पर अमेरिकी प्रतिबंध हटाने के ट्रंप के हालिया फैसले की पृष्ठभूमि में होगी।

छत्तीसगढ़ में 25 किलो आईईडी निष्क्रिय किया

माओवादियों ने उसूर-आवापल्ली मुख्य मार्ग पर धान मंडी के पास 25 किलो आईईडी प्लांट किया था

- **सुरक्षा बलों ने डीमांइनिंग के दौरान सड़क के बीचों-बीच प्लास्टिक कन्टेनर में लगाये गये आईईडी को केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस की बीडी टीम के साथ मिलकर सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर जेसीबी की सहायता से बाहर निकाला।**

बीजापुर, 02 फरवरी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के उसूर-आवापल्ली मार्ग में नक्सलियों द्वारा धान मंडी के पास मार्ग में लगाए गए लगभग 25 किग्रा का आईईडी सुरक्षा बलों ने डिटेक्ट किया और निष्क्रिय कर दिया।

उसूर और केरिपु 196 वाहिनी की टीम उसूर-आवापल्ली सड़क मार्ग पर डीमाईनिंग ड्यूटी हेतु निकली थी।उसूर-आवापल्ली मार्ग में बीडीएस टीम ने धान मंडी के पास मार्ग में माओवादियों द्वारा लगाए लगभग 25 किग्रा का आईईडी डिटेक्ट किया। बीजापुर पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव ने बताया कि माओवादियों द्वारा उसूर-आवापल्ली मुख्यमार्ग पर आईईडी प्लांट किया गया था। डीमाईनिंग के दौरान सतर्कता पूर्वक जांच कर सड़क के बीचों बीच प्लास्टिक कन्टेनर में लगाये गये आईईडी को बरामद किया गया। 196 केरिपु के बीडी टीम द्वारा सुरक्षित रूप से आईईडी को निष्क्रिय कर जेसीबी की मदद से बाहर निकाला गया।

माओवादियों द्वारा बड़े वाहनों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से कमांड स्विच सिस्टम से आईईडी मुख्यमार्ग पर प्लास्टिक कन्टेनर में प्लांट किया गया था। माओवादियों द्वारा लगाये गये आईईडी से आम जनता को नुकसान हो सकता था। सुरक्षा बलों को क्षति पहुंचाने की नीयत से आम जनता की जान की परवाह किये बगैर इस प्रकार मुख्यमार्ग पर आईईडी प्लांट करना माओवादियों की बौखलाहट एवं तिलमिलाहट को दर्शाता है।

कश्मीर घाटी में हल्की बरसात, गुलमर्ग-पहलगाम में बर्फ गिरी

श्रीनगर, 02 फरवरी। जम्मू-कश्मीर के मैदानी इलाकों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है, जबकि गुलमर्ग और पहलगाम जैसे पर्यटन स्थलों सहित कुछ ऊंचे इलाकों में हल्की बर्फबारी हुई। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर और घाटी के अन्य हिस्सों में शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात को रुक-रुक कर हल्की बारिश हुई। जम्मू के कुछ हिस्सों में भी रात भर हल्की बारिश हुई।

मौसम विभाग श्रीनगर ने बताया कि इस दौरान उत्तरी कश्मीर के बारामुल्ला जिले के स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग में 5.1 सेमी , पहलगाम में 2.8 सेमी और कुपवाड़ा में 2.5 सेमी बर्फबारी हुई। दक्षिण कश्मीर में पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला सहित कश्मीर घाटी के कुछ ऊंचे इलाकों में भी हल्की बर्फबारी हुई। अगले 24 घंटों के दौरान जम्मू-कश्मीर में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश या बर्फबारी, गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना के साथ आमतौर पर बादल छाए रहेंगे।

'अमृतसर में अंबेडकर की मूर्ति तोड़े जाने पर केजरीवाल माफी मांगें'

- **कांग्रेस ने केजरीवाल के घर के बाहर प्रदर्शन किया, पुलिस ने बैरिकेड लगाये।**

नयी दिल्ली, 02 फरवरी। पूर्व सांसद उदित राज के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर प्रदर्शन किया और पंजाब के अमृतसर शहर में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा तोड़े जाने को लेकर उनसे माफी मांगने की मांग की।

उदित राज ने कहा, केजरीवाल को डॉ. अंबेडकर का सम्मान करना सीखना चाहिए। अमृतसर में डॉ. अंबेडकर की मूर्ति को तोड़ा गया है। वहां उनकी सरकार है। मैं यहां कोई बाधा डालने नहीं आया हूं। हमारा कोई राजनीतिक मकसद नहीं है। मैं यहां सिर्फ उन्हें बाबा साहब अंबेडकर की मूर्ति भेंट करने आया हूं...उन्हें अमृतसर में राज्य के अपमान के लिए माफी मांगनी चाहिए।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के मद्देनजर पुलिस ने केजरीवाल के घर से सामने सुरक्षा बढ़ा दी। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेड भी लगाये हैं।

गौरतलब है कि 26 जनवरी को एक वीडियो सोशल मीडिया में सामने आया था जिसमें एक व्यक्ति पंजाब के अमृतसर शहर में सीढ़ी लगाकर बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा पर चढ़ ते और हथौड़े से उसे क्षतिग्रस्त करते हुए नज़र आ रहा था।

इस घटना को लेकर कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आम आदमी पार्टी, पंजाब सरकार और केजरीवाल की तीखी आलोचना की थी।

ट्रंप के स्थानांतरण प्रस्ताव के खिलाफ गाज़ा पट्टी में प्रदर्शन

राष्ट्रपति ट्रंप ने गाज़ा की फिलिस्तीनी आबादी को मिस्र व जॉर्डन शिफ्ट करने का सुझाव दिया था

- **प्रदर्शनकारियों ने फिलिस्तीनियों को उनकी भूमि से निस्थापित करने की किसी भी योजना को खारिज किया। उन्होंने कहा, फिलिस्तीन हमारी असली मातृभूमि है और हम किसी को भी इसे कमज़ोर करने की इजाज़त नहीं देंगे।**

गाजा, 02 फरवरी। गाज़ा पट्टी में फिलिस्तीनी नागरिकों ने शनिवार को सड़कों पर उतरकर यहां की आबादी को मिस्र और जॉर्डन में स्थानांतरित करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के प्रस्ताव का विरोध किया और योजना को खारिज करने के लिए मिस्र की प्रशंसा की। प्रदर्शनकारी फिलिस्तीनी और मिस्र के झंडे लहराते हुए गाज़ा पट्टी के मध्य में अल-सराया स्क्वायर और दीर अल-बलाह पर एकत्र हुये।

मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी की तस्वीरों वाले बड़े बैनरों पर नारे लगे हुए थे जिन पर लिखा था, मिस्र हमेशा फिलिस्तीनी मुद्दे के सच्चे समर्थक और रक्षक के रूप में खड़ा रहेगा और अपने लोगों के विस्थापन को कभी स्वीकार नहीं करेगा।

एक बयान में परिवारों और नेताओं की ओर से प्रदर्शनकारियों ने फिलिस्तीनियों को उनकी भूमि से विस्थापित करने के उद्देश्य से किसी भी योजना या उपायों को खारिज कर दिया। बयान में कहा गया है, फिलिस्तीन हमारी असली मातृभूमि है और हम किसी को भी इसे कमजोर करने की इजाजत नहीं देंगे।

बयान में फिलिस्तीनियों से उनके अधिकारों को कमजोर करने के किसी भी प्रयास के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह किया गया है, उनसे अपनी भूमि पर दृढ़ रहने और वापसी और स्वतंत्रता के अपने अधिकार के लिए प्रतिबद्ध रहने का आ ान किया।

बयान में अपने राष्ट्रपति के नेतृत्व में मिस्र के रुख की भी प्रशंसा की गई, जिसमें फिलिस्तीनी मुद्दे के लिए उनके निरंतर समर्थन और इसे खत्म करने या फिलिस्तीनी राष्ट्रीय अधिकारों से समझौता करने के किसी भी प्रयास की उनकी दृढ़ अस्वीकृति पर प्रकाश डाला गया।

इससे पहले दिन में हमास ने गाज़ा की आबादी को विदेश में स्थानांतरित करने के अमेरिकी प्रस्ताव को बेतुका और बेकार कहकर खारिज कर दिया।

हमास के अधिकारी सामी अबू ज़ुहरी ने एक बयान में कहा कि पुनर्निर्माण के बहाने गाज़ा की आबादी को विस्थापित करने के बारे में अमेरिका के बार-बार दावे अपराध में लगातार अमेरिकी मिलीभगत को दर्शाते हैं। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि विस्थापन योजनाओं पर अमेरिकी प्रशासन का जोर केवल क्षेत्र में अराजकता और तनाव को और बढ़ाएगा।

अरब लीग के साथ शनिवार को छह अरब देशों के विदेश मंत्रियों और प्रतिनिधियों ने काहिरा में मुलाकात की जिसमें गाजा के लिए एक व्यापक पुनर्निर्माण योजना के तेजी से कार्यान्वयन का आव्हान किया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि फिलिस्तीनी अपनी भूमि पर बने रहें। बैठक में मिस्र, जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और कतर के विदेश मंत्रियों के साथ-साथ फिलिस्तीन मुक्ति संगठन (पीएलओ) की कार्यकारी समिति के महासचिव हुसैन अल-शेख और अरब लीग के महासचिव अहमद अबुल-घीत ने भाग लिया।

रविवार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अस्पताल में 500 स्टाफ को अलर्ट मोड में रखा गया है। पहले के अधिकतर मरीज यहां से डिस्चार्ज किए जा चुके हैं और डेढ़ सौ बेड रिजर्व रख लिए गए हैं। एसआरएन में 60 रेजिडेंट डॉक्टरों को 24 घंटे अलर्ट मोड में रखा गया है और यहां 30 सीटी स्कैन मशीनें पूरी तरह तैयार हैं, जिससे जरूरत पड़ने पर एमआरआई, अल्ट्रासाउंड समेत सभी जांचें हो सकेंगी।

अमेरिका ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्रवाई का जवाब 155 अरब डॉलर मूल्य के अमेरिकी सामानों पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क के साथ देगा। इसमें मंगलवार तक 30 अरब अमरीकी डालर मूल्य के सामानों पर तत्काल आयात शामिल होगा, इसके बाद 21 दिनों के समय में 125 अरब अमरीकी डालर मूल्य के अमेरिकी उत्पादों पर और आयात शुल्क लगाया जाएगा ताकि कैनडाई कंपनियों और आपूर्ति श्रृंखलाओं को विकल्प खोजने की अनुमति मिल सके।

बीकानेर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जलदाय विभाग के कर्मचारी श्याम नारायण रंगा ने बताया कि शहर में कई जगह झटके महसूस हुए हैं। सीसीटीवी कैमरे में भी धरती हिलने का नज़ारा कैद हुआ।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908